THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-27 अंक : 148 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) श्रावण शु.14, 2079 **गुरुवार, 11 अगस्त** 2022

प्रधान संपादक – **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर **पृष्ठ** : 14 **मूल्य** : 8 रुपये

एकनाथ शिंदे जंग में जीते पर समझौते में मिलेगी हार!

भाजपा के पास होंगे अहम मंत्रालय, बागियों को पुराने विभाग

एकनाथ शिंदे गुट को मिल सकते हैं ये मंत्रालय

एकनाथ शिंदे गुट के खाते में शहरी विकास, सामान्य प्रशासन, कानून और न्याय, लोक निर्माण (उपक्रम), कृषि, उद्योग, परिवहन, मराठी भाषा विकास जैसे मंत्रालय जा सकते हैं। इसके अलावा वन और पर्यावरण, पर्यटन, जल आपूर्ति और स्वच्छता, वानिकी, बागवानी, जल संरक्षण, उच्च और तकनीकी शिक्षा जैसे विभाग भी शिंदे समर्थक विधायकों को मिलेंगे।

गृह और वित्त के अलावा ये विभाग भी होंगे भाजपा के पास

भाजपा को वह विभाग मिलने की उम्मीद है, जो सबसे अहम होंगे और प्रदेश की व्यवस्था संभालने के लिए जरूरी हैं। खुद फडणवीस को गृह और वित्त मिलने की चर्चा है। इसके अलावा राजस्व, ग्रामीण विकास, बिजली, जल संसाधन, आवास, स्कूली शिक्षा, सार्वजनिक स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा जैसे अहम मंत्रालय भी भाजपा के नेताओं को मिलेंगे।

मुंबई, 10 अगस्त (एजेंसियां)। एकनाथ शिंदे ने उद्धव ठाकरे के मुकाबले सियासी जंग में भले ही जीत हासिल कर ली है, लेकिन भाजपा से वह समझौते में हारते दिख रहे हैं। मंगलवार को महाराष्ट्र का कैबिनेट विस्तार हुआ था और 18 नेताओं को मंत्री पद की शपथ दिलाई गई। इनमें से 9 मंत्री भाजपा के हैं तो वहीं इतने ही मंत्री एकनाथ शिंदे खेमे के होंगे। अब तक इन मंत्रियों को विभागों को बंटवारा नहीं हुआ है, जिसे जानने के लिए हर कोई उत्सुक है। हालांकि सूत्रों के मुताबिक बीजेपी ने ज्यादातर अहम मंत्रालयों को अपने पास ही रखा है। कहा जा रहा है कि एकनाथ शिंदे समर्थक विधायकों को वही मंत्रालय मिलेंगे, जो वह उद्धव ठाकरे की सरकार में संभाल रहे थे। इसके अलावा अहम मंत्रालय भाजपा के सीनियर नेताओं के हाथ जा सकते हैं। सूत्रों का कहना है कि एकनाथ शिंदे को सीएम का पद देने के बाद भाजपा अब मंत्रालयों में अपना दावा मजबूत रखना चाहती है। इसी के तहत देवेंद्र फडणवीस को वित्त और गृह मंत्रालय दिए जाने की तैयारी है। इस तरह भले ही देवेंद्र फडणवीस डिप्टी सीएम हैं, लेकिन होम मिनिस्ट्री के जरिए वही प्रदेश की व्यवस्था संभालेंगे। इसके अलावा वित्त मंत्रालय भी अपने पास रखेंगे। इसके अलावा राजस्व, जल संसाधन, ग्रामीण विकास और लोक निर्माण विभाग भाजपा के शीर्ष नेताओं के पास जाएंगे। वहीं एकनाथ शिंदे के पास शहरी विकास मंत्रालय, पीडब्ल्यूडी विभाग बने रहेंगे। उद्धव सरकार में भी उनके पास यही जिम्मेदारी थी।

एकनाथ शिंदे के करीबी विधायक उदय सामंत को उद्योग के साथ-साथ उच्च और तकनीकी शिक्षा मंत्रालय मिल सकता है। कहा जा रहा है कि एकनाथ शिंदे गुट के विधायकों को उतना फायदा नहीं हुआ, जितना शिवसेना से बगावत पर होना चाहिए था। हालांकि एक सच यह भी है कि एकनाथ शिंदे को सीएम का पद 40 विधायकों पर ही मिला है और भाजपा उसके बदले में अहम मंत्रालय लेना चाहती है। शिंदे समूह के विधायकों को पुराने विभागों में ही रहना होगा। केवल अब्दुल सत्तार और शंभूराज देसाई को राज्य मंत्री के पद से कैबिनेट मंत्री के पद पर पदोन्नत किया गया, जो शिंदे गुट के लिए बड़ा फायदा है।

सांसद व विधायकों को राउत से मिलने की इजाजत नहीं मिली, जेल में बंद हैं शिवसेना नेता

मुंबई, 10 अगस्त (एजेंसियां)। मुंबई के चर्चित पात्रा चॉल घोटाले में आर्थर रोड जेल में बंद शिवसेना नेता संजय राउत से मिलने पहुंचे एक सांसद व दो विधायकों को उनसे मुलाकात की इजाजत नहीं दी गई। जेल प्रशासन ने शिवसेना के सांसद व विधायकों को उनसे मिलने की अनुमति नहीं दी। राउत को ईडी ने उक्त घोटाले से जुड़े मनी लॉनड्रिंग मामले में गिरफ्तार किया था।

कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए चुनाव 21 अगस्त से

राहुल गांधी के लड़ने पर संशय

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेंसियां)। कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष पद के लिए 21 अगस्त से चुनाव शुरू होंगे. राहुल गांधी इस पद के लिए चुनाव लड़ेंगे या नहीं, इसको लेकर कोई स्पष्टता नहीं है. पार्टी नेताओं ने कई बार उनसे अनुरोध किया, लेकिन उन्होंने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी. हालांकि, अभी तक राहुल गांधी ने कांग्रेस अध्यक्ष बनने के अनुरोध को ना नहीं कहा है. साल 2019 के लोकसभा चुनाव हारने के बाद राहुल गांधी ने अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था और चाहते थे कि एक गैर गांधी को कांग्रेस अध्यक्ष चुना जाए. गैर गांधी के कांग्रेस अध्यक्ष बनाए जाने पर अभी तक कोई सहमति नहीं बनी है. अधिकांश नेता इस पर अड़े हुए हैं कि गांधी परिवार का सदस्य ही पार्टी का नेतृत्व करे. राहुल गांधी 'भारत जोड़ो यात्रा में हिस्सा लेंगे. कन्याकुमारी से कश्मीर तक होने वाली यह यात्रा 7 सितंबर, 2022 से शुरू होने वाली है. 12 राज्यों और 2 केंद्र शासित प्रदेशों में से होकर गुजरने वाली 3500 किलोमीटर से ज्यादा लंबी यात्रा करीब 150 दिनों में पूरी की जाएगी. कांग्रेस अध्यक्ष के चुनाव के बाद पूर्ण सत्र में सीडब्ल्यूसी और अन्य पदों के लिए चुनाव होंगे. बता दें, कांग्रेस अध्यक्ष पद चुनाव को लेकर काफी समय से चर्चा है. हर बार कांग्रेस पार्टी की होने वाली बैठक से पहले अध्यक्ष पद का मामला जरूर उठता है. हालांकि, आखिरी हुई बैठक में तय हुआ था कि जब तक कांग्रेस पार्टी का अध्यक्ष नहीं चुन लिया जाता, तब तक सोनिया गांधी ही पार्टी का नेतृत्व करेंगी.

प्रियंका गांधी फिर कोविड पॉजिटिव, खुद को किया आइसोलेट

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेंसियां)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा को एक बार फिर से कोरोना हो गया है. प्रियंका गांधी ने खुद इसकी जानकारी दी. उन्होंने ट्वीट करते हुए लिखा कि आज कोविड का टेस्ट पॉजिटिव आया है (फिर से!). घर में आइसोलेट रहूंगी और सभी प्रोटोकॉल का पालन कर रही हूं. दरअसल प्रियंका गांधी को जून में भी कोरोना हो गया था. उस दौरान प्रियंका गांधी ने ट्वीट कर इसकी जानकारी दी थी. प्रियंका गांधी ने तब ट्वीट कर लिखा था कि ''जांच में कोविड-19 से संक्रमित होने का पता चला है. संक्रमण के हल्के लक्षण हैं. सभी दिशानिर्देशों का पालन करते हुए मैंने खुद को अपने घर पर ही पृथकवास में कर लिया है.'' 'मैं उन सभी लोगों से जरूरी सावधानियां बरतने का आग्रह करती हूं जो मेरे संपर्क में आये हैं.'' उस दौरान प्रियंका गांधी से पहले सोनिया गांधी और कांग्रेस नेता के सी वेणुगोपाल को भी कोरोना वायरस हुआ था. कोरोना वायरस होने के कारण पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी जून में नेशनल हेराल्ड मामले से संबंधित धनशोधन के आरोपों की जांच के सिलसिले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समक्ष पेश नहीं हो पाई थी. वहीं बिहार विधानसभा के अध्यक्ष विजय कुमार सिन्हा के कोरोना वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि हुई थी. लेकिन एक दिन बाद सिन्हा ने कहा कि उनकी रिपोर्ट नेगेटिव आई है. भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक सिन्हा ने ट्विटर पर बताया कि सोमवार को उनकी जो रिपोर्ट आई है, उसमें उनमें कोरोना वायरस का संक्रमण नहीं पाया गया है. एक दिन पहले उनमें संक्रमण की पुष्टि हुई थी.

नितिन गडकरी की अधिकारियों को नसीहत, मंत्रियों को सिर्फ 'यस सर' बोलो

नागपुर, 10 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने मंगलवार को कहा कि नौकरशाहों को मंत्री जो कुछ भी कहते हैं उसे तुरंत लागू करना चाहिए क्योंकि सरकार मंत्रियों के अनुसार ही काम करती है। नागपुर में एक कार्यक्रम में बोलते हुए गडकरी ने कहा, मैं हमेशा अधिकारियों से कहता हूं कि सरकार आपके कहने के अनुसार काम नहीं करेगी। आपको केवल यस सर कहना है। हम जो कह रहे हैं उसे आपको लागू करना होगा। सरकार हमारे हिसाब से काम करेगी। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री ने भी महात्मा गांधी का हवाला दिया और कहा कि गरीबों के कल्याण के लिए कोई कानून आड़े नहीं आता। उन्होंने कहा, मैं जानता हूं कि गरीबों के कल्याण में कोई भी कानून आड़े नहीं आता। अगर ऐसे कानून को 10 बार भी तोड़ना है तो हमें संकोच नहीं करना चाहिए। ऐसा महात्मा गांधी ने कहा था। केंद्रीय मंत्री ने एक उदाहरण देते हुए कहा कि 1995 में गडरीचोली और मेलघाट में कुपोषण के कारण हजारों आदिवासी बच्चों की मौत हो गई क्योंकि गांवों में सड़कें नहीं थीं और वन कानून सड़कों के विकास के रास्ते में आ रहे थे।

तुम सरकार गिराओ तो मास्टर स्ट्रोक

हम बनाएं तो गद्दार, लालू यादव की बेटी का बीजेपी पर तंज

पटना, 10 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार में जेडीयू-बीजेपी गठबंधन टूटने के बाद नीतीश कुमार महागठबंधन के साथ सरकार बनाने जा रहे हैं. ऐसे में राजनीतिक प्रतिक्रियाओं और वार पलटवार का दौर जारी है. ताजा मामले में लालू प्रसाद यादव की बेटी रहिणी आचार्य ने बीजेपी पर वार किया है. उन्होंने ट्वीट करके कहा है कि तुम सरकार गिराओ तो मास्टर स्ट्रोक और हम बनाएं तो गद्दार. उन्होंने कहा कि तुम्हारी भावना सच्ची हमारी झूठी, अगर तुम सरकार गिराओ मास्टर स्ट्रोक, हम समाजवादी सरकार बनाएं तो गद्दार. ये क्या बात हुई. तुम्हारी भावना सच्ची हमारी भावना झूठी. ये क्या हुई बात. उन्होंने कहा कि तुम गरीबों के राज को जंगलराज बताते हो, अपने असुरीराज को बुलाते हो मंगलराज. रोहिणी इससे पहले भी बीजेपी पर हमला कर चुकी हैं. रोहिणी आचार्य ने बीजेपी पर निशाना साधते हुए कुछ दिन पहले ट्वीट किया था कि बीजेपी की सत्ता की भूख एक दिन उसे ले डूबेगी. इसके अलावा उन्होंने कहा कि राजतिलक की करो तैयारी, आ रहे हैं लालटेनधारी. रोहिणी ने ये ट्वीट नीतीश कुमार ( ) के महागठबंधन में शामिल होने से पहले किए थे. आपको बता दें कि लालू की बेटी रोहिणी राजनीतिक रूप से ट्विटर और फेसबुक पर एक्टिव रहती हैं. वो अक्सर विपक्ष के नेताओं पर पलटवार करती रहती हैं.

चुनाव से पहले कर्नाटक में भी बदलेगा सीएम?

कांग्रेस के दावे पर भाजपा ने तोड़ी चुप्पी

बेंगलुरू, 10 अगस्त (एजेंसियां)। कर्नाटक में विधानसभा चुनाव से पहले मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई को पद हटाए जाने की अटकलों के बीच कैबिनेट मंत्री आर अशोक सामने आए हैं। उन्होंने कहा है कि कांग्रेस अनावश्यक रूप से इस मुद्दे को उठा रही है। आर अशोक ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह सहित भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने पहले ही स्पष्ट कर दिया है कि अगला चुनाव बोम्मई के नेतृत्व में लड़ा जाएगा। उन्होंने कांग्रेस को 2023 विधानसभा चुनाव के लिए मुख्यमंत्री पद का नाम घोषित करने की चुनौती दी। दरअसल, कांग्रेस ने मंगलवार को बोम्मई को कठपुतली मुख्यमंत्री करार दिया था। कर्नाटक सरकार में मंत्री आर अशोक ने कहा कि कांग्रेस की अंदरूनी कलह सबके सामने आ चुकी है, और इसी कलह को छिपाने के लिए कांग्रेस यह झूठी खबर फैला रही है कि मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई को हटा दिया जाएगा। उन्होंने कहा, देश में कांग्रेस का कोई आधार नहीं है, भाजपा के नेतृत्व और सीएम परिवर्तन के बारे में बोलने का उन्हें क्या अधिकार है?उन्होंने कहा, कांग्रेस अपनी पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष तक नियुक्त नहीं कर पाई है और मुख्यमंत्री बदलने की बात कर रही है। आर अशोक ने सवाल किया कि क्या गृहमंत्री या प्रधानमंत्री ने आपको सीएम बदलने के बारे में बताया है? उन्होंने कहा, कांग्रेस को पहले अपनी अंदरूनी कलह को साफ करना चाहिए। न तो कर्नाटक में मुख्यमंत्री बदले जाएंगे और न ही भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष नलिन कुमार कतील को बदला जाएगा।

बिहार राजनीति पर बोले शरद पवार

नीतीश का फैसला सही, बीजेपी करती है राज्य की पार्टियों को खत्म

मुंबई, 10 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार के राजनीतिक तूफान के बीच एनसीपी चीफ शरद पवार का बड़ा बयान आया है। उन्होंने नीतीश कुमार के इस कदम को सही बताया है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी अपने साथ आई हुई राज्य की पार्टियों को खत्म कर देती है। शरद पवार ने कहा कि, नीतीश कुमार की बात साफ है कि बीजेपी अपने साथ आई प्रदेशिक पार्टी को धीरे धीरे खत्म कर देती है उसका एक बड़ा उदहारण पंजाब में अकाली दल है। उन्होंने कहा कि आज महाराष्ट्र में शिवसेना को देखिए, शिवसेना कई सालों तक बीजेपी के साथ ही रही। लेकिन शिवसेना में बंटवारा कर खत्म करने का काम बीजेपी ने किया है, जिसमें एकनाथ शिंदे और लोगों ने मदद की। शरद पवार ने कहा कि बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कुछ दिनों पहले एक जगह बयान दिया था। जिसमें उन्होंने कहा था और साफ़ किया कि प्रादेशिक पार्टियों को महत्व नहीं है, यह प्रादेशिक पार्टियां बचेंगी नहीं हमारी एक ही पार्टी देश में बचेगी।

नीतीश के खिलाफ मुखर हुई बीजेपी

एनडीए से अलग होने के बाद से ही नीतीश कुमार के खिलाफ बीजेपी मुखर हो गई है। बीजेपी ने नीतीश कुमार पर धोखा देने का आरोप लगाया है। रविशंकर प्रसाद ने कॉन्फ्रेंस की शुरुआत करते हुए कहा, पहला सवाल- आप हमारे साथ कैसे और क्यों आए थे? आपने लालू जी को छोड़ा था- जब हमलोग चारा घोटाले के खिलाफ लड़ाई लड़ रहे थे। जब आप सांप्रदायिकता की बात करते हैं तो आपको याद दिला दूं कि जब आपने हमसे हाथ मिलाया तब राम जन्मभूमि आंदोलन चरम पर था।

करुवन्नूर बैंक धोखाधड़ी मामले में बड़ी कार्रवाई, ईडी की टीम ने की छापेमारी

तिरुवनंतपुरम, 10 अगस्त (एजेंसियां)। केरल में कथित बैंक धोखाधड़ी मामले में प्रवर्तन निदेशालय(ईडी) की टीम ने बड़ी कार्रवाई की है। ईडी के अधिकारियों ने त्रिशूर के करुवन्नूर सहकारी बैंक में छापा मारा है। इसके अलावा चार आरोपियों के ठिकानों पर भी तलाशी ली जा रही है। जानकारी के मुताबिक, करुवन्नूर सहकारी बैंक में करीब 300 करोड़ रुपये की कथित धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। ईडी के अधिकारियों ने बताया कि कोच्चि में कई ठिकानों पर तलाशी ली गई। यह कार्रवाई ऐसे समय में हुई है, जब बैंक में जमाकर्ता अपने निवेश की वापसी के लिए बैंक के प्रबंधन के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं।

राशनकार्ड धारकों को तिरंगा खरीदने पर किया जा रहा मजबूर : वरुण गांधी का ट्वीट वायरल

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेंसियां)। मोदी सरकार की नीतियो के विरुद्ध आक्रामक रुख अपनाने वाले बीजेपी सांसद वरुण गांधी ने एक बार फिर सरकारी नीतियों पर चोट किया है. इस बार वरुण गांधी ने मोदी सरकार के 'हर घर तिरंगा' अभियान से गरीबों को हो रहे नुकसान को लेकर ट्वीट किया है. वरुण गांधी अपने इस ट्वीट में इस बार गरीबों की आवाज उठाते हुए दिख रहे हैं. वरुण गांधी ने अपने ट्वीट में लिखा, आजादी की 75वीं वर्षगाँठ का उत्सव गरीबों पर ही बोझ बन जाए तो दुर्भाग्यपूर्ण होगा. राशन कार्ड धारकों को या तिरंगा खरीदने पर मजबूर किया जा रहा है या उसके बदले उनके हिस्से का राशन काटा जा रहा है. हर भारतीय के हृदय में बसने वाले तिरंगे की कीमत गरीब का निवाला छीन कर वसूलना शर्मनाक है. बता दें कि हर घर तिरंगा अभियान के तहत मोदी सरकार ने 20 करोड़ घरों पर तिरंगा लगाने का फैसला किया है. सरकार के इस अभियान को बीजेपी शासित राज्य भी खूब भुना रहे हैं. इसी बीच हरियाणा में सोशल माडिया पर एक मैसेज तेजी से वायरल हो रहा है.इस मैसेज में लिखा है कि डिपो धारकों द्वारा राशन डिपो पर बिना झंडे खरीदे राशन नहीं मिलेगा. मैसेज में लिखा है कि डिपो से जुड़े सभी राशन कार्ड धारक 20 रुपये लेकर डिपो पर झंडा लेने पहुंचे. झंडा न लेने वालों को अगस्त महीने का गेहूं नहीं दिया जाएगा. यह मैसेज हरियाणा में ही नहीं बल्कि वायरल होकर पूरे देश में पहुंच गया. इसके बाद बीजेपी सांसद वरुण गांधी ने यह ट्वीट किया है. उन्होंने एक वीडियो भा शेयर किया है, जिसमें लोग कह रहे हैं कि हमारे पास राशन खरीदने के लिए पैसे नहीं हैं और हम तिरंगा खरीदने के लिए पैसे कहां से लाएं.

गरीबों के राशन को लेकर वरुण गांधी ने कही थी ये बात

वरुण गांधी अपनी ही सरकार की नीतियों को लेकर हमेशा सवाल खड़ करते रहे हैं. गरीबों को राशन दिये जाने को लेकर वरुण गांधी ने 6 अगस्त को एक ट्वीट किया था. उसमें लिखा, जो सदन गरीब को 5 किलो राशन दिए जाने पर 'धन्यवाद' की आकांक्षा रखता है. वही सदन बताता है कि 5 वर्षों में भ्रष्ट धनपशुओं का 10 लाख करोड़ तक का लोन माफ हुआ है. 'मुफ्त की रेवड़ी' लेने वालों में मेहुल चोकसी और ऋषि अग्रवाल का नाम शीर्ष पर है. सरकारी खजाने पर आखिर पहला हक किसका है? इसके पहले भी वरुण गांधी महंगाई, बेरोजगारी आदि मुद्दों पर अपनी ही सरकार को घेरते रहे हैं.

नवनिर्वाचित महापौर भी है लिप्त ! संभागायुक्त ने खोली भ्रष्टाचार की फ़ाइल, 39 पार्षदों को मिला नोटिस

भोपाल, 10 अगस्त (एजेंसियां)। राजधानी भोपाल की नवनिर्वाचित महापौर मालती राय के खिलाफ लोकायुक्त जांच की फाइल खुल गई है। 15 साल पुरानी सड़कों के निर्माण में 39 पार्षदों को कॉन्ट्रैक्टर को 85 लाख रुपए का अधिक भुगतान करने के मामले में दोषी पाया गया था। और उस समय महापौर मालती राय भी उस परिषद में पार्षद थीं। नोटिस पर 26 जुलाई की तारीख दर्ज है, लेकिन महापौर मालती राय को 7 अगस्त को प्राप्त हुआ है। दरअसल 2005 में एमपी नगर में विकास कार्य हेतु 5 करोड़ 45 लाख 70 हजार रुपये आवंटित किए गए थे।

सीसी रोड, पाइप लाइन, सीवेज लाइन का काम होना था। जिसके बाद एक कम्पनी ने एसओआर से 7.2 फीसदी कम रेट पर ऑफर दिया था। उस दौरान बीजेपी पार्षदों के विरोध के कारण बहुमत के आधार पर टेंडर रद्द हुआ था। लेकिन फिर दुबारा से टेंडर बुलाया गया। और उसी कंपनी ने एसओआर से 8.38 प्रतिशत अधिक का ऑफर दिया गया। और इस कारण नगर निगम को 85 लाख रुपए अधिक भुगतान करने पड़े। तत्कालीन लोकायुक्त रिपुसूदन दयाल ने इन सभी पार्षदों को अयोग्य घोषित करने और 85 लाख रुपए की वसूली करने की सिफारिश के साथ यह मामला संभागायुक्त को भेजा था। तब से कई संभागायुक्त बदल गए वहीं उस परिषद का कार्यकाल भी समाप्त हो गया, हालांकि यह मामला अब तक नहीं सुलझा।

उस दौरान बैरसिया विधायक विष्णु खत्री, पूर्व सांसद आलोक संजर, अनिल अग्रवाल, केवल मिश्रा, विष्णु राठौर,दिनेश यादव आदि उस समय पार्षद थे। और बीजेपी के रामदयाल प्रजापति परिषद अध्यक्ष थे। वहीं जानकारी के अनुसार भोपाल संभागायुक्त गुलशन बामरा ने इस मामले की सुनवाई किसी अन्य से कराने का अनुरोध किया था। लेकिन शासन ने नर्मदापुरम के संभागायुक्त के रूप में मेरे पास यह मामला भेजा। जिसके बाद ही हमने सुनवाई के लिए नोटिस जारी किए हैं।

आय से अधिक संपत्ति मामले में शिबू सोरेन को लोकपाल का नोटिस

रांची, 10 अगस्त (एजेंसियां)। भारत के लोकपाल ने झामुमो प्रमुख और राज्यसभा सांसद शिबू सोरेन को आय से अधिक संपत्ति के मामले में 25 अगस्त को पेश होने के लिए नोटिस जारी किया है। 5 अगस्त, 2020 को शिकायत दर्ज की गई थी कि शिबू सोरेन और उनके परिवार के सदस्यों ने अवैध साधनों के माध्यम से अपनी आय के ज्ञात और घोषित स्रोतों से अधिक संपत्ति अर्जित की है। शिकायत में यह भी उल्लेख किया गया था कि सोरेन ने झारखंड राज्य में सरकारी खजाने का दुरुपयोग करके भ्रष्ट और बेईमान साधनों को अपनाकर अपने और अपने परिवार के सदस्यों के नाम पर कई व्यावसायिक और आवासीय संपत्तियां अर्जित की हैं। नोटिस न्यायमूर्ति अभिलाषा कुमारी (न्यायिक सदस्य) और सदस्यों, महेंद्र सिंह और इंद्रजीत पी गौतम की पीठ ने 4 अगस्त को मामले की सुनवाई के बाद जारी किया था।

कमलनाथ का बीजेपी पर बड़ा आरोप, प्रदेश में आदिवासियों पर हो रहे सबसे ज्यादा अत्याचार

भोपाल, 10 अगस्त (एजेंसियां)। विश्व आदिवासी दिवस पर भी सियासत गरमाई। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ मंगलवार को पातालपानी पहुंचे। वहां आदिवासी समुदाय के महान नेता टंट्या भील मामा की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। पूर्व मुख्यमंत्री ने बीजेपी सरकार पर बड़ा आरोप लगाया और कहा कि प्रदेश में आदिवासी वर्ग के साथ अत्याचार और शोषण हो रहा है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने आदिवासी समुदाय के भगवान बिरसा मुंडा को भी याद करते हुए कहा कि आदिवासी समाज ने देश की आजादी में ऐतिहासिक भूमिका निभाई है। आदिवासी समाज बहुत ही भोला-भाला समाज है। भारतवर्ष में आदिवासी वर्ग का बहुत बड़ा समुदाय निवास करता हैं। केंद्र और प्रदेश की सरकारें आदिवासी विरोधी होने के कारण आज इस वर्ग के साथ अत्याचार और शोषण हो रहा है।

भाजपा इस वर्ग को अपने भ्रमजाल में फंसाकर इनसे वोट तो ले लेती है, लेकिन बाद में इन्हें धोखा दे देती है। कांग्रेस पार्टी ने हमेशा से आदिवासी वर्ग के हितों की रक्षा की है, चाहे जमीन के पट्टे की बात हो या उनके जीवनयापन की या उनके लिए कर्ज की बात हो। कांग्रेस आदिवासी वर्ग के साथ हमेशा थी, है और हमेशा रहेगी। कमलनाथ ने इंदौर के जानापाव में भगवान श्री परशुराम की जन्मस्थली पहुंचकर पूजा-अर्चना की। उन्होंने कहा कि भगवान परशुराम जी ब्राह्मण समाज के ही नहीं पूरे भारतवर्ष के आराध्य हैं। उनकी कीर्ति, यश, उनकी बौद्धिक क्षमता, बल और तेज, त्याग, तपस्या और बलिदान से पूरा विश्व चिर-परिचित हैं। कमलनाथ ने कहा कि आजादी के अमृत महोत्सव पर प्रदेश कांग्रेस द्वारा आज से 15 अगस्त तक पूरे प्रदेश में सात दिवसीय तिरंगा सम्मान यात्रा निकाली जा रही है। इस दौरान प्रत्येक जिले में 75 किलोमीटर की पदयात्रा की जाएगी। तिरंगा यात्रा में कांग्रेस के पदाधिकारी, कांग्रेस के समस्त जनप्रतिनिधि, कांग्रेसजन और आम नागरिक हिस्सा लेंगे। इस दौरान जानापाव और पातालपानी में आयोजित कार्यक्रम में कांग्रेस नेताओं सहित बड़ी संख्या में स्थानीय कार्यकर्ता उपस्थित थे। गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि कांग्रेस के बाकी आंदोलन का जो हश्र हुआ है, वैसा ही इस पदयात्रा का भी होगा।

उन्होंने कहा कि अध्यक्ष एक किलोमीटर भी चले तो हमको जरूर बताना। साथ ही उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति चुनाव में आदिसियों के खिलाफ वोट देकर वह कैसे आदिवासीहितैषी हो गए। 15 महीने की सरकार में कोई योजना नहीं बनाई। सारी की सारी बातें कागजों और घोषणाओं में रही। और वो अपने आपको आदिवासी हितैषी कहते है। हर व्यक्ति समझता है कि अब कांग्रेस कुछ नहीं करने वाली है। मध्य प्रदेश में कांग्रेस की तिरंगा सम्मान यात्रा की शुरुआत हो गई। यह यात्रा 14 अगस्त तक निकाली जाएगी।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-27 अंक : 148 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) श्रावण शु.14, 2079 **गुरुवार, 11 अगस्त** 2022

प्रधान संपादक - **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर **पृष्ठ : 14 मूल्य : 8 रुपये**

सैन्य अधिकारियों के शिक्षा और प्रशिक्षण पैटर्न को उन्नत करने की आवश्यकता

गांधीनगर , 10 अगस्त (एजेंसियां)। एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी ने बुधवार को कहा कि चुनौतीपूर्ण सुरक्षा के मद्देनजर सैन्य अधिकारियों की शिक्षा और प्रशिक्षण पैटर्न को उन्नत और परिष्कृत करने की आवश्यकता है। एयर चीफ मार्शल, भारतीय वायुसेना और राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर करने के लिए गांधीनगर में थे। एमओयू पर हस्ताक्षर के बाद एयर चीफ मार्शल ने कहा कि टकराव के कन्वेंशनल डोमेन लगातार विकसित हो रहे हैं और युद्ध में गैर-घातक साधनों का उपयोग किया जा रहा है।

8वीं बार सीएम नीतीश कुमार

तेजस्वी उनके डिप्टी, शपथ लेते ही तेजस्वी ने नीतीश के पैर छुए

पटना, 10 अगस्त (एजेंसियां)। नीतीश कुमार ने 8वीं बार बिहार के मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ले ली है। राज्यपाल फागू चौहान ने उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। नीतीश ने हिंदी में ईश्वर के नाम की शपथ ली। उनके तुरंत बाद तेजस्वी यादव ने डिप्टी सीएम की शपथ ली। शपथ लेते ही तेजस्वी ने मंच पर ही नीतीश कुमार के पैर छूकर आशीर्वाद लिया।

शपथ के बाद भाजपा पर बरसे नीतीश

शपथ लेने के बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मीडिया से बात की। नाम लिए बिना उन्होंने भाजपा पर हमला बोला। नीतीश ने कहा, '2014 में आने वाले, 2024 में रहेंगे तब ना। हम रहें या न रहें, वे 2024 में नहीं रहेंगे। मैं विपक्ष को 2024 के लिए एकजुट होने की अपील करता हूं।' पीएम पद के सवाल पर उन्होंने कहा कि मैं इस पद का उम्मीदवार नहीं हूं। नीतीश कुमार ने भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा पर भी इशारों में निशाना साधा। कहा, जिनको लगता है विपक्ष खत्म हो जाएगा, तो हम लोग तो आ ही गए हैं विपक्ष में। दरअसल, बीते दिनों बिहार में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते करते हुए भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा था कि देश में क्षेत्रीय पार्टियां खत्म हो रही हैं। जो खत्म नहीं हुई हैं, हो जाएंगी। सिर्फ भाजपा ही बचेगी। वहीं मंत्रियों के शपथ ग्रहण पर नीतीश कुमार ने कहा कि हमारी सरकार बन गई है। शपथ भी हो गई। बाकी मंत्रियों के बारे में जल्द ही निर्णय लेकर शपथ ग्रहण कराई जाएगी।

नीतीश कुमार ने कहा, हमारी पार्टी के लोगों से पूछ लीजिए की क्या सबकी स्थिति हुई। मैं 2020 में मुख्यमंत्री बनना नहीं चाहता था, लेकिन मुझ पर दबाव बनाया गया कि आप संभालिए। बाद के दिनों में जो कुछ भी हो रहा था, सब देख रहे थे। हमारी पार्टी के लोगों के कहने पर हम अलग हुए। उन्होंने कहा, बीते डेढ़ महीने से हम कोई बातचीत नहीं कर रहे थे। हमारे साथ गलत हो रहा था।

नीतीश ने भ्रष्टाचार और कांग्रेसवाद का पक्ष लिया : रविशंकर प्रसाद

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेंसियां)। जदयू द्वारा भाजपा से अलग होने के फैसले पर पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने नीतीश कुमार पर पलटवार किया है। उन्होंने सवाल करते हुए कहा कि जिस भ्रष्टाचार की वजह से नीतीश कुमार ने आरजेडी का साथ छोड़कर भाजपा के साथ सरकार बनाई, आज वो फिर आरजेडी के साथ सरकार बना रहे हैं। मैं उनसे पूछना चाहता हूं कि क्या भ्रष्टाचार खत्म हो गया?

रविशंकर प्रसाद ने कहा, नीतीश कुमार गैर कांग्रेसी नेता रहे हैं। उनकी राजनीति गैर-कांग्रेसवाद के इर्द-गिर्द रही है। क्या यह विचारधारा खत्म हो गई? भ्रष्टाचार और गैर-कांग्रेसवाद से समझौता करके नीतीश कुमार ने भ्रष्टाचार और कांग्रेसवाद का पक्ष लिया। इसके लिए बधाई, जनता लोकसभा और विधानसभा चुनावों में इसका जवाब देगी।

राजू श्रीवास्तव को हार्ट अटैक

पॉपुलर कॉमेडियन जिम में वर्क आउट करते हुए गिर पड़े, एम्स में भर्ती

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेंसियां)। पॉपुलर कॉमेडियन राजू श्रीवास्तव की बुधवार को तबीयत खराब हो गई। उन्हें दिल्ली के एम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया है। राजू को जिम में वर्कआउट करने के दौरान हार्ट अटैक आया था, जिसके बाद उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया। उनके करीबी मकबूल निसार ने कॉमेडियन को हार्ट अटैक आने की पुष्टि की है।

ट्रेडमिल पर रनिंग करते समय हुआ चेस्ट पेन

मकबूल निसार ने बताया कि राजू श्रीवास्तव होटल के जिम में सुबह वर्कआउट कर रहे थे। इस दौरान ट्रेडमिल पर रनिंग करते समय उन्हें चेस्ट में पेन हुआ और वे नीचे गिर पड़े थे। इसके बाद तुरंत राजू को अस्पताल में भर्ती कराया गया। उन्होंने कहा कि राजू श्रीवास्तव पार्टी के कुछ बड़े नेताओं से मिलने के लिए दिल्ली पहुंचे थे। राजू ने 2014

में भाजपा पार्टी ज्वॉइन की थी।

राजू श्रीवास्तव की होगी बायपास सर्जरी

मकबूल निसार ने आगे बताया, "राजू की हालत अभी तो स्टेबल है। जल्द ही उनका हेल्थ अपडेट दिया जाएगा। डॉक्टरों की टीम ने राजू की पिछली मेडिकल रिपोर्ट्स मंगवाई हैं, उसके आधार पर डॉक्टर्स उनकी बायपास सर्जरी करने का फैसला लेंगे। हालांकि, राजू लगातार फिट एंड फाइन रहे हैं। वो निरंतर जिम करते रहें हैं। उनके आगे कई शहरों में शोज लाइन अप हैं। 31 जुलाई तक वो लगातार शोज कर रहे थे।

उत्तर प्रदेश फिल्म विकास परिषद के चेयरमैन हैं राजू

राजू श्रीवास्तव अपनी शानदार कॉमेडी के लिए जाने जाते हैं। वे कई फिल्मों और टीवी शोज में भी काम कर चुके हैं। वे उत्तर प्रदेश फिल्म विकास परिषद के चेयरमैन भी हैं। राजू बचपन से ही कॉमेडियन बनना चाहते थे और उन्होंने अपना ये सपना पूरा भी किया। उन्होंने बतौर स्टेज परफॉर्मर अपने करियर की शुरुआत की थी।

राजू को अमिताभ बच्चन का लुक अलाइक होने पर पहचाना जाता था। स्ट्रगल के दिनों में राजू 'मैंने प्यार किया', 'बाजीगर', 'बॉम्बे टू गोवा', 'आमदनी अठ्ठनी खर्चा रुपैया' और 'मैं प्रेम की दीवानी हूं' जैसी फिल्मों में छोटे-मोटे रोल करते दिख चुके हैं। राजू को 'द ग्रेट इंडियन लाफ्टर चैलेंज' से देशभर में पहचान मिली थी, इस कॉमेडी शो में उन्होंने तीसरा स्थान हासिल किया था।

'मेंशनिंग का काम वरिष्ठ वकीलों का नहीं' : सीजेआई रमण ने कपिल सिब्बल व अभिषेक सिंघवी को भी रोका

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेंसियां)। देश के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) एनवी रमण ने बुधवार को तत्काल सुनवाई के मामलों की मेंशनिंग के लिए वरिष्ठ वकीलों को पक्ष रखने से रोक दिया। जस्टिस रमण ने कहा कि वे इस सिलसिले को खत्म करना चाहते हैं। उन्होंने वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल व अभिषेक मनु सिंघवी को भी अर्जेंट मामलों की मेंशनिंग की इजाजत नहीं दी और कहा कि वे इसके लिए वकील आन रिकॉर्ड (AoRs) को कल भेजें।

दरअसल, तत्काल सुनवाई योग्य मामलों की शीर्ष कोर्ट में रोजाना पहले मेंशनिंग(उल्लेख) की जाती है। सीजेआई की पीठ के समक्ष यह प्रक्रिया होती है, इसके बाद वे किसी पीठ को संबंधित मामले की सुनवाई का निर्देश देते हैं। बुधवार को सीजेआई रमण ने वरिष्ठ वकीलों को मेंशनिंग की इजाजत नहीं दी। उन्होंने कहा कि 'वरिष्ठों को मेंशन की इजाजत का सवाल ही नहीं है।' सुप्रीम कोर्ट खुलते ही पहले कक्ष में होने वाली मेंशनिंग में मुख्य रूप से वरिष्ठ वकील पहुंच जाते हैं। बुधवार को भी ऐसा ही हुआ। इस पर सीजेआई रमण ने पंक्ति में खड़े एक वरिष्ठ वकील से साफ शब्दों में कह दिया कि वे वरिष्ठों को नहीं सुनेंगे। ये वरिष्ठ वकील किसी मामले की तत्काल सुनवाई के लिए उनके समक्ष उल्लेख करना चाहते थे। जस्टिस रमण ने वरिष्ठ वकील से कहा कि वे अपने एआरओ को कल भेजें। सीजेआई की पीठ में जस्टिस रमण के अलावा जस्टिस कृष्ण मुरारी और जस्टिस हिमा कोहली भी मौजूद थे। इस दौरान वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल और एएम सिंघवी को भी पीठ के समक्ष केस मेंशन करने की इजाजत नहीं दी गई।

वरवरा राव को शर्तों के साथ नियमित जमानत

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने आज वर्ष 2018 में हुई महाराष्ट्र की भीमा कोरेगांव हिंसा के मामले के आरोपी कवि वरवरा राव को स्वास्थ्य के आधार पर नियमित जमानत दे दी। इससे पहले उन्हें अंतरिम जमानत दी गई थी। अंतरिम जमानत को नियमित जमानत में बदलने के साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने शर्त रखी कि राव ट्रायल कोर्ट की मंजूरी बिना शहर नहीं छोड़ें।

राव गवाहों से संपर्क करने की कोशिश न करें। इससे पहले बॉम्बे हाईकोर्ट ने 83 साल के बुजुर्ग कवि राव की याचिका ठुकरा दी थी। राव ने बॉम्बे हाईकोर्ट से खराब स्वास्थ्य के आधार पर नियमित जमानत मांगी थी, जिसे उसने 13 अप्रैल को खारिज कर दी थी। इसके बाद राव ने हाईकोर्ट के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। वरवरा राव को 28 अगस्त, 2018 को हैदराबाद में उनके घर से गिरफ्तार किया गया था। उनके व अन्य के खिलाफ भीमा कोरेगांव मामले में पुणे पुलिस ने 8 जनवरी, 2018 को विश्रामबाग पुलिस स्टेशन में केस दर्ज किया था।

नूपुर शर्मा पर दर्ज सभी केस दिल्ली ट्रांसफर

एससी ने कहा-सभी मामले दिल्ली पुलिस देखेगी, जांच पूरी होने तक गिरफ्तारी पर रोक

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेंसियां)। पैगंबर मोहम्मद पर विवादित बयान पर घिरीं भाजपा की पूर्व प्रवक्ता नूपुर शर्मा को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जेबी पारदीवाला की स्पेशल बेंच ने नूपुर के खिलाफ सभी केस दिल्ली ट्रांसफर करने का आदेश दिया है।

अदालत ने कहा है कि अब दिल्ली पुलिस ही सभी मामलों की जांच करेगी। वहीं, जांच पूरी होने तक नूपुर की गिरफ्तारी पर भी रोक लगा दी गई है। नूपुर शर्मा ने जान का खतरा बताते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की थी। इसमें कई राज्यों में उनके खिलाफ दर्ज की गई सभी एफआईआर को क्लब और ट्रांसफर करने की मांग की गई थी। इसी याचिका पर बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई थी। इससे पहले 19 जुलाई को हुई सुनवाई में कोर्ट ने 10 अगस्त तक उनकी गिरफ्तारी पर रोक लगा दी थी। कोर्ट ने 8 राज्यों और केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया था। कोर्ट ने राज्यों को निर्देश दिया था कि नूपुर शर्मा के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जानी चाहिए। 1 जुलाई को हुई सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने शर्मा को कड़ी फटकार लगाई थी। कोर्ट ने पैगंबर पर उनकी टिप्पणी के बाद हुई हिंसा के लिए "अकेले ही जिम्मेदार" ठहराया था।

सभी वर्गों के कल्याण को महत्व दे रहे हैं केसीआर : कविता

हैदराबाद, 10 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस) की विधान परिषद (एमएलसी) के कल्वकुंतला कविता ने विश्वास जताया कि मुनुगोडु विधानसभा क्षेत्र के आगामी उपचुनाव में टीआरएस जीत हासिल करेगी और पिछले विधानसभा चुनाव में भी ऐसा ही होगा। हुजूरनगर और नागार्जुन सागर क्षेत्रों के लिए उपचुनाव, जहां टीआरएस ने भारी जीत दर्ज की थी, मुनुगोडु में दोहराया जाएगा।

बुधवार को यहां दोमलगुडा में भारत स्काउट्स एंड गाइड्स द्वारा आयोजित वन-महोत्सव कार्यक्रम में भाग लेने के बाद मीडिया से बात करते हुए, टीआरएस एमएलसी ने कहा कि मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव लोगों के सभी वर्गों के कल्याण को महत्व दे रहे हैं। कारोना महामारी काल में भी योजनाओं को नहीं रोका गया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाएं और इसकी विकास गतिविधियां मुनुगोडु उपचुनाव में टीआरएस को जीत दिलाएंगी और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से तेलंगाना में पिछले दरवाजे की राजनीति करना बंद करने को कहा। कविता ने कल्याणकारी योजनाओं की आवश्यकता की पुरजोर वकालत की और देश के बुद्धिजीवियों से कल्याणकारी उपायों के खिलाफ केंद्र के कदम का विरोध करने का आग्रह किया। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि राज्य सरकारें गरीबों की मदद करने की दिशा में काम कर रही हैं, और केंद्र सरकार को इसमें बाधा नहीं डालनी चाहिए। कविता ने कहा कि देश विविध है, और यह सरकार की जिम्मेदारी है कि वह गरीब तबके को गरीबी के चक्र को तोड़ने में मदद करे और उनकी प्रगति में मदद करे। उन्होंने बताया कि तेलंगाना राज्य के गठन के समय हरित कवरेज केवल 21 प्रतिशत था। अब, इसे बढ़ाकर 31 प्रतिशत कर दिया गया है। हमें 34 प्रतिशत हरियाली के कवरेज तक पहुंचने का प्रयास करना चाहिए और पौधे लगाकर और पेड़ की रक्षा करके काम करना चाहिए। उन्होंने लोगों से स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में चल रहे 'स्वतंत्र भारत वज्रोत्सव' समारोह में बड़े पैमाने पर भाग लेने और अपने-अपने घरों के सामने राष्ट्रीय ध्वज फहराने की अपील की।

कार पलटने से परिवार के चार सदस्यों की मौत

हैदराबाद, 10 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। निजामाबाद जिले के मुकपाल गांव में बुधवार को कार के पलट जाने से हैदराबाद के दो बच्चों समेत एक ही परिवार के चार सदस्यों की मौत हो गई।

टोलीचौकी के एक परिवार के सात सदस्य कार में यात्रा कर रहे थे, तभी कार का एक टायर फट गया।

नतीजा यह हुआ कि कार पलट गई। सात सदस्यों में से चार की मौत हो गई, जबकि अन्य घायल हो गए। हादसा उस वक्त हुआ जब परिवार के सदस्य निर्मल की ओर जा रहे थे।

पुलिस के मुताबिक घायलों को नजदीकी अस्पताल ले जाया गया। अधिक विवरण की प्रतीक्षा है।

बैरिकेड तोड़ महाकाल मंदिर में घुसे भाजयुमो कार्यकर्ता

राष्ट्रीय अध्यक्ष को चेहरा दिखाने की होड़ में जमकर किया उत्पात

उज्जैन, 10 अगस्त (एजेंसियां)। उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर में बुधवार को भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) कार्यकर्ताओं ने जमकर उत्पात मचाया। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेजस्वी सूर्या महाकाल के दर्शन करने उज्जैन पहुंचे थे। उनसे मिलने के लिए बड़ी संख्या में कार्यकर्ता महाकाल परिसर में पहुंच गए। सुबह करीब 10:30 बजे सूर्या के साथ कुछ कार्यकर्ता गर्भगृह में चले गए। बाकी कार्यकर्ताओं ने मंदिर के बैरिकेड्स तोड़कर नंदी हॉल में घुसने की कोशिश की। जब सुरक्षा गार्ड और पुलिसकर्मियों ने उन्हें रोका, तो बदतमीजी करते हुए कार्यकर्ता नंदी हॉल में घुस गए। इस दौरान वहां अफरातफरी मच गई। मंदिर में मौजूद श्रद्धालु सहम गए और काफी देर तक हंगामा चलता रहा। इस दौरान मंदिर समिति या प्रशासन का कोई अधिकारी वहां मौजूद नहीं था।

अफसरों ने फोन बंद किए, कुछ ने कॉल नहीं उठाई

इस घटना के वक्त सैकड़ों श्रद्धालु दर्शन करने के लिए अपनी बारी का इंतजार कर रहे थे। मंदिर में बनी स्थिति को लेकर जब अधिकारियों को कॉल किया गया तो सभी के फोन बंद मिले। जिन अधिकारियों को फोन लगा भी, उन्होंने कॉल रिसीव नहीं किया।

गर्भगृह में प्रतिबंध के बाद भी विधायक ने किए दर्शन

महाकाल मंदिर में सावन के पहले से ही किसी को भी गर्भगृह में प्रवेश देने पर प्रतिबंध लगाया था। सोमवार को इंदौर विधायक रमेश मेंदोला ने गर्भगृह में प्रवेश कर दर्शन किए। जिस पर मंदिर प्रशासन ने गर्भगृह निरीक्षक विजय डोडिया और प्रोटोकॉल कर्मचारी घनश्याम हाड़ा को निलंबित कर दिया था।

एनकाउंटर में लश्कर के 3 आतंकियों का खात्मा

बडगाम, 10 अगस्त (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के बडगाम जिले के वाटरहेल इलाके में सुरक्षा बलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ में 3 आतंकी मारे गए। इनमें से एक ने कश्मीरी पंडित राहुल भट की हत्या की थी। एडीजीपी कश्मीर विजय कुमार ने बताया कि इलाके में आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के आतंकियों को सुरक्षा बलों ने घेर लिया था। इनमें से एक लतीफ राथर नाम का आतंकी कश्मीरी पंडित राहुल भट और अमरीन भट सहित कई नागरिकों की हत्या में शामिल था। सुरक्षाबलों ने घाटी में आतंकियों के खिलाफ ऑपरेशन ऑलआउट चलाया हुआ है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक इस साल अब तक 139 आतंकियों को मौत के घाट उतार दिया गया है। इनमें 32 से ज्यादा विदेशी हैं।

फर्जी प्रमाणपत्रों के सहारे अमेरिका जाने का इरादा रखने वाले अंदर

हैदराबाद, 10 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। फर्जी प्रमाणपत्रों का इस्तेमाल कर अमेरिका जाने का इरादा रखने वाले बीटेक ड्रॉपआउट को राचकोंडा पुलिस ने बुधवार को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसके पास से पांच शैक्षिक प्रमाण पत्र और अन्य दस्तावेज जब्त किए हैं।

राचाकोंडा के पुलिस आयुक्त महेश एम. भागवत ने कहा कि नचाराम के 25 वर्षीय जंग दयाकर रेड्डी ने 2018 में इब्राहिमपट्टनम के एक इंजीनियरिंग कॉलेज से बी.टेक किया था।

उसने फर्जी दस्तावेजों का उपयोग करके और एक एजेंट की मदद से संयुक्त राज्य की यात्रा करने की योजना बनाई थी। मुन्नू स्वामी ने वीजा स्लॉट बुक किया। मुन्नू स्वामी ने फर्जी शैक्षिक प्रमाण पत्र, एक इंजीनियरिंग कॉलेज के सिफारिश पत्र, ऋण स्वीकृति पत्र और अन्य आवश्यक दस्तावेजों की व्यवस्था की। उन्होंने दयाकर से 1.3 लाख रुपये जमा किए। भागवत ने कहा कि दयाकर ने बिजनेस एनालिटिक्स में मास्टर्स के लिए अमेरिका के विभिन्न विश्वविद्यालयों में आवेदन किया और दो विश्वविद्यालयों में प्रवेश प्राप्त किया।

उन्होंने मुंबई, दिल्ली और हैदराबाद के सलाहकारों से वीजा के लिए आवेदन किया था लेकिन वीजा नहीं मिल सका। पूछताछ में पता चला कि मुन्नू स्वामी के खिलाफ उस्मानिया विश्वविद्यालय थाने में फर्जी प्रमाण पत्र की व्यवस्था करने का मामला चल रहा है तथा राचकोंडा पुलिस की मदद से मामले की जांच जारी है। दयाकर का सौदा सामने आया और उसे गिरफ्तार कर लिया गया। मुन्नू स्वामी को पकड़ने के प्रयास जारी है।

दवा निर्माण इकाई पर छापा, पूर्व वैज्ञानिक सहित दो गिरफ्तार

हैदराबाद, 10 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा पुलिस ने उप्पल में एक दवा निर्माण इकाई पर छापा मारा और मादक पदार्थ तैयार करने और आपूर्ति करने वाले दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने 53 ग्राम सिंथेटिक दवा, 3.6 किलो तरल मादक पदार्थ, एक एलएसडी धब्बा और एक कोकीन कैप्सूल सहित अन्य सामग्री जब्त की है।

गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों में तारनाका निवासी और गुंटूर के मूल निवासी पुलिचेरला श्रीनिवास रेड्डी (52) और कोत्तापेट निवासी और नारकेटपल्ली के मूल निवासी नामपल्ली लेनिन बाबू (46) थे। एक अन्य संदिग्ध चेन्नई का नेपोलियन फरार है।

राचकोंडा के पुलिस आयुक्त महेश एम भागवत ने कहा कि श्रीनिवास और बाबू उप्पल में अक्षय मॉलिक्यूलर रिसर्च प्राइवेट लिमिटेड में प्रतिबंधित साइकोट्रोपिक पदार्थ तैयार कर रहे थे। गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी की गई और सामग्री को जब्त कर लिया गया। लेनिन बाबू ने विभिन्न दवा कंपनियों में एक कनिष्ठ वैज्ञानिक के रूप में काम किया और साइकोट्रोपिक पदार्थ बनाने की प्रक्रिया से अवगत थे। श्रीनिवास ने उसकी मदद ली और वे दोनों ड्रग्स तैयार कर रहे थे। भागवत ने कहा कि दोनों को पहले एनडीपीएस अधिनियम के मामलों में गिरफ्तार किया गया था। श्रीनिवास उनके द्वारा तैयार की गई दवाओं की आपूर्ति चेन्नई में नेपोलियन को कर रहे थे। पुलिस ने बताया कि उसे पकड़ने के प्रयास जारी हैं।

नांदेड़-तिरूपति के बीच साप्ताहिक विशेष रेलगाड़ियों का संचालन जारी

हैदराबाद, 10 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। अतिरिक्त भीड़ को दूर करने के लिए, दक्षिण मध्य रेलवे नांदेड़ और तिरुपति के बीच चार साप्ताहिक विशेष ट्रेनें चलाएगा।

यहां एक विज्ञप्ति के अनुसार, ट्रेन संख्या (07641) 15 और 22 अगस्त को रात 10.45 बजे नांदेड़ से निकलेगी और अगले दिन रात 10.10 बजे तिरुपति पहुंचेगी. इसी तरह ट्रेन नंबर (07642) 16 और 23 अगस्त को रात 11.50 बजे तिरुपति से शुरू होगी और अगले दिन रात 11.45 बजे नांदेड़ पहुंचेगी।

ये विशेष ट्रेनें दोनों दिशाओं में पूर्णा, परभणी, गंगाखेर, परली वैजनाथ, लातूर रोड, उदगीर, भालकी, बीदर, जहीराबाद, विकाराबाद, लिंगमपल्ली, सिकंदराबाद, काचीगुडा, उम्दानगर, शादनगर, महबूबनगर, गडवाल, कुरनूल सिटी, डोन, गूटी, येरागुंटला, कडपा, रज़मपेट और रेनिगुंटा स्टेशनों पर रुकेंगी।

नलगोंडा में चाकू मारने की घटना पर महिला आयोग सख्त

एसपी से जांच कर रिपोर्ट देने को कहा

वी. सुनीता लक्ष्मा रेड्डी

हैदराबाद, 10 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य महिला आयोग ने बुधवार को नलगोंडा के पुलिस अधीक्षक से 21 वर्षीय छात्रा के मामले में एक रिपोर्ट मांगी, जिसे एक युवक प्यार के नाम पर उसे महीनों से प्रताड़ित कर रहा था और कई बार चाकू मार दिया।

मामले का स्वत: संज्ञान लेते हुए, तेलंगाना राज्य महिला आयोग की चेयरपर्सन वी. सुनीता लक्ष्मा रेड्डी ने नलगोंडा एसपी को जांच करने और उसी पर एक विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने का आदेश दिया।

बाद में, चेयरपर्सन ने कहा कि महिलाओं को किसी भी प्रकार के उत्पीड़न का सामना करने के लिए साहसपूर्वक बाहर आने की आवश्यकता है और तेलंगाना सरकार ने महिलाओं के खिलाफ हिंसा को रोकने के लिए विभिन्न उपायों के साथ उन्हें अधिकतम सुरक्षा और आसानी से रिपोर्ट करने के लिए उपलब्ध कराया है। वे तुरंत इसकी शिकायत स्थानीय पुलिस स्टेशन, शी टीम्स, महिला हेल्पलाइन नंबर 181 या तेलंगाना राज्य महिला आयोग के व्हाट्सएप हेल्पलाइन नंबर 9490555533 पर शिकायत करें। टीएससीडब्ल्यू की अध्यक्ष सुनीता लक्ष्मा रेड्डी ने कहा कि आयोग दोषियों को कड़ी सजा देने के पक्ष में है और वह पीड़ित परिवार के साथ खड़ा रहेगा।

नलगोंडा में युवती पर हमला करने वाला युवक गिरफ्तार

नलगोंडा, 10 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। नलगोंडा के सरकारी डिग्री कॉलेज की छात्रा पर प्रेम प्रस्ताव ठुकराने पर धारदार हथियार से हमला करने के आरोप में 21 वर्षीय युवक एम. रोहित कुमार को गिरफ्तार किया गया। नंदनवनम पार्क में एक लव मैनिक द्वारा लड़की पर हमले से सनसनी फैल गई है कि लड़की के हाथ, चेहरे और पेट पर चोटें आई हैं।

जिला एसपी रेमा राजेश्वर ने कहा कि रोहित और पीड़िता एक दूसरे को जानते थे, क्योंकि वे एक ही कॉलेज में पढ़ते थे। रोहित पिछले सात महीने से बच्ची को प्रताड़ित कर रहा था। जुलाई में, उसने उसे एक जगह बुलाया और धमकी दी कि अगर उसने उसके प्रस्तावों को अस्वीकार कर दिया तो वह उसे जान से मार देगा। लेकिन, तब लड़की ने पुलिस में शिकायत नहीं की। उसने मामले को अपने भाई से साझा किया, जिसने रोहित को चेतावनी दी।

आरोपी ने 9 अगस्त को पीड़िता को अपने दोस्त के माध्यम से मिर्यालगुडा रोड स्थित नंदनवनम पार्क बुलाया। तदनुसार, पीड़िता अपने दोस्त के साथ पार्क में गई जहां उन्होंने कुछ देर बात की। बाद में आरोपी पीड़िता को अलग ले जाकर उससे व्यक्तिगत रूप से बात करने लगा और अचानक उस पर चाकू से अंधाधुंध हमला कर दिया और मौके से फरार हो गया। पीड़िता को तुरंत अस्पताल ले जाया गया। पुलिस की एक विशेष टीम ने घटना के कुछ घंटों के भीतर ही नलगोंडा के बाहरी इलाके में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। एसपी ने कहा कि हत्या के प्रयास के मामले में दोषसिद्धि सुनिश्चित करने के लिए वैज्ञानिक साक्ष्य पहले ही एकत्र कर लिए गए हैं। उन्होंने कहा कि 2022 में अब तक एसएचई टीमों को 242 शिकायतें प्राप्त हुई हैं। इनमें से 28 एफआईआर जारी की गईं, 70 छोटे मामले दर्ज किए गए और 208 लोगों की काउंसलिंग की गई।

पुलिस ने जिले में 1300 स्थानों को हॉट स्पॉट के रूप में चिह्नित किया है, जहां महिलाएं और बच्चे असुरक्षित महसूस कर सकते हैं और एसएचई की टीमें इन स्थानों पर नजर रख रही हैं।

कैबिनेट मंत्री डॉ. संजय निषाद को मिली जमानत

एमपी-एमएलए कोर्ट ने जारी किया था समन

गोरखपुर, 10 अगस्त (एजेंसियां)। कैबिनेट मंत्री डॉ. संजय निषाद के लिए राहत भरी खबर है। एमपी-एमएलए कोर्ट नंबर दो गोरखपुर ने कैबिनेट मंत्री डॉ. संजय निषाद के खिलाफ समन जारी कर दिया था। सीजेएम ने शाहपुर पुलिस को आदेश दिया था कि डॉ. संजय को गिरफ्तार करके बुधवार को कोर्ट में पेश किया जाए। हालांकि उन्हें इस मामले में जमानत मिल गई है। मजिस्ट्रेट प्रभात त्रिपाठी के सामने कैबिनेट मंत्री डॉ. संजय निषाद ने जमानत याचिका प्रस्तुत की। जिसके बाद उन्हें जमानत मिल गई है। सरकारी नौकरी में निषादों को पांच फीसदी आरक्षण देने की मांग को लेकर वर्ष 2015 में संतकबीरनगर के कसरवल में बवाल हुआ था। आंदोलनकारी व पुलिस-प्रशासन आमने-सामने आ गए थे। बवाल के दौरान एक युवक की मौत हो गई थी। इससे नाराज आंदोलनकारियों ने रेलवे ट्रैक बाधित कर दिया था। रेल की पटरियां उखाड़ दी गई थीं। इससे ट्रेनों का आवागमन ठप हो गया था।

इस मामले में आरपीएफ बस्ती-संतकबीरनगर ने भी मुकदमा दर्ज किया था। इसकी सुनवाई गोरखपुर की एमपी-एमएलए कोर्ट नंबर दो में चल रही थी।

केजरीवाल ने ठुकराया, योगी ने अपनाया

दिव्या काकरान को यूपी की खिलाड़ी कहकर दिल्ली ने पल्ला झाड़ा, योगी देंगे 50 लाख रुपए इनाम

लखनऊ, 10 अगस्त (एजेंसियां)। यूपी सरकार ने बर्मिंघम कॉमनवेल्थ गेम्स में कांस्य पदक जीतने वाली दिव्या काकरान का सम्मान करने का फैसला किया है। मुजफ्फरनगर की रहने वाली दिव्या को योगी सरकार 50 लाख रुपए इनाम देगी। वह दिल्ली से खेलती हैं, लेकिन दिल्ली सरकार ने उन्हें यूपी का बताकर पल्ला झाड़ लिया था।

कॉमनवेल्थ गेम्स में कुश्ती में कांस्य जीतने वाली दिव्या काकरान ने दिल्ली के मुख्यमंत्री से मदद मांगी थी। इसके बाद इस मुद्दे पर राजनीति बढ़ने लगी है। आम आदमी पार्टी यानी आप के विधायक सौरभ भारद्वाज ने ट्विटर पर उन्हें यूपी का खिलाड़ी बताया।

दिव्या के सबूत दिखाने के बाद आप विधायक सौरभ भारद्वाज ने

दिव्या काकरान

कुछ मीडिया रिपोर्ट्स का हवाला देते हुए ट्विटर पर दिव्या से कहा, "बहन, पूरे देश को आप पर गर्व है, लेकिन मुझे याद नहीं आता कि आप दिल्ली की तरफ से खेलती हैं। आप हमेशा उत्तर प्रदेश की तरफ से खेलती आईं हैं। लेकिन खिलाड़ी देश को होता है। योगी आदित्यनाथ जी से आप को सम्मान की उम्मीद नहीं है। मुझे लगता है कि दिल्ली के मुख्यमंत्री आपकी बात जरूर सुनेंगे।"

सीएम योगी ने कहा- यूपी सरकार करेगी सम्मान

इसके बाद सीएम योगी की ओर से बकायदा ट्वीट कर यह घोषणा की गई कि दिव्या का सम्मान भी यूपी सरकार करेगी। यूपी सरकार ने कॉमनवेल्थ गेम्स में मेडल जीतने वाले खिलाड़ियों को सम्मान करने का फैसला किया है। उत्तर प्रदेश के 8 खिलाड़ियों ने देश के लिए मेडल्स जीतकर न सिर्फ देश का, बल्कि प्रदेश का भी गौरव बढ़ाया है।

प्रदेश सरकार ने नई खेल नीति के तहत हाल ही में घोषणा की थी कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मेडल्स जीतने वाले खिलाड़ियों को उचित सम्मान और पद दिया जाएगा। इसके तहत स्वर्ण पदक जीतने वाले खिलाड़ी को एक करोड़ रुपए, रजत पदक विजेता को 75 लाख रुपए और कांस्य पदक जीतने वाले को 50 लाख रुपए का नकद इनाम दिया जाएगा।

जिंदा रोहू लेकर पहुंचा लालू फैन, बोला- शुभ है

3केजी की मछली लेकर आया, कहा- मेरे होटल पर खाते थे राजद सुप्रीमो

पटना, 10 अगस्त (एजेंसियां)। महागठबंधन के सत्ता में आने से समर्थकों में खुशी की लहर है। मंगलवार से ही समर्थक राबड़ी आवास और सीएम आवास पर पहुंच अपनी खुशी जाहिर कर रहे हैं। बुधवार को लालू यादव का एक समर्थक 3 किलो की एक रोहू मछली लेकर पहुंचा। भगवानपुर निवासी केदार यादव ने बताया कि मछली काफी शुभ होती है।

1995 में जब लालू यादव मुख्यमंत्री बने थे तो मैं अपने पोखर से मछली लेकर आया था। वो इसे खाए भी थे। ये मछली लालू और तेजस्वी के लिए शुभ संकेत हैं।

अखिलेश यादव पर डिप्टी सीएम केशव प्रसाद का पलटवार

जनता ने उन्हें भगा दिया है

वाराणसी, 10 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार में जारी राजनीतिक उथल पुथल पर यूपी में बयानबाजी तेज हो चुकी है। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव के बीजेपी भगाओ नारा देने पर यूपी के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने बुधवार को पलटवार किया। केशव ने कहा कि यूपी की जनता ने उन्हें ही भगा दिया है। वाराणसी में बुधवार की सुबह केशव ने कहा कि यूपी में वह विपक्ष की राजनीति कर रहे हैं तो करें। नारे हम लोगों को भी बहुत आते हैं। ऐसे नारे वह न लगाएं जो उनके लिए ही अच्छे न हों। बिहार में मंगलवार को नीतीश के इस्तीफे के बाद अखिलेश यादव ने भाजपा पर निशाना साधा था। अखिलेश ने बिहार में एनडीए गठबंधन टूटने को बढ़िया शुरुआत बताते हुए कहा था कि 'अंग्रेजों भारत छोड़ो' के नारे वाले दिन बिहार से 'बीजेपी भगाओ' का नारा आया है। यह अच्छी शुरुआत है।

अखिलेश पर पलटवार के साथ ही केशव प्रसाद ने नीतीश पर भी हमला किया। केशव ने कहा कि नीतीश के आगे कुआं और पीछे खाई है। हमें ऐसा लगता है कि वह जिस रास्ते पर चले हैं, वह कोई रास्ता नहीं है। केशव ने कहा कि मैं कोई भविष्यवक्ता नहीं हूं। लेकिन यह जरूर कहूंगा कि बाबा विश्वनाथ की कृपा से देश में अगले आम चुनाव में भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा गठबंधन की सरकार बनेगी।

10 करोड़ से बना बंधा टूटा

अमरोहा के खेतों में भरा 4 फीट पानी, फर्रुखाबाद में 28 गांवों तक पहुंचा गंगा का पानी

बिजनौर/फर्रुखाबाद/कन्नौज, 10 अगस्त (एजेंसियां)। पहाड़ों पर हो रही बारिश के चलते यूपी में गंगा का जलस्तर बढ़ता जा रहा है। तीन दिनों में बिजनौर में बने गंगा बैराज से करीब 3 लाख क्यूसेक पानी छोड़ा जा चुका है। इससे यूपी के 7 जिलों में गंगा से सटे क्षेत्रों में बाढ़ जैसे हालात हैं। बिजनौर, कासगंज, अमरोहा, बुलंदशहर, अलीगढ़, फर्रुखाबाद, कन्नौज में गंगा का जलस्तर खतरे के निशान के करीब है। फर्रुखाबाद में 28 गांवों में बाढ़ का पानी पहुंच गया है। कुछ स्कूल भी डूब गए। बुलंदशहर में 10 करोड़ से बना एक बंधा टूट गया है। अमरोहा में 20 किमी. तक खेतों में पानी पहुंच गया है। यहां किसानों की करीब 80 हजार एकड़ फसल डूब गई है। गंगा का जल स्तर बढ़ने से 250 से ज्यादा गांव बाढ़ की दहशत में हैं। बिजनौर में गंगा का पानी किसानों के खेतों तक पहुंच गया है। खेतों में चरी, धान और कटरी में कद्दू, लौकी, तरोई की फसल पानी में डूब गई है। यहां हर साल गंगा अपना रौद्र रूप दिखाती है।

स्वतंत्रदेव सिंह का यूपी विधान परिषद के नेता पद से इस्तीफा

सियासी गलियारों में चर्चाएं तेज

लखनऊ, 10 अगस्त (एजेंसियां)। यूपी भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्रदेव सिंह ने विधान परिषद में नेता पद से इस्तीफा दे दिया है। हालांकि इस्तीफे की आधिकारिक पुष्टि अभी तक नहीं हो पाई है क्योंकि स्वतंत्रदेव सिंह बुंदेलखंड के दौर पर हैं।

दरअसल पार्टी ने उन्हें जल्द ही यह जिम्मेदारी सौंपी थी। उन्होंने इस्तीफा देकर सभी को चौंका दिया। सियासी गलियारों में तरह-तरह की चर्चा होने लगी है। नामों की चर्चाएं भी शुरू हो गई। कई नेताओं के नाम हवा में तैरने लगे हैं। वहीं स्वतंत्र देव सिंह ने इससे पहले जुलाई में यूपी प्रदेश अध्यक्ष के पद से इस्तीफा दे दिया था।

आपको बता दें कि प्रदेश के जलशक्ति एवं बाढ़ नियंत्रण मंत्री स्वतंत्र देव सिंह विधान परिषद में नेता सदन बनाया था। विधान परिषद के सभापति कुंवर मानवेन्द्र सिंह ने 22 मई 2022 से उन्हें नेता सदन के रूप में मान्यता दी थी। इससे पहले डॉ. दिनेश शर्मा

स्वतंत्रदेव सिंह

उप मुख्यमंत्री के रूप में विधान परिषद में नेता सदन थे।

कौन हैं स्वतंत्र देव सिंह?

स्वतंत्र देव सिंह कुर्मी समाज से आते हैं जिसे यूपी में पिछड़ी जाति माना जाता है। स्वतंत्र देव सिंह बुंदेलखंड यूनिवर्सिटी से साइंस ग्रेजुएट हैं। स्वतंत्र देव सिंह ने 1986 में एक दैनिक अखबार में बतौर रिपोर्टर अपने करियर की शुरूआत की थी। योगी सरकार के पहले कार्यकाल के दौरान भी स्वतंत्र देव सिंह को मंत्री बनाया गया था। इससे पहले वो बीजेपी में वाइस प्रेसिडेंट और जनरल सेक्रेट्री समेत कई अलग-अलग पदों पर रहे। साल 2019 में स्वतंत्र देव सिंह को यूपी बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया।

नीतीश की तरह यूपी में मायावती भी पलटी मारने में रही हैं आगे

लखनऊ, 10 अगस्त (एजेंसियां)। यूपी की सियासत में वैसे तो पलटी मारने के कई घटनाक्रम हुए हैं पर बीते तीन दशकों के राजनीतिक सफर पर नज़र डालें तो बहुजन समाज पार्टी ही ऐसा सबसे बड़ा दल उभरकर सामने आता है, जिसने कमोबेश सभी सियासी दलों सपा, कांग्रेस और भाजपा से गठबंधन किए। इसके बावजूद ऐन वक्त पर पलटी मार कर अपने राजनीतिक हित साधने में कोई कोताही नहीं की। यह बात दीगर है कि पार्टी ने हर बार कोई न कोई नया तर्क गढ़ा और साथी दल पर ठीकरा फोड़ दिया। मायावती की पार्टी बसपा ने सपा से वर्ष 1993 में गठबंधन किया। बसपा संस्थापक कांशीराम और सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव ने यूपी की राजनीति में नब्बे के दशक में गठबंधन का एक ऐसा काकटेल तैयार किया, जिससे अन्य दलों के पसीने छूट गए। पिछड़ों और एससी-एसटी वोट बैंक को केंद्रित इस गठबंधन ने यूपी की राजनीति में हलचल मचा दी। सत्ता में गठबंधन आया

बसपा का कब किससे हुआ गठबंधन

तो जरूर, लेकिन 1995 में स्टेट गेस्ट हाउस कांड के बाद टूट गया। सपा से नाता तोड़ मायावती भाजपा से गठबंधन कर पहली बार 3 जून 1995 को मुख्यमंत्री बनीं लेकिन भाजपा से उनका साथ ज्यादा समय नहीं चला। मध्यावधि चुनाव हो गए। उसके बाद जब किसी को बहुमत नहीं मिला तो सरकार बनाने के लिए फिर भाजपा व बसपा साथ आए। तय हुआ था कि बसपा और भाजपा का मुख्यमंत्री छह-छह माह रहेगा। कल्याण सिंह हालांकि इसके लिए राज़ी नहीं थे, फिर भी उन्होंने सहमति के चलते भाजपा नेतृत्व या यूं कहें अटल बिहारी वाजपेयी की बात मानी लेकिन बसपा बीच में पलटी मार गई।

मिशन 2024 की तैयारी में जुटे शिवपाल प्रसपा ने की नई प्रदेश कार्यकारिणी की घोषणा

लखनऊ, 10 अगस्त (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी (सपा) से दूरी बनाने के बाद प्रगतिशील समाजवादी पार्टी (प्रसपा) अध्यक्ष शिवपाल सिंह यादव ने लोकसभा चुनाव 2024 के मद्देनजर अपनी पार्टी को नये सिरे से सजाना संवारना शुरू कर दिया है। इस कड़ी में प्रदेश अध्यक्ष की बागडोर अपने पुत्र आदित्य यादव को सौंपने के बाद उन्होने बुधवार को पार्टी की नई प्रदेश कार्यकारिणी के सदस्यों की घोषणा की। 97 सदस्यीय कार्यकारिणी में अलीगढ़ के रक्षपाल सिंह और लखनऊ के फरहत हसन खां को उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है जबकि अजय त्रिपाठी प्रदेश प्रमुख महासचिव होंगे। पार्टी मे 19 प्रदेश महासचिव बनाए गए हैं।

बीजेपी गठबंधन धर्म का पालन करने के बदले जेडीयू को खत्म करने में लगी थी: श्रवण कुमार

पटना, 10 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार में एनडीए सरकार का अंत हो गया है। इस बीच नीतीश कुमार की सरकार में मंत्री रहे जेडीयू नेता श्रवण कुमार ने बीजेपी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि बीजेपी गठबंधन धर्म का पालन नहीं कर रही थी और जेडीयू को खत्म करने में लगी हुई थी। ऐसे में जेडीयू के सामने बीजेपी का साथ छोड़कर महागठबंधन के साथ जाने का ही विकल्प बचा। जेडीयू नेता श्रवण कुमार ने एक समाचार चैनल से बातचीत में कहा कि जब बर्दाश्त की सीमा खत्म हो जाती है, तभी साथ छूटता है। विधानसभा चुनाव हो या विधान परिषद का चुनाव, हर बार बीजेपी और जेडीयू में मतभेद हो रहे थे। हम सरकार चला रहे थे तो बीजेपी के मंत्री आरोप लगा रहे थे। दूसरे राज्यों में पार्टी को खड़ा कर रहे थे तो वहां से हमारे विधायकों को लेकर उड़ जा रहे थे। बीजेपी के नेता रोजाना कुछ न कुछ बोलते रहते हैं। उससे जो पीड़ा होती है जो हालात हैं इससे लगता है कि गठबंधन धर्म का पालन नहीं करना चाहते हैं।

'जेडीयू को हाईजैक करना चाहती थी बीजेपी'

श्रवण कुमार ने कहा कि बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने पटना आकर कहा कि 2025 के बाद देश में कोई क्षेत्रीय दल नहीं बचेगा। ऐसे में लगता है कि बीजेपी हमारी पार्टी को हाईजैक करना चाहती है। बीजेपी के नेता जेडीयू का अस्तित्व मिटाना चाहते हैं। ऐसी हरकतों और ऐसे बयानों से गठबंधन संभव नहीं है। बता दें कि बीजेपी के साथ गठबंधन तोड़कर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मंगलवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। अब वे महागठबंधन के साथ नई सरकार का गठन करने जा रहे हैं। बुधवार दोपहर में नीतीश कुमार 8वीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। उनके साथ आरजेडी नेता तेजस्वी यादव भी डिप्टी सीएम पद की शपथ ग्रहण करेंगे।

डबल एमए करना हो तो 70% नंबर जरूरी

इलाहाबाद यूनिवर्सिटी ने बदला नियम

प्रयागराज, 10 अगस्त (एजेंसियां)। कोविड काल में छात्रों को बगैर परीक्षा के अच्छे नंबरों के साथ प्रमोट कर दिया गया। ऐसे में पोस्ट ग्रेजुएट हो चुके छात्र अब डबल एमए की कतार में खड़े हो गए हैं। लिहाजा आवेदकों की छंटनी करने के लिए इलाहाबाद विश्वविद्यालय को मिनिमम मार्क्स के नियम में बदलाव करना पड़ा है। नई व्यवस्था के तहत दोबारा एमए करने के इच्छुक उन्हीं अभ्यर्थियों को मौका मिलेगा जिन्होंने ग्रेड-9 प्राप्त किया है। ग्रेड-9 को अंकों में परिवर्तित करने पर 70 फीसदी से अधिक अंक होते हैं। इसके अलावा अगर वे किसी संस्थान में कार्यरत हैं तो नियोक्ता प्रमाणपत्र देना होगा। इससे पहले दोबारा पीजी के लिए 60 फीसदी अंक की ही बाध्यता होती थी। बता दें कि इलाहाबाद विश्वविद्यालय और संबद्ध कॉलेजों के शैक्षिक सत्र 2022-23 में परास्नातक समेत अन्य पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए दो से सात अगस्त के बीच प्रवेश परीक्षा पूरी हो चुकी है। इस बार इविवि एवं कॉलेजों में परास्नातक के 53 विषयों के सापेक्ष 9544 सीटों के सापेक्ष प्रवेश परीक्षा आयोजित की गई है। 15 से 20 अगस्त के मध्य रिजल्ट जारी किए जाने की तैयारी है। चतुर्थ सेमेस्टर में वर्ष 2000 तक का समसामायिक इतिहास पढ़ाया जाएगा। इसमें आजादी के बाद से वर्ष 2000 तक के पीएम, सीएम, प्रमुख साहित्यकार के योगदान को शामिल किया जाएगा।

बिहार में बदली बयार के पीछे पीके?

क्या बोले प्रशांत किशोर

पटना, 10 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार में हुई सियासी उठापटक, जदयू-भाजपा गठबंधन की टूट और राजद के साथ नई सरकार के पीछे आखिर कौन है? इसको लेकर तमाम तरह के सवाल हो रहे हैं। इन सबके बीच प्रशांत किशोर सामने आए हैं। उन्होंने कहा कि इस पूरे मामले में उनकी कोई भूमिका नहीं है।

प्रशांत किशोर ने कहा कि मैं आज जहां हूं, वहीं 2024 में भी रहूंगा। मैं पूरी तरह से संकल्पित हूं। दुनिया में क्या चल रहा है, मुझे उससे कोई मतलब नहीं है।

राष्ट्रीय राजनीति से जोड़ना नासमझी

प्रशांत किशोर ने कहा, आने वाले समय में मोदी को चुनौती देने वाला चेहरा कौन है? इस पर मेरी कोई समझ नहीं है। हालांकि, उन्होंने इतना जरूर कहा कि बिहार की घटना को राष्ट्रीय राजनीति से जोड़ना, जल्दबाजी होगी और

नासमझी भी होगी।

सरकार कैसे भी चले अच्छी चले

पीके ने कहा, 2017 के बाद से नीतीश कुमार भाजपा के साथ गठबंधन में खुश नहीं नजर आ रहे थे। वैचारिक स्तर पर मतभेद थे। यह नीतीश कुमार की बॉडीलैंग्वेज को देखकर ही लग रहा था। उन्होंने राजद के साथ गठबंधन के सवाल पर कहा, जब तक वह बिहार के लिए बेहतर कर रहे हैं। किससे समझौता कर रहे हैं, उसका महत्व नहीं है। उन्होंने कहा, आज जो गठबंधन बन रहा है, उसका एजेंडा क्या है? यह बात जनता के सामने रखनी चाहिए।

115 विधायकों वाली पार्टी 43 पर आ गई

प्रशांत किशोर ने कहा, नीतीश कुमार ने 10 सालों में यह छठा प्रयोग किया है। इसका उन्हें नुकसान हो रहा है। 115 विधायकों वाली पार्टी अब 43 पर आ गई है। यह अलग बात है कि वह किसी तरह से सीएम बन जाते हैं। उन्होंने कहा, नीतीश कुमार में कोई ग्रोथ नहीं दिख रही है। जनता अब उनके चेहरे पर वोट नहीं कर रही। वह पालाबदल कर आए हैं तो निश्चित तौर पर चुनाव पर उसका असर पड़ेगा।

क्रिकेट में फेल, राजनीति में पास, करोड़ों के मालिक और कई घोटालों में घिरे तेजस्वी यादव की कहानी

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेंसियां)। भले ही क्रिकेट में शोहरत नहीं मिली, लेकिन बिहार की सियासत में राजद नेता तेजस्वी यादव एक मंझे हुए खिलाड़ी की पारी खेल रहे हैं। तेजस्वी ने वो कर दिखाया जो बड़े-बड़े राजनेता नहीं कर पाते हैं। एक झटके में उन्होंने भाजपा के हाथों से एक राज्य छीन लिया। आज हम आपको तेजस्वी यादव की पूरी कहानी बताएंगे। जन्म से लेकर अब तक उन्होंने क्या-क्या किया? राजनीति में कैसे आए? शिक्षा से लेकर संपत्ति और घोटाले तक की जानकारी देंगे।

शुरुआत तेजस्वी के जन्म से

तेजस्वी यादव बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव और राबड़ी देवी के छोटे बेटे हैं। इनका जन्म बिहार के गोपालगंज में नौ नवंबर 1989 को हुआ। बड़े राजनीतिक परिवार में जन्मे तेजस्वी ने केवल नौवीं तक पढ़ाई

की है। घर में छोटा होने के चलते वह सबके लाडले भी हैं।

तेजस्वी यादव राजनीति में कदम रखने से पहले क्रिकेट खेलते थे। वह क्रिकेट में ही करियर बनाना चाहते थे। तेजस्वी झारखंड की तरफ से एक रणजी मैच भी खेले हैं। दिल्ली अंडर-19 टीम में तेजस्वी भारतीय कप्तान विराट कोहली के साथ थे। आईपीएल में भी उनका चयन हुआ था। 2008 में दिल्ली डेयरडेविल्स की टीम ने उन्हें खरीदा था। हालांकि आईपीएल के दौरान उन्हें मैदान में खेलने का मौका कभी नहीं मिला है। जब तेजस्वी को लगा कि वह क्रिकेट में करियर नहीं बना पाएंगे तो उन्होंने 2012 में पिता की राजनीतिक विरासत संभाल ली। वह राजनीति में उतर आए। मतलब क्रिकेट के लिए ही तेजस्वी ने पढ़ाई नहीं की। जब खेल में कुछ खास नहीं कर पाए तो वह राजनीति में उतर आए।

यूं तो 2012 से तेजस्वी यादव अपने पिता के साथ चुनावी कार्यक्रमों में नजर आने लगे थे। लेकिन मई 2013 में आयोजित परिवर्तन रैली में तेजस्वी यादव की सियासी लॉन्चिंग हुई थी। लालू ने 2014 लोकसभा चुनाव को देखते हुए पटना के गांधी मैदान में विशाल परिवर्तन रैली का आयोजन किया था। पहली बार लालू यादव अपने दोनों बेटे तेज प्रताप और तेजस्वी को मंच पर लेकर आए थे।

बीजेपी के लिए अब बिहार खुला मैदान

मैनेज करने की मजबूरी खत्म, खुलकर खेलेगी भाजपा

पटना, 10 अगस्त (एजेंसियां)। जेडीयू के एनडीए से नाता तोड़ने के बाद बीजेपी के लिए बिहार अब खुला मैदान हो गया है। भले ही राज्य की सत्ता से बीजेपी को हाथ धोना पड़ा है, लेकिन आगामी लोकसभा और विधानसभा चुनाव में जेडीयू और नीतीश कुमार को मैनेज करने की मजबूरी खत्म हो गई है। यानी कि अब बीजेपी राज्य में खुलकर खेल सकेगी। हाल ही में बीजेपी ने राज्य की 200 विधानसभा सीटों पर अपने नेताओं को भेजकर नरेंद्र मोदी सरकार के पक्ष में माहौल बनाने की कोशिश की थी।

नीतीश कुमार की जेडीयू का साथ छूटने के साथ ही बिहार विधानसभा में बीजेपी अकेली विपक्षी पार्टी बन गई है। बीजेपी और एआईएमआईएम के अलावा सभी पार्टियों के एमएलए महागठबंधन की नई सरकार के साथ हैं। यहां तक कि एनडीए सरकार में शामिल जीतनराम मांझी की हिंदुस्तान आवाम मोर्चा ने भी बीजेपी से नाता तोड़कर नीतीश के साथ महागठबंधन से हाथ मिला लिया।

बिहार में एनडीए गठबंधन टूटने से भले ही बीजेपी को धक्का लगा है, लेकिन उसकी गठबंधन में शामिल नेताओं को मैनेज करने की मजबूरी खत्म हो गई है। आगामी लोकसभा चुनाव में बीजेपी के सामने बिहार में खुला मैदान होगा। जैसा कि बीजेपी रणनीति बना रही है, वह बिहार की अधिकतर सीटों पर अकेले चुनाव लड़ सकेगी।

2019 के लोकसभा चुनाव में नीतीश कुमार को मैनेज करने के चलते बीजेपी को अपनी आधी सीटें कुर्बान करनी पड़ी थी। बिहार की 40 में से बीजेपी 17 सीटों पर ही लड़ी थी। जबकि इतनी सीटें उसने गठबंधन में शामिल जेडीयू को दी थीं। नतीजा ये रहा कि 2014 में महागठबंधन में रहकर चुनाव लड़ते हुए जहां जेडीयू ने महज दो सीटें जीती थीं, वहीं 2019 में जीत का आंकड़ा बढ़कर 16 पहुंच गया।

बीजेपी नेताओं का मानना है कि लोकसभा चुनाव 2019 में नरेंद्र मोदी लहर में एनडीए के पक्ष में एकतरफा वोट पड़े और जेडीयू को इसका फायदा मिल गया। कुछ नेता जेडीयू को बीजेपी के बराबर सीटें देने पर भी सवाल उठा रहे थे। बीजेपी की बात करें तो वह बिहार में अकेले खुद के दम पर जीतने की कवायद में जुटी है। लोकसभा चुनाव 2024 बिहार की राजनीति के लिए अहम माना जा रहा है। यहां एक बार फिर 2014 वाली स्थिति बन गई है। एक तरफ नीतीश की जेडीयू, तेजस्वी की आरजेडी, कांग्रेस और सभी वाम दल हैं। वहीं, बीजेपी कुछ छोटे दलों के साथ मैदान में उतरने वाली है। बीजेपी के पास अब भी पशुपति पारस की लोजपा और चिराग पासवान की लोजपा रामविलास का साथ है। यानी कि अगले चुनाव में बीजेपी के सामने किसी बड़ी लोकल पार्टी को मैनेज करने का झंझट नहीं होगा।

'सांप आपके घर घुस गया है लालू जी'

गिरिराज ने राजद सुप्रीमो को उनके पुराने ट्वीट की दिलाई याद

पटना, 10 अगस्त (एजेंसियां)। नीतीश कुमार द्वारा भाजपा से गठबंधन तोड़ने के बाद से बिहार की सियासत गरमा गई है। दोनों पार्टियों के नेताओं के बीच अब जुबानी जंग शुरू हो गई है। इसी क्रम में भाजपा के फायर ब्रांड नेता गिरिराज सिंह ने लालू प्रसाद यादव के पुराने ट्वीट को रीट्वीट कर नीतीश कुमार पर बड़ा हमला बोला है। गिरिराज ने लिखा कि सांप आपके घर घुस गया है लालू जी। दरअसल, 2017 में नीतीश जब आरजेडी से अलग हुए थे तब लालू ने ट्वीट करते हुए लिखा था कि नीतीश सांप है जैसे सांप केंचुल छोड़ता है वैसे ही नीतीश भी केंचुल छोड़ता है और हर 2 साल में साँप की तरह नया चमड़ा धारण कर लेता है। किसी को शक?

गिरिराज सिंह ने एक अन्य

ट्वीट में शराबबंदी कानून को लेकर जेडीयू पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि बिहार में शराबबंदी के बाद बिहार सरकार को मिलने वाला सारा राजस्व शराब माफिया को जाता है, जिसका इस्तेमाल जदयू अपनी पार्टी को जिंदा रखने के लिए करता है, आज शराबबंदी कानून हटेगा, कल जदयू खत्म होगा। शराबबंदी के बाद जेडीयू के चंदे के संग्रह में अभूतपूर्व इजाफा हुआ है। नीतीश कुमार 15 साल से अधिक हमारे साथ रहे। उस समय उन्हें सांप्रदायिकता नहीं दिखी। लेकिन अब ऐसा क्या हो गया जो उन्हें सांप्रदायिकता दिख रही है। ये बस बहाना है सिर्फ कुर्सी पाना है। उन्होने कहा कि रोने का मन हुआ तो आंख में खुट्टी। दरअसल, बात यह है कि नीतीश कुमार के मन में प्रधानमंत्री पद के लिए लालसा बनी हुई है। गिरिराज ने देर रात एक और ट्वीट करते हुए लिखा कि नीतीश सबके नहीं है बल्कि सिर्फ कुर्सी के हैं। बता दें कि तेजस्वी यादव भी नीतीश को पलटू चाचा कहते रहे हैं। 2019 में तेजस्वी ने उन्हें गिरगिट की तरह रंग बदलने वाला बताया। तब तेजस्वी ने भविष्य में उनके साथ किसी तरह के गठबंधन से इंकार कर दिया था।

यूपी के डिप्टी सीएम बोले- भाजपा ने बिहार को सुशासन और कानून का राज दिया

लखनऊ, 10 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार में जदयू-भाजपा गठबंधन टूटने पर यूपी के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि भाजपाराज ने बिहार को सुशासन और कानून का राज दिया है। हम आगे भी बिहार की जनता के लिए काम करते रहेंगे। हम 2024 में भी बिहार जीतेंगे। बिहार में जदयू-भाजपा की टूट का औपचारिक एलान हो गया है। मंगलवार को बड़ा सियासी उलट-फेर करते हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भाजपा का साथ छोड़ दिया और राजद-कांग्रेस के साथ मिलकर सरकार बनाने का दावा पेश कर दिया। उन्होंने शाम में राजग के मुख्यमंत्री के रूप में अपना इस्तीफा राज्यपाल फागू चौहान को सौंप दिया, जिसे राज्यपाल ने मंजूर कर लिया।

यूएन में भारत की दो टूक:आतंकवाद दुनिया के लिए सबसे बड़ा खतरा

न्यूयॉर्क, 10 अगस्त (एजेंसियां)। संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कम्बोज ने आतंकवाद के मुद्दे पर कुछ देशों के दोहरे मापदंड को लेकर गंभीर सवाल उठाए हैं। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की एक अहम मीटिंग में कम्बोज ने कहा- आतंकवाद दुनिया के लिए सबसे बड़ा खतरा है। इसको लेकर दोहरे मापदंड नहीं अपनाए जा सकते। ये बिल्कुल साफ है कि टेररिज्म का खतरा बहुत तेजी से बढ़ रहा है और इससे दुनिया का कोई भी हिस्सा अछूता नहीं रहा। कम्बोज दुनिया में आतंकवाद का खतरा विषय पर बोल रहीं थीं। उन्होंने कहा- अगर हमने आतंकवाद को सिर्फ आतंकवाद नहीं माना, इसे अलग-अलग देखना बंद नहीं किया तो इससे खतरा बढ़ता जाएगा। अपनी सुविधा के हिसाब से इस समस्या को देखना खतरनाक साबित होगा। इसके खिलाफ दुनिया को एकजुट होकर कार्रवाई करनी होगी।

आतंकवाद पूरी दुनिया के लिए खतरा -रुचिरा कम्बोज

रुचिरा ने कहा कि दुनिया के एक हिस्से में आतंकवाद पूरी दुनिया की शांति और सुरक्षा के लिए खतरा है और इसलिए इस अंतरराष्ट्रीय चुनौती के लिए हमारी प्रतिक्रिया इंटीग्रेटेड, कॉर्डिनेटेड और सबसे महत्वपूर्ण रूप से प्रभावी होनी चाहिए। उन्होंने कहा- आपको याद होगा कि पिछले साल 9/11 के आतंकी हमलों की 20वीं सालगिरह पर भारत के विदेश मंत्री ने संयुक्त रूप से आतंकवाद का मुकाबला करने के लिए कई सुझाव दिए थे।

कौन है रुचिरा कम्बोज

रुचिरा कम्बोज न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र में भारत की पहली महिला राजदूत हैं। इसी साल जून में उन्हें भारत का स्थायी प्रतिनिधि के तौर पर नियुक्त किया गया है। उन्होंने राजदूत टीएस तिरुमूर्ति की जगह ली है। पिछले मंगलवार को उन्होंने संयुक्त राष्ट्र में भारत की नई स्थायी प्रतिनिधि के रूप में अपना कार्यभार संभाला। 58 साल की कम्बोज 1987 बैच की भारतीय विदेश सेवा (आईएफएस) अधिकारी रहीं और भूटान में भारत की राजदूत और दक्षिण अफ्रीका में भारत की उच्चायुक्त के रूप में सेवाएं दे चुकी हैं।

जज के गनमैन ने पत्नी को मारी गोली महिला गंभीर हालत में पीजीआई रेफर

सोनीपत, 10 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा के सोनीपत में एक जज के गनमैन एवं हरियाणा पुलिस के जवान ने घरेलू कलह में अपनी पत्नी को गोली मार दी। महिला की हालत गंभीर है और उसे रोहतक पीजीआई रेफर किया गया है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है और सिपाही फरार बताया जा रहा है। बताया गया है कि हरियाणा पुलिस का सिपाही देवेंद्र अपने परिवार के साथ सोनीपत में लघु सचिवालय के पास बने सरकारी क्वार्टर में रह रहा है। वह गोहाना के जज का गनमैन है। देवेंद्र का अपनी पत्नी मोनिका के साथ काफी समय से विवाद चल रहा है। पति-पत्नी में रात को किसी बात को लेकर झगडा हो गया। यह इतना बढ़ गया कि देवेंद्र आपा खो बैठा और उसने अपनी सरकारी रिवाल्वर से पत्नी मोनिका को गोली मार दी और मौके से भाग गया। मोनिका को रात को ही सोनीपत के नागरिक अस्पताल में लाया गया। डॉक्टरों के अनुसार गोली मोनिका की छाती में लगी है। उसे गंभीर हालत में रोहतक पीजीआई रेफर किया गया है। वारदात की सूचना के बाद पुलिस भी मौके पर और अस्पताल पहुंची। पुलिस की ओर से घटनास्थल पर पूरी जांच की गई। घायल मोनिका ने आरोप लगाया है कि देवेंद्र उसे काफी समय से परेशान कर रहा था।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	कर्क	में	कर्क...	04-14 बजे
चंद्र-	मकर	में	सिंह...	06-26 बजे
मंगल	वृष	में	कन्या	08-34 बजे
बुध-	सिंह	में	तुला -	10-38 बजे
गुरु-	मीन	में	वृश्चिक	12-48 बजे
शुक्र-	कर्क	में	धनु---	15-02 बजे
शनि-	मकर	में	मकर-	17-08 बजे
राहु-	मेष	में	कुंभ -	18-59 बजे
केतु-	तुला	में	मीन...	20-38 बजे
			मेष--	22-13 बजे
			वृष--	23-58 बजे
			मिथुन..	01-58 बजे

विक्रम श्री नल नाम संवत्- **2079**
शक संवत् **-1944,** कलियुग अवधि-**432000**
भोग्य कलि वर्ष-**426878**
कलियुग संवत् **-5123** वर्ष सूर्य-दक्षिणायने
कल्पारंभ संवत् **-1972949123**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885123**
महावीर निर्वाण संवत् **-2548,**हिजरी सन् **-1443**
ऋतु-वर्षा,दिशाशूल- दक्षिण -जीरा खाकर घर से निकले
तिथि- चतुर्दशी - **10-38** तक उपरान्त, पूर्णिमा
मास - श्रावण शुक्ल पक्ष , गुरूवार, **11 August**
नक्षत्र -उत्तराषाढा - **06 -52** - तक उपरान्त, श्रवण
योग - आयुष्मान. - **15- 31** - तक उप- सौभाग्य
करण- वणिज - **10 -38** - तक उप- विष्टि [भद्रा]
विशेष:- पूर्णिमा व्रत,कोकिला व्रत रक्षाबंधन
व्रत -त्योहार - भद्रा-**10-38** से **20-50** तक

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए ।

राहुकाल 13:57 से 15:32 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र बेगम बाजार हैद्रा.

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
शुभ..	06:01 - 07:35	शुभ	अमृत	18:43 - 20:08	शुभ
रोग.	07:35 - 09:10	अशुभ	चंचल	20:08 - 21:32	शुभ
उत्पात	09:10 - 10:46	अशुभ	रोग	21:32 - 22:57	अशुभ
चंचल	10:46 - 12:21	शुभ	काल	22:57 - 00:21	अशुभ
लाभ	12:21 - 13:57	शुभ	लाभ	00:21 - 01:46	शुभ
अमृत	13:57 - 15:32	शुभ	उत्पात	01:46 - 03:10	अशुभ
काल	15:32 - 17:08	अशुभ	शुभ	03:10 - 04:35	शुभ
शुभ	17:08 - 18:40	शुभ	अमृत	04:35 - 06:01	शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो अ) आप पिछले कुछ समय से उपेक्षित महसूस कर रहे हैं लेकिन आज आप पर सबका ध्यान आएगा । लाइमलाइट आप पर रहेगी और आप आसानी से इस अवसर का लाभ उठाकर खुद को साबित कर पायेंगे । यह किसी नए दोस्त के मिलने,पुराने के सामने आने या कार्यस्थल की किसी स्थिति से सम्बंधित भी हो सकता है ।

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो) आप बहुत अच्छे निर्णायक हैं और सब चीजों का आसानी से विश्लेष्ण कर लेते हैं । आज आपको अपनी इस विशेषता के लिए खूब तारीफ मिलेगी । लोग अच्छी तरह काम करने के लिए आपकी और देखेंगे और आपसे सीखेंगे ।आपको किसी खतरनाक जगह पर यात्रा करने की जरूरत सम्बन्धी सूचना मिलेगी।

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा) आपको अपने कामों को पूरा करने के लिए बहुत कम साधन उपलब्ध होंगें और इससे आपके काम में बाधा पहुचेगी ।इससे परेशान न हों,आपको दिन के अंत तक अपनी पसंद का काम और साधन दोनों ही मिल जायेंगे ।आप प्रकृति से ही मेहनती हैं और आप जिम्मेदारियों के साथ साथ स्वतंत्रता का भी आनंद लेंगे ।

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो) आप आज आत्मविश्वास से भरे रहेंगे और किसी अधूरे पड़े काम को हाथ में लेंगे ।समस्याएं आएँगी लेकिन आपका रास्ता नही रोक पाएंगी ।कोई अच्छा दोस्त आपका साथ देगा ।कार्यस्थल पर मिलने वाले एक महत्वपूरण सम्बन्ध की सहायता से नया मौका मिलेगा ।अतीत के फेर से निकलकर आगे की सोचें ।

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे) आपके पिछले कुछ समय से अपने करियर तथा निजी जीवन सम्बन्धी किये गये प्रयासों का फल मिलने का समय आ गया है ।ऐसा घटनाक्रम बनेगा कि आपको कोई बड़ी सफलता हाथ लगेगी ।आपको प्रयासों और परिश्रम को आपके सीनियर ध्यान से देखेंगे और वे आपके जबरदस्त समर्थक भी बन जायेंगे।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) आपकी निजी और व्यवसायिक जिन्दगी के बीच एक असंतुलन है ।इसे दूर करने का एक ही तरीका है कि आप अपने प्रतिदिन के काम की योजना बनाएं,जो हर दिन की जरुरत के हिसाब से अलग हो । चिंता ना करें,आपके परिजन हाल-फिलहाल आपके उनके प्रति कम ध्यान के बावजूद आपके समर्पण को पहचान पाएंगे ।

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते) आज आपको अपनी आरामदायक स्थिति से बाहर आकर कुछ गंभीर प्रयास करने हैं ।सावधान रहें कि बिलकुल परम्पराओं के अनुसार चलने से आपको कुछ हासिल नही होगा।गंभीर होकर प्रयास करने से ही आपको बहाव के साथ बहते रहने के स्थान पर जीवन जीने की सही भावना आएगी । यह इस समय आपको मुश्किल जरुर लगेगा।

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो या यी यू) आपके किसी करीबी के जीवन में कुछ समस्याएँ चल रही हैं और आज आपको उनकी बात सहानुभूति से सुननी पड़ेंगी । ऐसा हो सकता है की आप इस आदमी की बातों से निराश और बेचैन सा अनुभव करें ,लेकिन आपको बिना किसी आलोचना के इस आदमी की सहायता करनी चाहिए ।

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे) आप आज अपने परिवहन के साधन से परेशान हो सकते हैं ।अगर कहीं किसी महत्वपूरण काम के लिए जाना है तो अपने लिए वैकल्पिक परिवहन की व्यवस्था कर लें और कोई बैकअप योजना तैयार रखें । आज आप किसी भीतरी उलझन से परेशान हैं,लेकिन शांति बनाये रखें,यह समय जल्दी ही बीत जायेगा ।

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी) छोटी छोटी परेशानियां और असहमतियां दिन भर सामने आती रहेंगी ।आपको इन छोटी छोटी बातों की उपेक्षा कर देनी है,नही तो आप अपनी मानसिक शांति को नष्ट कर लेंगे । अपनी समस्याएँ किसी के साथ बांटने की कोशिश करें,आपको अच्छा अनुभव होगा । एकांत की गतिविधियाँ आज बहुत अच्छी रहेंगी ।

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा) आज का दिन आपके लिए बहुत शुभ है,आपको वित्तीय क्षेत्र में अपने प्रयासों के चलते लाभ होगा ।आप अपने परिजनों के लिए सर्वोत्तम उपलब्ध चीज खरीदना चाहेंगे ।बस इतना ध्यान रखें कि सारा पैसा खर्च न करके कुछ बचत भी कर लें ।आप अपने पार्टनर के साथ कुछ बहुत ख़ास पल गुजारेंगे जिन्हें आप हमेशा याद रखेंगे ।

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची) आज आप जो भी करेंगे ,उसमे एक नयी उर्जा और नया लक्ष्य दिखाई देगा । आपकी बातचीत का स्तर अविश्वसनीय रूप से बेहतर हो गया है और आप ऐसे किसी व्यक्ति से भी मिल सकते हैं जो आपकी जिंदगी को वित्तीय या आध्यात्मिक रूप से काफी प्रभावित करेगा । आप खुद को ज्यादा अच्छे से समझ पायेंगे।

पं महेशचन्द्र शर्मा 9247132654,8309517693

कर्नाटक के ईदगाह मैदान में गणेशोत्सव पर विवाद

मुस्लिम समुदाय का दावा- जमीन वक्फ बोर्ड की, हिंदूवादी संगठन बोले- सार्वजनिक जगह है

बेंगलुरू, 10 अगस्त (एजेंसियां)। कर्नाटक में सियासी पारा चढ़ा हुआ है। राजनीतिक हत्याओं की तीन घटनाओं का मामला अभी थमा नहीं है। इस बीच अब बेंगलुरू के चामराजपेट ईदगाह मैदान का विवाद भड़क गया है। चामराजपेट मैदान में हिन्दूवादी संगठन इस महीने के अंत में गणेशोत्सव मनाने की योजना बना रहे हैं, लेकिन वक्फ बोर्ड और मुस्लिम समुदाय का दावा है कि ये जमीन वक्फ बोर्ड की है। चामराजपेट से कांग्रेस विधायक जमीर अहमद खान का कहना है कि चामराजपेट ईदगाह मैदान में किसी भी धार्मिक आयोजन की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। अगर, चामराजपेट ईदगाह मैदान पर स्वतंत्रता दिवस का आयोजन होता है तो वे खुद इसमें बढ़चढ़ कर हिस्सा लेंगे। इस मामले को लेकर राज्य के राजस्व मंत्री आर. अशोक का कहना है कि स्वतंत्रता दिवस और गणेशोत्सव मनाने को लेकर विभाग के पास वैसे तो अब तक कोई आवेदन नहीं मिला है, लेकिन किसी व्यक्ति या संस्था की ओर से अगर इस तरह का कोई आवेदन मिलता है तो राज्य सरकार इस पर जरूर विचार करेगी।

हिंदूवादी संस्थान सनातन संस्थे ने बृहत बेंगलुरू महानगर पालिका (बीबीएमपी) को ईदगाह मैदान पर स्वतंत्रता दिवस पर ध्वजारोहण और गणेशोत्सव मनाने की मंजूरी के लिए आवेदन किया है। सनातन संस्थे के भास्करन का कहना है कि चामराजपेट मैदान सार्वजनिक स्थान है। कांग्रेस विधायक जमीर खान इस मैदान पर किसी भी प्रकार की अनुमति देने वाले कौन होते हैं? इस मैदान पर अधिकार को लेकर हमारी चुनौती बृहत बेंगलुरू महानगर पालिका के पास लंबित है। बीबीएमपी ने वक्फ बोर्ड को ईदगाह मैदान पर अपने दावे के संबंध में दस्तावेज पेश करने को कहा। हालांकि, बीबीएमपी ने स्पष्ट रूप से कहा है कि ये संपत्ति वक्फ बोर्ड की नहीं बल्कि बीबीएमपी की है। वक्फ बोर्ड को अपने कथित दावे के लिए तथ्य पेश करने होंगे। 1999 में भाजपा को इस मैदान पर स्वतंत्रता दिवस पर तिरंगा फहराने की मंजूरी नहीं मिली थी। मैदान की एवज में वक्फ बोर्ड को 10 एकड़ वाले जमीन दी जा चुकी है। यहां का 2 एकड़ का मैदान खेलों के लिए छोड़ा गया है।

स्वतंत्रता दिवस से पहले बड़ी साजिश नाकाम

पुलवामा में 25-30 किलोग्राम आईईडी बरामद

जम्मू, 10 अगस्त (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के पुलवामा में बुधवार को पुलिस और सुरक्षा बलों ने स्वतंत्रता दिवस से पहले एक बड़े हमले की साजिश को नाकाम कर दिया। सुरक्षा बलों ने शहर में सर्कुलर रोड पर तहाब क्रॉसिंग के पास 25-30 किग्रा आईईडी बरामद कर लिया। आईईडी को निष्क्रिय कर दिया गया है। एडीजीपी कश्मीर विजय कुमार ने बताया, "पुलवामा पुलिस को मिली गोपनीय जानकारी के आधार पर कार्रवाई करते हुए पुलिस और सुरक्षा बलों ने बड़े हमले की साजिश को नाकाम कर दिया।" उन्होंने बताया कि मामले में जांच की जा रही है। आईईडी को यहां तक पहुंचाने वाले और यहां से आईईडी उठाने के लिए आने वालों की तलाश की जा रही है। हर आने-जाने वाले वाहन की जांच की जा रही है। उधर, बडगाम में सुरक्षा बलों और आतंकियों के बीच बुधवार तड़के से मुठभेड़ जारी है। पुलिस और सुरक्षा बलों ने मोर्चा संभाला हुआ है। जम्मू कश्मीर के एडीजीपी विजय कुमार ने बताया कि लश्कर के तीन आतंकी घिरे हुए हैं। इनमें लतीफ राथर भी शामिल है। लतीफ राहुल और अमरीन भट्ट सहित कई नागरिकों की हत्या में शामिल रहा है।

पार्थ और अनुब्रत के कारनामे !

टीएमसी हैरान, जनता परेशान; ऐसे किया जा रहा डैमेज कंट्रोल

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस पार्थ चटर्जी पर लगे आरोपों से नहीं उबरी थी। वहीं, अब मवेशियों की तस्करी मामले में अनुब्रत मंडल पर शुरू हुई जांच ने पार्टी को मुश्किल में डाल दिया है। हालांकि, खबर है कि राज्य में सत्तारूढ़ दल अब डैमेज कंट्रोल में जुट गया है। मंडल पार्टी के बीरभूम अध्यक्ष हैं। जबकि, चटर्जी मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की सरकार में शिक्षा मंत्री रह चुके हैं। राज्य में कथित एसएससी घोटाले ने टीएमसी सरकार को मुश्किलों के घेरे में ला दिया है। ऐसे पार्टी सांसद अभिषेक बनर्जी ने मोर्चा संभाला और प्रभावित लोगों से मिले। खबर है कि उन्होंने लोगों को नौकरियों का वादा किया है। वहीं, सोमवार को प्रदर्शनकारियों का एक समूह ने शिक्षा मंत्री ब्रत्य बसु से मुलाकात की। प्रवर्तन निदेशालय ने शिक्ष भर्ती घोटाले मामले में चटर्जी को गिरफ्तार किया है। जांच के दौरान उनकी करीबी कही जा रहीं एक्ट्रेस अर्पिता मुखर्जी के आवास से करोड़ों रुपये की नकदी और जेवर बरामद हुए थे। फिलहाल, इस मामले में ईडी की जांच जारी है। शाहीदुल्लाह ने बताया कि इसका प्रभाव काफी सकारात्मक रहा है। उन्होंने बताया, 'हमने मांग रखी है कि जो मेरिट लिस्ट में हैं, उन्हें नौकरियां मिलनी चाहिए, लेकिन हम शांतिपूर्ण आंदोलन जारी रखेंगे। सभी को अपाइंटमेंट लैटर मिला तो हम आंदोलन खत्म कर देंगे। शिक्षा मंत्री ने इस संबंध में हमें आश्वासन दिया है।' जब सोमवार को सीबीआई की तरफ से मंडल को समन भेजा गया, तो लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। हालांकि, मंडल ने स्वास्थ्य संबंधी कारणों के चलते पहुंचने में असमर्थता जताई थी, लेकिन केंद्रीय एजेंसी ने 7 सदस्यीय मेडिकल टीम गठित की। जैसे ही टीएमसी नेता पहुंचे तो भीड़ ने 'चोर-चोर' के नारे लगाए। इधर, मेडिकल बोर्ड ने भी कह दिया कि उन्हें अस्पताल में भर्ती किए जाने की जरूरत नहीं है। सीबीआई ने उन्हें बुधवार को दोबारा तलब किया है।

बंगाल: बस-ऑटो में आमने-सामने टक्कर

घटनास्थल पर ही नौ की मौत, पीएम और ममता ने किया मुआवजे का एलान

कोलकाता, 10 अगस्त (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले के रामपुरहाट में मंगलवार को हुए एक सड़क हादसे में नौ लोगों की मौत की हो गई। बताया जा रहा है कि यह हादसा उस वक्त हुआ जब ऑटो और बस आमने-सामने आ गए। हादसा इतना भयंकर था कि घटनास्थल पर ही ऑटो सवार सभी नौ यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई। बताया जा रहा है कि ऑटो सवार सभी यात्री खेत में काम करके वापस लौट रहे थे, तभी यह हादसा दर्दनाक हादसा हुआ। अभी तक मृतकों के बारे में कुछ पता नहीं चल पाया है। बताया जा रहा है कि टक्कर के कारण ऑटो के परखच्चे उड़ गए। किसी तरह से ऑटो को बस के अंदर से निकाला गया। पुलिस की एक टीम घटनास्थल पर पहुंच गई है और मामले की जांच कर रही है।

पीएम ने किया मुआवजे का एलान

पश्चिम बंगाल के बीरभूम में हुए दर्दनाक हादसे पर पीएम नरेंद्र मोदी ने दुख जताया है। उन्होंने प्रत्येक मृतक के परिजन को 2 लाख रुपये और घायलों को 50,000 रुपए देने की घोषणा की है।

सीएम ममता ने की दो लाख रुपये मुआवजे का एलान

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ने बीरभूम में हुई घातक दुर्घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है जिसमें 9 लोगों की जान चली गई। उन्होंने कहा कि हम मृतकों के परिवारों को 2 लाख रुपये प्रदान करेंगे। सोम्याबोथी योजना के तहत, प्रत्येक मृतक के अंतिम संस्कार के लिए 2000 रुपये प्रदान किए जाएंगे। मृतक के परिवारों को विशेष जीआर प्रदान किया जाएगा।

चीन की धमकी की परवाह नहीं करने वाली नैंसी पैलोसी की फिसली जुबान

वाशिंगटन, 10 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिकी सदन की स्पीकर नैंसी पेलोसी पिछले कुछ दिनों से लगातार चर्चा में बनी हुई हैं. पहले उनका ताइवान दौरा काफी सुर्खियों में रहा. इस दौरे के बाद आगबबूला चीन ने अमेरिका और ताइवान को बुरे अंजाम की धमकी दी. चीन का ताइवान सीमा पर युद्ध अभ्यास अब भी जारी है और युद्ध की आशंका बनी हुई है. इस बीच मंगलवार को ताइवान समेत अन्य देशों की यात्रा से लौटने के बाद नैंसी पेलोसी ने मीडिया को दिए इंटरव्यू में चीन को लेकर ऐसी बात बोल दी कि सोशल मीडिया पर यह वायरल हो गया. हालांकि बाद में इस गलती को सुधारा गया.

ऐसा क्या कहा नैंसी पेलोसी ने एनबीसी के 'टुडे' शो में पेलोसी ने ताइवान और चीन को लेकर अपनी बात रखी. बातचीत में उन्होंने कहा कि, हम अभी भी 'एक चीन' नीति का समर्थन करते हैं. हम वहां अपनी पॉलिसी के तहत यह देखने गए थे कि वहां क्या चल रहा है. वहां कुछ भी विघटनकारी नहीं है. यह केवल कहने के लिए था. चीन दुनिया के सबसे स्वतंत्र समाजों में से एक है. यह फ्रीडम हाउस से है, यह एक मजबूत लोकतंत्र है, वहां साहसी लोग हैं.'

बात बिगड़ते देख इन्होंने संभाला मोर्चा

पेलोसी की इस गलती के बाद उनके बयान का यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल होने लगा. इसके तुरंत बाद उनके डिप्टी चीफ ऑफ स्टाफ ड्रू हैमिल ने मोर्चा संभाला और उनके बयान को लेकर अपना पक्ष रखा. उन्होंने कहा कि, अध्यक्ष यहां ताइवान का उल्लेख करना चाह रही थीं. उनका मकसद यही था. कांग्रेस में 35 वर्षों तक चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के खिलाफ बोलने का स्पीकर का रिकॉर्ड नायाब है. वह चीन के समर्थन में नहीं थीं. पेलोसी ने फ्रीडम हाउस का हवाला दिया था, जबकि चीन के साथ ऐसा नहीं है. उन्होंने आगे कहा, सत्तारूढ़ चीनी कम्युनिस्ट पार्टी (सीसीपी) ने राज्य नौकरशाही, मीडिया, ऑनलाइन भाषण, धार्मिक अभ्यास, विश्वविद्यालयों, व्यवसायों और नागरिक समाज संघों सहित जीवन और शासन के सभी पहलुओं पर अपना पहरा लगा रखा है.

90 साल की महिला को कोर्ट से मिली राहत बेटे और बहू के खिलाफ फैसला

मुंबई, 10 अगस्त (एजेंसियां)। मुंबई की सत्र अदालत ने बेटे और बहू पर घरेलू हिंसा का आरोप लगाने वाली 90 वर्षीय वृद्ध महिला के पक्ष में फैसला सुनाते हुए बहू और बेटे को घर खाली करने का आदेश दिया है. मजिस्ट्रेट कोर्ट के आदेश को बरकरार रखते हुए सेशन कोर्ट ने वृद्ध महिला के 60 वर्षीय बेटे और बहू को घर खाली करने का आदेश दिया है. अदालत में पीड़ित महिला का आरोप था कि उसके बेटे और बहू उसका मानसिक और भावनात्मक शोषण करते हैं. सेशन कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि महिला ने पूरी ज़िन्दगी अपने घर में गुजारी है. महिला का अपने घर के प्रति लगाव है, ऐसे में उसे घर से निकालना न्याय के विपरीत होगा. कोर्ट में पीड़िता ने कहा कि घर में 50 प्रतिशत हिस्सा होने के बावजूद उसका बेटा, उसके दामाद और बेटी के साथ रहने का दबाव बना रहा है. कोर्ट में महिला की बहू ने मजिस्ट्रेट के आदेश को चुनौती देते हुए कहा था कि एक महिला होने के नाते उसे संयुक्त परिवार के घर से नहीं निकला जा सकता है. जिस पर कोर्ट ने टिप्पणी करते हुए कहा कि महिला होने का अर्थ यह नहीं कि उसे घरेलू उत्पीड़न एक्ट में अभूतपूर्व शक्तियां मिल जाती हैं. हालांकि जज ने स्पष्ट किया कि पति को अपनी पत्नी के लिए घर का इंतजाम करना चाहिए था. वृद्ध महिला ने कोर्ट में दाखिल अपनी याचिका में कहा कि वर्ष 2000 में उसके पति की मौत के बाद से उसके बेटे और बहू उसका उत्पीड़न कर रहे हैं. दोनों ने मिलकर उसकी ज़िन्दगी को नर्क बना दिया है. महिला ने कोर्ट को बताया कि जब उसने बेटे से घर में अपना हिस्सा मांगा तो मारपीट शुरू कर दी. बीते सालों में महिला ने बहू और बेटे के खिलाफ मारपीट के 4 मुकदमे दर्ज कराए हैं. पीड़िता के अनुसार उसका बेटा दारू पीकर उसके साथ मारपीट करता है. एक दिन उसके बेटे ने शराब पीकर उसके साथ मारपीट कर जबरन प्रॉपर्टी को अपने नाम करना चाहा था. बेटे के क्रूर बर्ताव के बाद उसे अपने घर में जाने से डर लगता है. हालांकि महिला के बेटे ने आरोप लगाया है कि उसने कभी अपनी मां के साथ मारपीट नहीं की. दंपत्ति का आरोप है कि वृद्ध मां ऐसा अपनी बेटी के कहने पर कर रही है.

सुरक्षाबलों ने नक्सली कैंप को किया ध्वस्त, मुठभेड़ में तीन ढेर

बीजापुर, 10 अगस्त (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बीजापुर में सुरक्षाबलों के हाथ बड़ी कामयाबी लगी है। यहां जवानों ने नक्सलियों के कैंप को ध्वस्त कर दिया है। मौके से भारी मात्रा में हथियार, विस्फोटक बरामद किए गए हैं। इसके अलावा पुलिस का दावा है कि गोलीबारी में तीन नक्सलियों को भी मार गिराया गया है। पुलिस ने बताया, बीजापुर के मोदकपाल थाना क्षेत्र में जवानों ने नक्सलियों के खिलाफ तीन दिन पहले ऑपरेशन शुरू किया था। कैंप को ध्वस्त करने और तीन नक्सलियों को ढेर करके, पूरे तीन दिन बाद जवान मुख्यालय लौटे हैं। हालांकि, अभी तक किसी नक्सली का शव बरामद नहीं किया गया है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, अधिकारियों को गुप्त सूचना मिली कि बोंगला-पुंगर के जंगल-पहाड़ी क्षेत्र में 25 से 30 नक्सलियों ने कैंप लगाया है। सभी नक्सली हथियारों से लैस हैं। सूचना के बाद डीआरजी, एसटीएफ और सीआरपीएफ 229 बटालियन को मौके पर रवाना किया गया। अधिकारियों ने बताया, जवान सात अगस्त को नक्सलियों के इलाके में पहुंचे। उनके पहुंचते ही नक्सलियों की ओर से फायरिंग शुरू कर दी गई। इसके बाद सुरक्षाबलों के जवानों ने भी जवाबी कार्रवाई की।

इसमें तीन नक्सलियों को मार गिराया गया। भारी फायरिंग के चलते नक्सली वहां से भाग गए। इसके बाद जवानों ने उनके कैंप को तहस-नहस कर दिया। अधिकारियों ने बताया सर्च ऑपरेशन के दौरान एक नक्सली घायल अवस्था में मिला, जिसे गिरफ्तार कर लिया गया है। वहीं कैंप से भारी मात्रा में हथियार बरादम हुए हैं।

सिरसा में बड़ी वारदात: नागरिक अस्पताल से दो बंदी भागे

सिरसा (हरियाणा), 10 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा के सिरसा में जेल में मारपीट करने के बाद नागरिक अस्पताल में दाखिल दो बंदी ड्यूटी पर तैनात कर्मचारी के साथ मारपीट कर अस्पताल की खिड़की तोड़ कर फरार हो गए। दोनों आरोपियों की तलाश में पुलिस जगह-जगह पर छापेमारी कर रही है। वहीं आरोपियों ने पुलिस कर्मचारी के सिर में डंडा मार दिया। घायल पुलिस कर्मी का इलाज नागरिक अस्पताल में चल रहा है। वहीं आरोपियों के भागने की वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। दोनों बंदी पहले हत्या का प्रयास करने के आरोप में जेल में बंद थे। इनमें से एक सिरसा के गांव कुत्ताबढ़ निवासी सोनू व दूसरा आरोपी काला सिंह निवासी गांव काल चढ़ानी, थाना आनंदगढ़, जिला बठिंडा (पंजाब) का रहने वाला है। दोनों बंदियों ने बीते दिन योजना बनाकर जेल में आपस में झगड़ा कर लिया। इसमें दोनों बंदियों को चोट भी लगी।

स्वतंत्र वार्ता

गुरुवार, 11 अगस्त, 2022

अवसरवादी राजनीति

राजनीति में जो हो जाए वही कम है। मंगलवार दोपहर तक बिहार की राजनीति भाजपा जदयू गठबंधन का चल रहा था। लेकिन शाम चार बजते-बजते यह मजबूत गठबंधन टूट गया। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राज्यपाल को इस्तीफा देकर ऐलान कर दिया कि अब महागठबंधन की सरकार बनेगी। देखा जाए तो यह सब अचानक नहीं हुआ है। दोनों दलों के बीच मनमुटाव लंबे समय से चल रहा था। नीतीश कुमार विधानसभा अध्यक्ष के बर्ताव से खिन्न चल रहे थे। ऊपर से केंद्र सरकार के कई फैसलों ने भी उन्हें निराश किया था। वे चाहते थे कि जातिवार जनगणना हो लेकिन केंद्र उनकी मांग को तवज्जो नहीं दे रहा था। मामला यहां तक पहुंच गया कि उन्होंने केंद्र को खुली चुनौती तक देना शुरू कर दिया था। पिछले कई महीनों में कई मौके आए, जब नीतीश कुमार और केंद्र सरकार के बीच सैद्धांतिक मतभेद आडे आने लगे थे। तभी से अटकलबाजी शुरू हो गई थी कि नीतीश कुमार और भाजपा का साथ अब ज्यादा दिन नहीं चल सकता। नीतीश का झुकाव भी राष्ट्रीय जनता दल की तरफ अधिक दिखने लगा था। बीते दिनों में कई मौकों ऐसे आए जिस पर नीतीश का तेजस्वी यादव के प्रति नरम रुख दिखा था। नीतीश को दिमाग तब भन्नाया जब जनता दल (एकी) के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष आरसीपी सिंह ने इस्तीफा देकर भाजपा का दामन थाम लिया। नीतीश और उनके दल के नेताओं को भी लगने लगा कि परदे के पीछे बिहार में भी महाराष्ट्र के एकनाथ शिंदे की खोज की जा रही है। राजनीति के घाघ खिलाडी नीतीश कुमार ने केंद्र में होने वाले मंत्रिमंडल विस्तार में अपने सासंदों के हिस्सा न लेने की घोषणा कर दी। फिर मंगलवार को बिहार में विधायकों की बैठक बुलाई गई और उसमें अलग होने की घोषणा कर दी। अब राजद, कांग्रेस और महागठबंधन के दूसरे कुछ दलों ने नीतीश कुमार को समर्थन दे दिया है। नीतीश कुमार 164 विधायकों के साथ नए गठबंधन के नेता चुन लिए गए हैं। उन्होंने तेजस्वी यादव से कहा कि वे पांच साल पहले की बातें भूल जाएं और अब नए सिरे से शासन चलाने पर ध्यान दें। इस तरह नीतीश कुमार को पहले से अधिक बहुमत मिल गया है। महागठबंधन को जहां उम्मीद है कि यह सरकार अपना कार्यकाल पूरा करेगी तो बीजेपी नेताओं ने कहा कि स्वार्थ का गठबंधन ज्यादा दिन नहीं चल पाएगा, थोडे ही दिनों में नीतीश कुमार फिर लौट कर नए ठौर को तलाशेंगे। बहरहाल, नीतीश कुमार का पीछा यह सवाल तो करता ही रहेगा कि पिछले चुनाव में जब उन्होंने राजद के साथ मिल कर चुनाव लड़ा था तब खुल कर भाजपा को सांप्रदायिक पार्टी कहा था और फिर सरकार बनाई तो वे भाजपा को खरी-खोटी सुनाते नहीं थकते थे। मगर फिर क्या हुआ कि उसी भाजपा से दोस्ती कर बैठे और बाकी का कार्यकाल पूरा किया। फिर इस बार का चुनाव भी उन्होंने भाजपा के साथ मिल कर लड़ा था। भाजपा ने उन्हें शुरू में ही मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित कर दिया था। जद (एकी) की 45 सीटें आई तो भाजपा के पास 77 सीटें थी। सीटें कम होने के बावजूद भाजपा से अपना वचन निभाया और उन्हें मुख्यमंत्री पद दिया। अब एक बार फिर उन्हें भाजपा खटकने लगी और राजद के साथ सरकार बनाने के लिए शपथ ग्रहण भी कर लिया। राजनीति में अवसर का लाभ उठाने वाले ही बड़े खिलाड़ी माने जाते हैं। चुनाव के समय तो ऐसा करके नीतीश कुमार ने तगडा खिलाड़ी होने का परिचय दे दिया, मगर अब ऐसी क्या सैद्धांतिक अड़चन आ गई कि उन्हें भाजपा एक आंख भी नहीं सुहा रही है। सैद्धांतिक मेल को लेकर अगर नीतीश कुमार की भाजपा से पटरी नहीं बैठ पाई तो वे दबंग छवि वाले राजद के साथ कैसे निभा पाएंगे, कहना मुश्किल है, क्योंकि उसी राजद को कोसते हुए पिछली बार उन्होंने भाजपा का दामन थामा था। वे कहते नहीं थकते थे कि राजद बिहार में जंगलराज कायम करना चाहती है। अब क्या राजद के व्यवहार में अचानक बदलाव आ गया है? फिर तेजस्वी यादव ने जिस तरह सरकार बनने से पहले अपनी कड़ी शर्तें रखी हैं, उससे स्पष्ट है कि नीतीश कुमार खुले हाथ काम करने में दिक्कत महसूस करते रहेंगे।

सत्तर साल बाद भारत में दौड़ेंगे चीते

आजादी का अमृत महोत्सव भारत के जंगल में मंगल लाने वाला है। सत्तर साल बाद यहां की आबोहवा में चीता आबाद होने जा रहे हैं। भारत और नामीबिया के बीच 20 जुलाई, 2022 को हुए समझौते ने वन्यजीव विशेषज्ञों की उत्सुकता बढ़ा दी है। अगर कोई अड़चन नहीं आई तो दोनों देशों की सरकारों के बीच पहले अंतर महाद्वीपीय स्थानान्तरण के तहत 15 अगस्त को नामीबिया से आठ चीते (चार मादा, चार नर) भारत आ रहे हैं। इस योजना पर लगभग 224 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। इन चीतों को मध्य प्रदेश के चंबल संभाग के श्योपुर के कूनो पालपुर नेशनल पार्क में रखा जाएगा। चीता प्रोजेक्ट के लिए इंडियन ऑयल ने राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण को 50.22 करोड़ रुपये देने का प्रावधान किया है। 1952 में चीता को देश में विलुप्त घोषित किया गया था। इन चीतों को नामीबिया से लाने की राह लखनऊ में हुए एक शोध ने आसान की है। बीरबल साहनी पुरा विज्ञान संस्थान के वैज्ञानिक डॉ. नीरज राय के इस शोध में भारतीय चीतों और अफ्रीकन चीतों की जेनेटिक संरचना में काफी समानताएं मिली थीं।

नामीबिया को चीतों की राजधानी कहा जाता है। वैज्ञानिक डॉ. नीरज राय का यह शोध साल 2020 में अमेरिकन जर्नल नेचर साइंटिफिक रिपोर्ट में प्रकाशित हुआ था। डॉ. नीरज राय का दावा है कि देश में साल 1947 तक चीतों की पुष्टि हुई। साल 1948 के बाद चीते पूरी तरह विलुप्त हो गए। साल 1947 में आखिर तक तीन चीते थे। शिकार कर उन्हें भी मार दिया गया। चीतों और बाघों का सबसे ज्यादा शिकार ब्रिटिश काल में हुआ। इस दौरान करीब 80 हजार बाघ और चीते मारे गए। हालांकि भारत में चीते लाने की कोशिशें पहले भी हुई है। राजस्थान के जंगलों को चीते के लिए मुफीद मानकर साल 1998 में तीन चीते लाए गए, लेकिन वे जीवित नहीं बचे। 2016 में भी यहां एक चीता लाया गया, वह भी नहीं बचा। इस शोध के बाद उम्मीद है कि नामीबिया से लाए जा रहे चीते यहां के माहौल में ढल सकेंगे।

केंद्रीय वनमंत्री भूपेंद्र यादव कहते हैं कूनो पालपुर नेशनल पार्क 748 वर्ग किलोमीटर में फैला है। यह छह हजार 800 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैले खुले वन क्षेत्र का हिस्सा है। यहां चीतों को बसाने की तैयारी पूरी कर ली गई है। दो से तीन महीने चीते बाड़े में रहेंगे। इसका मकसद यह है कि यहां के वातावरण में ढल जाएं। चार से पांच वर्ग किलोमीटर के बाड़े की चारों तरफ से फेंसिंग की गई है। इस राष्ट्रीय वन्यजीव अभ्यारण्य में भारतीय भेड़िया, बंदर, भारतीय तेंदुआ और नीलगाय बहुतायत में हैं।

वन्यजीव विशेषज्ञ अजय दुबे का कहना है कि चीता प्रोजेक्ट का असर सहारिया जनजाति पर पड़ेगा। सॉफ्ट रिलीज के बाद चीतों को खुला छोड़ा जाएगा। सहारिया जनजाति के लोगों का गुजर-बसर जंगल से होने वाले उत्पादों से होता है। ऐसे में सरकार को उनके रोजगार के इंतजाम पर भी ज्यादा फोकस करना चाहिए।

-मुकुंद

हरियाणा का जर्रा-जर्रा आज़ादी के लिए खून से भीगा है

प्रियंका 'सौरभ'

स्वतंत्रता आंदोलन की आग में पूरा हरियाणा जल उठा था। बात 1857 की है, जब प्रथम स्वतंत्रता आंदोलन में आजादी के दीवाने जंग में कूद पड़े।

इतिहास उठाकर देखिए, हरियाणा का हर जर्रा खून से भीगा दिखाई देगा। आजादी की जंग जीतने में जहां देश के जवानों ने कोई कसर नहीं छोड़ी, वहीं अंग्रेजों ने भी क्रूरता की हद पार कर दी थी। स्वतंत्रता आंदोलन की आग में पूरा हरियाणा जल उठा था। बात 1857 की है, जब प्रथम स्वतंत्रता आंदोलन में आजादी के दीवाने जंग में कूद पड़े। उस दौरान हरियाणा से 3000 हजार से ज्यादा लोग मारे गए थे। अंग्रेजों ने कुछ को पकड़ कर फांसी पर लटका दिया तो कुछ को गोली से उड़ा दिया। इस पर भी बस नहीं चला तो कई गांवों को जलाकर राख कर दिया गया। हरियाणा का यह भूभाग उस समय पंजाब प्रांत का भाग था। क्रांतिकारी सिपाही मंगल पाण्डेय के नेतृत्व में 10 मई 1857 को प्रथम स्वतंत्रता आंदोलन की शुरूआत की गई थी। इस दौरान 13 मई को जब गुड़गांव और अन्य जिलों में भी यह आग भड़की तो हरियाणा से बहुत से वीर इसमें शामिल हो लिए। इनमें कई वीरों ने अपनी जान गवांई।

हरियाणा गर्व करता है कि देश की आज़ादी की क्रांति में उसका एक स्थान है। भारतीय इतिहास महाभारत से जुड़ा है जिसे अब हरियाणा कुरुक्षेत्र भूमि कहा जाता है। जहां सही और गलत के बीच सबसे बड़ी लड़ाई हुई। यह दिलचस्प है कि हरियाणा कई युद्ध दृश्यों के लिए एक युद्ध का मैदान रहा है। हरियाणा का गठन 1966 में हुआ था। यह पहले पंजाब का हिस्सा था और इसलिए स्वतंत्रता के लिए स्वतंत्रता संग्राम में पंजाब का बहुत उल्लेख है, लेकिन लोगों के बलिदान के मामले में हरियाणा के योगदान के रूप में बहुत कम जाना जाता है। हरियाणा में ब्रिटिश शासन के खिलाफ विद्रोह की पहली चिंगारी 10 मई 1857 को अंबाला से शुरू हुई थी, यहीं पर देशी पैदल सेना के सैनिकों विद्रोह शुरू किया था। उसी दिन मेरठ स्थित देशी पैदल सेना में इसी तरह का विद्रोह किया, यह घटना तेजी से सभी भागों में फैल गई। किसान सैनिक और स्थानीय नेता पिनगवां के मेव सदरुद्दीन स्थानीय नेताओं जैसे राव तुलाराम और उनके चचेरे भाई गोपाल देव के नेतृत्व में एक साथ आए थे। जल्द ही समद खान, जनरल मोहम्मद अजीम बेग, राव किशन सिंह राव, रामलाल सभी मिलकर अंग्रेजों के खिलाफ विद्रोह में शामिल हो गए।

साधारण, स्थानीय सैनिक और हरियाणा के स्थानीय नेता इस विद्रोह के लिए आगे आये थे, जबकि पड़ोसी क्षेत्रों के नेताओं ने इस महत्वपूर्ण समय के दौरान ब्रिटिश राज के खिलाफ आवाज नहीं उठाई। हरियाणा के अन्य हिस्सों की तरह, रोहतक में भी ब्रिटिश राज के सभी प्रतीकों पर हमला किया और खरखोदा के एक बिसरत अली जो अंग्रेजों में एक रिसालदार थे; सबर खान के साथ एक किसान नेता, स्थानीय लोग सभी एक साथ आए और रोहतक तहसील में ब्रिटिश संपत्ति और निवास पर हमला किया। रोहतक के डिप्टी कमिश्नर विलियम लॉज को रोहतक छोड़ना पड़ा लेकिन तहसीलदार बखावर सिंह और थानेदार भूरे खान के काम की मौत हो गई।

अंत में 15 अगस्त 1857 को मेजर जनरल विल्सन द्वारा समर्थित लेफ्टिनेंट डब्ल्यूएसआर एडसन अपनी सेना के साथ खखोड़ा पहुंचे और संघर्ष में बिसरथ अली मारे गए। फिर वे रोहतक जिले में सबर खान को दबाने पहुंचे जो वहां विद्रोह का नेतृत्व कर रहे थे। सबर खान और रोहतक के स्थानीय किसानों के पास सीमित संसाधन थे, अंततः रोहतक में वो हार गए, जबकि इसी दौरान हिसार, हांसी और सिरसा के स्थानीय लोगों ने हुकुमचंद जैन, भतीजा फकीरचंद जैन ,मोहम्मद अजीम ,नूर मोहम्मद सभी ने मिलकर 29 मई 1857 को विद्रोह का नेतृत्व किया, उन्होंने हिसार के डिप्टी कमिश्नर सहित 12 यूरोपीय लोगों को मार डाला।

इसमें हिसार के के डिप्टी कमिश्नर जॉन वेडरबर्न अपनी पत्नी और बच्चे के साथ मारे गए। ब्रिटिश राज के खिलाफ विद्रोह के दौरान अंबाला, जींद के अलावा हरियाणा के अधिकांश शेष क्षेत्रों में अंग्रेजों को राजस्व देना बंद कर दिया। हालांकि 16 नवंबर तक यहाँ विद्रोह समाप्त हो गया और अंग्रेजों ने खुद को मजबूत किया। 10 अप्रैल 1875 के बाद हरियाणा में आर्य समाज जड़ें जमाने लगा, स्वामी दयानंद ने मुंबई में आर्य समाज की शुरुआत की। आर्य समाज ने मूर्ति पूजा के खिलाफ आवाज उठाई। विधवा विवाह, अस्पृश्यता और स्त्री शिक्षा पर जोर दिया। आर्य समाज को हरियाणा के लोगों से ऐसे क्षण में बहुत समर्थन मिला। जो न केवल मधुर जागरण था बल्कि राष्ट्रीय विचार को भी जन्म देता था। इसका ब्रिटिश राज के खिलाफ बाद के उदय में एक बड़ा प्रभाव पड़ा। लाला लाजपत राय ने हरियाणा में सार्वजनिक जीवन की शुरुआत की। उनके पिता ने रोहतक में स्कूल बनवाया और लाला लाजपत राय ने आर्य समाज को एक प्रमुख तरीके से बढ़ावा दिया। कई अन्य प्रमुख नाम थे जिन्होंने योगदान दिया जैसे चौधरी मातूराम और उसके पुत्र चौधरी रणवीर सिंह।

हरियाणा में 1886 में झज्जर में सनातन धर्म सभा दीन दयालू शर्मा द्वारा शुरू किया गया। संस्कृत के उपयोग को बढ़ावा दिया और हिंदी भाषा की शिक्षा को बनाए रखा। इस आंदोलन से जुड़े अन्य महत्वपूर्ण नाम स्वामी श्रद्धानंद चौधरी, माथुराम, भगत फूल सिंह, भीम सिंह थे। जो विभिन्न सामाजिक बुराइयों के खिलाफ थे। हरियाणा में सामाजिक मूल्यों के विकास में सनातन धर्म ने अहम योगदान दिया। 1885 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का जन्म एलेन ऑक्टेविय एक ब्रिटिश सिविल सेवक के प्रयासों से हुआ। मगर वो शिक्षित भारतीयों और आम आदमी दोनों के साथ अपनी संस्था में नहीं बढ़ रहा था। प्रथम विश्व युद्ध के साथ अंग्रेजों ने समर्थन के लिए स्थानीय भारतीयों की ओर रुख किया और भारत ने ब्रिटिश साम्राज्य की ओर से युद्ध के लिए हामी भर दी।

हरियाणा फिर से इस मामले में पहले स्थान पर था। जनवरी 1915 और नंबर 1918 के बीच दिल्ली, झज्जर, रेवाड़ी और भिवानी में भर्ती केंद्रों से 84000 सैनिक भर्ती हुए और कांग्रेस इस उम्मीद में अंग्रेजों के लिए समर्थन की पेशकश करती रही कि ब्रिटिश 1918 में भारत को डोमिनियन का दर्जा देंगे, लेकिन ब्रिटिश रॉलेट एक्ट बिल के साथ सामने आए और मोंटेग्यू चैंप्स फॉर रिफॉर्म बिल पूरे भारत में भारतीय लोगों के लिए जी का जंजाल बन गया। 1918 में अप्रैल 6 से 10 तक गुड़गांव, बल्लभगढ़, झज्जर, रोहतक, सोनीपत, रेवाड़ी, पानीपत, अंबाला और जगाधरी में जोरदार हड़ताल हुई। लेकिन 13 अप्रैल 1990 को अमृतसर में जलियांवाला बाग हत्याकांड ने पूरे राष्ट्र को पूर्ण आज़ादी के आह्वान पर ला दिया। हरियाणा में असहयोग आंदोलन स्वतंत्रता के लिए जमीन हासिल कर रहा था, हरियाणा के कई युवा नागरिक जो जगह-जगह पढ़ रहे थे जैसे दिल्ली और लाहौर ने स्वतंत्रता आंदोलन में कूदने के लिए शिक्षा छोड़ दी। देशबंधु गुप्ता (पानीपत) लाला जानकीदास, पंडित रामफुल सिंह, रोहतक लाला अयोध्या प्रसाद दादरी, चंद्रसेन वशिष्ठ गुड़गांव इस सूची में शामिल होने वाले कई नामों में शामिल थे। अंग्रेजों के खिलाफ जवाला बढ़ रही थी और प्रत्येक बीतते दिन के साथ अंग्रेजों को यह एहसास होने लगा कि भारत पर शासन करना कठिन होता जा रहा है।

द्वितीय विश्व युद्ध में अंग्रेजों का भयानक नुकसान हुआ। आखिरकार अंग्रेजों ने भारत को औपनिवेशिक शासन से मुक्त करने का फैसला किया। लेकिन स्वतंत्रता हमें हिंदू और मुसलमानों के बीच संघर्ष की भयानक कीमत पर मिली। जिसके कारण अंततः पाकिस्तान का गठन हुआ। हमें उस बलिदान को कभी नहीं भूलना चाहिए जो हमारे पूर्वजों और नेताओं ने, वृद्ध, महिलाओं और बच्चों ने ब्रिटिश शासन को समाप्त करने के लिए किया है। वे सामूहिक योगदान हैं जो आज हमें स्वतंत्र रूप से और सम्मान के साथ जीने की इज़ाज़त देते हैं और यह एक विरासत है जिसे हमें एक साथ मिलकर अगली पीढ़ी को देना चाहिए।

नीतीश, लालू 48 साल से निभा रहे दोस्ती-दुश्मनी

1970 के दशक के आखिरी दिनों की बात है। छात्र नेता के तौर पर नीतीश कुमार काफी पॉपुलर हो चुके थे। एक शाम आम दिनों की तरह पटना के कॉफी हाउस में नीतीश कुछ लोगों के साथ बैठे थे। चर्चा छिड़ी कि जिस उम्मीद से कर्पूरी ठाकुर मुख्यमंत्री बने थे, वो पूरी नहीं हो पा रही है। इस दौरान पत्रकार सुरेंद्र किशोर ने कहा कि क्या बिहार को एक अच्छा मुख्यमंत्री नहीं मिलने वाला? इतना सुनते ही नीतीश ने टेबल पर एक मुक्का मारा और बोले- 'एक दिन मैं बिहार का मुख्यमंत्री बनूंगा और मैं बिहार में सब ठीक कर दूंगा।' इस घटना को करीब 45 साल हो चुके हैं। आज नीतीश कुमार 8वीं बार बिहार के मुख्यमंत्री पद की शपथ लिए हैं।

नीतीश कुमार का जन्म एक मार्च 1951 को नालंदा के कल्याण बिगहा गांव में हुआ था। पिता राम लखन बाबू स्वतंत्रता सेनानी थे और फिर कांग्रेसी नेता बन गए। वो नीतीश को प्यार से मुन्ना बुलाते थे। मुन्ना ने पटना के बिहार कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग से बी.टेक की पढ़ाई की। उस दौर में इंजीनियरिंग की पढ़ाई बड़ी बात थी, इसलिए गांव के लोग उन्हें इंजीनियर बाबू बुलाने लगे। इंजीनियरिंग कॉलेज में नीतीश के क्लासमेट रहे अरुण सिन्हा ने अपनी किताब 'नीतीश कुमारः द राइज ऑफ बिहार' में लिखा- 'कॉलेज के दिनों में नीतीश कुमार राज कपूर की फिल्मों के दीवाने थे। उन्हें 150 रुपए की स्कॉलरशिप मिला करती थी, जिससे वो हर महीने किताबें-मैगजीन खरीद लाते थे।' पढ़ाई पूरी होते ही नीतीश कुमार ने बिहार बिजली विभाग में नौकरी ज्वाइन कर ली। हालांकि इस नौकरी में उनका मन नहीं लग रहा था। दरअसल, पढ़ाई के दौरान नीतीश ने छात्र नेता के तौर पर अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत कर दी थी। उनका मन वहीं रमता था।

पटना के मगध महिला कॉलेज में नीतीश के पड़ोसी गांव सियोधा की एक लड़की पढ़ती थी। नाम था- मंजू कुमारी सिन्हा। एक दिन किसी कॉमन फ्रेंड के जरिए दोनों की मुलाकात हुई। धीरे-धीरे दोस्ती प्यार में बदल गई और दोनों ने शादी का फैसला किया। मंजू के पिता को जाति की वजह से ऐतराज था। मंजू ने समझाया कि लड़का इजीनियर है तो वो नीतीश के घर रिश्ता लेकर पहुंचे।

जब बिहार में जाति के नाम पर लोग खून-खराबे के लिए तैयार हो जाते थे। तब नीतीश ने जाति के बंधन को तोड़ मंजू से प्यार किया और फिर उसी से शादी की थी। घरवालों ने मिलकर 22 हजार रुपए दहेज पर रिश्ता तय कर लिया। नीतीश को दहेज की बात पता चली तो वो पटना से भागे-भागे पहुंचे। उन्होंने अपने पिता से साफ कहा कि वो मंजू से शादी करना चाहते हैं, लेकिन इस शादी में न तो

दोस्ती का दौर

कोई दहेज होगा न कोई बड़ा समारोह।

ये बात जब नीतीश के होने वाले ससुर को पता चली तो वो भी हैरान रह गए। उन्होंने कहा कि हमें आंदोलनकारी लड़का नहीं चाहिए। नीतीश कुमार ने धर्मयुग पत्रिका को दिए एक इंटरव्यू में अपनी आत्मबीती सुनाई तो साहित्यकार फणीश्वरनाथ रेणु बहुत प्रभावित हुए। रेणु ने इतने अच्छे विचार रखने वाले नीतीश से अपनी बेटी की शादी का प्रस्ताव रख दिया था। हालांकि नीतीश और मंजू के प्यार के सामने दोनों परिवारों को झुकना पड़ा। 22 फरवरी 1973 में नीतीश कुमार ने अपनी प्रेमिका मंजू कुमारी सिन्हा से कोर्ट मैरिज की। ये किस्सा पत्रकार और लेखक संकर्षण ठाकुर ने अपनी किताब 'द ब्रदर्स बिहारी' में लिखा है।

जब इंदिरा गांधी ने इमरजेंसी लगाकर लोकतंत्र का गला घोंट दिया था। उस वक्त जेपी पटना में लोकतंत्र को बचाने के लिए एक बड़े आंदोलन की तैयारी कर रहे थे। इस वक्त उनके साथ लालू, रामविलास, नीतीश समेत बिहार के कई युवा छात्र नेता थे।

1974 से 1977 के दौरान बतौर छात्र नेता नीतीश कुमार ने एंटी-इमरजेंसी मूवमेंट में हिस्सा लिया, जिसका नेतृत्व जयप्रकाश नारायण कर रहे थे। उन्होंने 19 महीने जेल में भी बिताए। 1985 में नीतीश पहली बार बिहार विधानसभा का चुनाव जीते। 1987 में युवा लोकदल के प्रेसिडेंट बनाए गए। 1987 से 1989 के बीच बिहार में जनता पार्टी के जनरल सेक्रेटरी भी रहे। 1994 में नीतीश कुमार ने जनता दल छोड़ दी और जॉर्ज फर्नांडिस के साथ मिलकर समता पार्टी का गठन किया। 1996 में समता पार्टी बीजेपी के साथ एनडीए का हिस्सा बनी। 1998 से 2004 के बीच अटल सरकार में नीतीश रेलवे, ट्रांसपोर्ट और एग्रीकल्चर मंत्रालय संभाला। नीतीश 3 मार्च 2000 को बीजेपी की अगुआई वाले एनडीए के समर्थन से पहली बार बिहार के मुख्यमंत्री बने। लेकिन बहुमत साबित नहीं कर पाने की वजह से 7 दिन बाद ही 10 मार्च को उन्हें इस्तीफा देना पड़ा। तब एनडीए ने 151 सीटें और लालू की आरजेडी ने 159 सीटें जीती थीं, लेकिन दोनों ही बहुमत के लिए जरूरी 163 सीटों से दूर रह गए थे।

नीतीश कुमार की समता पार्टी ने 2003 में शरद यादव की जनता दल के साथ अपना विलय कर लिया। हालांकि नीतीश ने बीजेपी के साथ अपना गठबंधन जारी रखा। इस विलय से जनता दल यूनाइटेड का गठन हुआ, जिसके मुखिया बने नीतीश कुमार।

नीतीश ने 2005 विधानसभा चुनावों में बीजेपी और उसके सहयोगी दलों के साथ मिलकर चुनाव लड़ा और पूर्ण बहुमत हासिल करते हुए 24 नवंबर 2005 को दूसरी बार बिहार के मुख्यमंत्री बने। नीतीश ने बीजेपी गठबंधन के साथ मिलकर 5 साल तक सरकार चलाई। नीतीश और बीजेपी का गठबंधन 2010 विधानसभा चुनावों में भी जारी रहा और चुनावों में बहुमत हासिल करते हुए 26 नवंबर 2010 में नीतीश तीसरी बार बिहार के मुख्यमंत्री बन गए।

बीजेपी से अलग होने के बाद 2013 में नीतीश ने आरजेडी और कांग्रेस के साथ मिलकर महागठबंधन बनाया। लेकिन कुछ ही महीनों बाद मई 2014 में इस्तीफा दे दिया। तब करीब 6 महीनों के लिए जीतनराम मांझी मुख्यमंत्री बने। फरवरी 2015 में विधानसभा चुनावों से कुछ समय पहले मांझी की जगह नीतीश चौथी बार बिहार के मुख्यमंत्री बन गए। नीतीश ने 2015 का विधानसभा चुनाव आरजेडी और कांग्रेस से हाथ मिलाकर महागठबंधन बनाकर लड़ा। महागठबंधन ने 243 में से 178 विधानसभा सीटें जीती और 20 नवंबर 2015 को पांचवीं बार बिहार के सीएम बन गए। लालू के बेटे तेजस्वी यादव डिप्टी सीएम बने। 2017 में करप्शन के नाम पर राजद से किनारा, फिर से बीजेपी का हाथ थामा। 9 अगस्त 2022 को एकबार फिर बीजेपी को गच्चा देते हुए आरजेडी के साथ मिलकर सरकार बना ली।

स्वर्ण जयंती से भी बढ़कर है आजादी का अमृत महोत्सव

डॉ उमेश प्रताप वत्स

देश में अभी 15 अगस्त यानि स्वतंत्रता दिवस के कार्यक्रमों हेतु तैयारी की धूम है। बाजार तिरंगे झंडों एवं स्वतंत्रता दिवस पर प्रयोग में लायी जाने वाली वस्तुओं से पटा पड़ा है। यद्यपि देशभर में चहूं ओर स्वतंत्रता दिवस की तैयारियां चल रही हैं किंतु इस बार का कार्यक्रम आजादी के 75 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर अमृत महोत्सव समारोह के कारण कुछ खास है, विशेष है। शिक्षण संस्थानों में विशेषरूप से विद्यार्थी जोर-शोर से सांस्कृतिक प्रेरणादायी कार्यक्रमों के अभ्यास रिहर्सल में मेहनत व लगन से लगे हुए हैं। 15 अगस्त 2022 को भारत अपना 76वां स्वतंत्रता दिवस मना रहा है अर्थात भारत को स्वतंत्र हुए 75 वर्ष पूर्ण हो रहे हैं।

इस बाबत देश के कोने-कोने में आजादी के अमृत महोत्सव को लेकर तैयारियां जोरों पर है। आजादी से पहले भारत ब्रिटेन का एक उपनिवेश मात्र था। ब्रिटिश शासनकाल के दौरान भारतीयों को काफी अत्याचारों, भेदभाव, अराजकता का सामना करना पड़ा जिसमें अंग्रेजी शासन द्वारा भारतीयों के प्रति अपनाया जा रहा तिरस्करणीय व्यवहार सालता रहता था। भारतीयों के अपने ही देश में नर्क से भी अधिक बुरे हालात थे। हालांकि यह आजादी हमें इतनी आसानी से नहीं मिली। आजादी के मार्ग पर चलते हुए न जाने कितने ही स्वतंत्रता सेनानी वीरगति को प्राप्त हुए। ऐसे में भारत में पैदा होने वाले सभी लोगों को इस बात पर गर्व करना चाहिए कि उनका जन्म वीरों की भूमि भारतवर्ष में हुआ है। हम स्वतंत्र भारत में जन्में हैं क्योंकि हमारे स्वतंत्रता सेनानियों व पूर्वजों ने इसके लिए अपने प्राणों की आहूति दी है।

आजादी मिलने के बाद डॉ राजेन्द्र प्रसाद जी की अध्यक्षता में भारतीय संविधान का निर्माण किया गया। इसमें हर भारतीय को कुछ मौलिक अधिकार मिले जो सभी के लिए जाति-धर्म से ऊपर एक समान हैं। हमें भारतीय होने पर गर्व का अनुभव होता है क्योंकि हम स्वतंत्र भारत में जन्में हैं, पोषित हो रहे हैं।

15 अगस्त 2022 को भारत अपना 76वां स्वतंत्रता दिवस भव्य तरीके से एवं धूमधाम से मनाये इसके लिए की तैयारी शहर-शहर, गाँव-गाँव में तिरंगा रैली निकाली जी रही है। प्रभात फेरियां निकाली जा रही हैं। साइकिल से लेकर बड़ी गाड़ियों तक ड्राइवर तिरंगा लगाकर चल रहे हैं। ऑटो रिक्शा, ट्रक ड्राइवर भी तिरंगा लगाकर चल रहे हैं। सुदूरवर्ती क्षेत्रों में भी लोगों में होड़ लगी है कि किसकी छत पर सबसे ऊँचा झंडा लहराये। कहीं तिरंगा साइकिल रैली निकल रही है, कहीं तिरंगा बाइक रैली निकाली जा रही है। पूरा देश तिरंगामय हो गया है, सब ओर तीन ही रंग केसरिया, सफेद और हरा दिखाई दे रहे हैं। पूरे देश में तिरंगा ही तिरंगा है बस! तिरंगा ही तिरंगा।

स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद ऐसा तिरंगामय वातावरण कभी नहीं देखा गया। ना स्वतंत्रता की रजत जयंती पर ना ही स्वतंत्रता की स्वर्ण जयंती पर। यह अद्भुत है, शोभनीय है, भावनात्मक है, आन्नद प्रदान करने वाला है। भारत के गौरवशाली दिवस पर भारत के गौरव दिल्ली के लाल किले से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हर बार की तरह तिरंगा झंड़ा फहराएंगे किंतु इस बार झंड़ा फहराने का कुछ अलग ही अंदाज होगा, कुछ अलग ही छटा होगी। वहीं राष्ट्रपति द्वारा देश के नाम संबोधन किया जाएगा। देश के सभी विद्यालयों, महाविद्यालयों, व्यवसायिक केंद्रों, कोचिंग सेंटर, अकादमी, उद्योगों, मंदिर, धर्मशालाओं आदि में आजादी का 75 वाँ अमृत महोत्सव दिल से मनाया जा रहा है और इसके लिए अनेक कार्यक्रमों का आयोजन कर तिरंगा फहराया जा रहा है। दिल्ली में होने वाले आजादी के इस अमृत महोत्सव को लाइव देखने के लिए बड़ी-बड़ी सक्रीनों का प्रबंध किया जा रहा है।

हालांकि यह आजादी हमें इतनी आसानी से नहीं मिली। आजादी के मार्ग पर चलते हुए न जाने कितने ही स्वतंत्रता सेनानी वीरगति को प्राप्त हुए। अतः भारत में पैदा होने वाले सभी लोगों को इस बात पर गर्व करना चाहिए कि उनका जन्म वीरों की भूमि भारतवर्ष में हुआ है। हम स्वतंत्र भारत में जन्में हैं क्योंकि हमारे स्वतंत्रता सेनानियों व पूर्वजों ने इसके लिए अपने प्राणों की आहूति दी हैं।

1857 की क्रांति के बाद अंग्रेजी हुकूमत ओर अधिक निर्दयी, निरंकुश हो गई थी। क्रांतिकारियों को कुचलने के लिए निरंतर दमनकारी कार्रवाई कर रही थी। 1947 में देश की आजादी तक भारतीय इतिहास में कई ऐसे किस्से और कहानियां हैं जो भारतीयों पर हुए अत्याचार को बयाँ करते हैं किंतु हमारे वीर क्रांतिकारी इन अत्याचारों से बिना डरे, बिना घबराये अंग्रेजों के विरुद्ध निरंतर संघर्ष करते रहे जिसके फलस्वरूप ही हम स्वतंत्र हो पायें और आज खुली हवा में सांस ले रहे हैं।

कुत्ते भौंके हजार

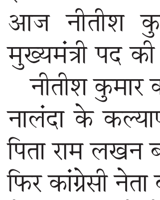

सुरेश कुमार मिश्रा

कभी बाजार से हाथी गुजरता था। आजकल शेर गुजर रहा है। हालांकि भौंकने वाले तब भी कुत्ते थे। आज भी कुत्ते हैं और यही हाल रहा तो आगे भी कुत्ते ही रहेंगे। इन कुत्तों में भी कुछ ऐसे हैं जो ऊपर से सुफेदी और भीतर से धूर्तता का चोला ओढ़े आए दिन बाजार से गुजरने वालों पर बेमतलब के भौंकते रहते हैं। हाँ तो इस बार हाथी की जगह शेर गुजर रहा था। कुत्ते अपने सहज स्वभाज के अनुरूप उस पर टिपियाना चाहते थे। शेर तो शेर है, हाथी तो नहीं कि पास में आए कुत्तों के प्रति शाकाहारी बन जाए। स्वभाव और काम में राजा दिखने वाले भौंकने वाले कुत्तों को देखकर दुबकना अपनी प्रतिष्ठा के विरुद्ध समझते हैं। शेर का गुण है दहाड़ना, ललकारना, समय स्फूर्ति दिखाना न कि चुपचाप एक कोने में कुत्तों की तरह दुबक कर बैठ जाना। कुत्तों को यह साफ पता था कि शेर के रेडियस में घुसेंगे तो वह हमें अपने एक पंजे से अपना शिकार बना लेगा। इसलिए सभी कुत्तों ने निर्णय किया कि एक निश्चित दूरी से शेर पर भौंकेंगे। भौंकने का सिलसिला आरंभ हुआ।

एक कुत्ते ने भौंका – अरे यह देखो इसका जबड़ा तो खुला हुआ है! हमारे जमाने के शेर एकदम गाय होते थे गाय! यह भी भला कोई शेर है। दूसरे ने भौंका – हाँ-हाँ तुम सही कहते हो। हमारे जमाने के शेर एकदम बिल्ली की तरह एक कोने में चुपचाप पड़ा रहता था। इसका आकार तो देखो। खा-पीकर बड़ा बलिष्ठ बन बैठा है। तीसरे ने भौंका – अरे उसके नाखून तो देखो। छी-छी कितने गंदे लग रहे हैं। भला कोई इतने लंबे नाखून रखता है। नाखून तो एकदम रुई की तरह होने चाहिए।

चौथे ने भौंका – अरे उसके सिर के बालों पर तो नजर डालो। कितने घने हैं। भला सभ्य समाज में कोई ऐसे बाल कैसे रख सकत है! यहाँ तो शरीफ लोग रहते हैं, ऐसो का यहाँ क्या लेना-देना?सबके टिपियाने के बाद शेर ने एक जोरदार दहाड़ लगाई। जंगल थरथरा उठा। फिर उसने कहा – जब से मैं देख रहा हूँ तुम लोग ऊटपटांग बातें किए जा रहे हो। कभी गाय, कभी बिल्ली, कभी कुछ, कभी कुछ टिपियाये जा रहे हो। तुम्हारी इन्हीं हरकतों ने मेरे दादा का खुद से विश्वास उठ गया कि वे भी कभी शेर हुआ करते थे। आज भी तुम लोग वही हरकतें कर रहे हो।

लेकिन मैं अपने दादा की तरह नहीं हूँ। मैं यहाँ आने से पहले हाथी के पास गया था। उसने मुझे बताया कि ये बाजार के कुत्ते भौंक-भौंक कर सामने वाले का आत्मविश्वास खत्म कर देते हैं।

रक्षाबंधन पर भद्राकाल की छाया

बांधने का शुभ मुहूर्त

रक्षाबंधन के पर्व पर इस बार कई शुभ मुहूर्त बन रहे है। ज्योतिष जानकारों के अनुसार 11 तारीख के दिन सुबह 11 बजकर 37 मिनट से 12 बजकर 29 मिनट तक अभिजीत मुहूर्त रहेगा। इसके बाद दोपहर 02 बजकर 14 मिनट से 03 बजकर 07 मिनट तक विजय मुहूर्त होगा। प्रदोष काल का मुहूर्त 11 अगस्त 2022 को रात के 08 बजकर 52 मिनट से 09 बजकर 14 मिनट रहेगा। जिसे राखी बांधने के लिए सबसे शुभ समय माना जा रहा है।

रक्षा बंधन के दिन 11 अगस्त को शाम 5 बजकर 17 मिनट से भद्रा पुंछ शुरू हो जाएगा, जो कि शाम 6 बजकर 18 मिनट तक रहेगा। इसके साथ ही शाम 6 बजकर 18 मिनट से रात 8 बजे तक भद्रा मुख रहेगी तथा रात 8 बजकर 51 मिनट पर भद्रा छाया पुरी तरह समाप्त हो जाएगी।

सावन के पूर्णिमा तिथि के दिन इस बार रक्षाबंधन पड़ने जा रहा है। इस बार रक्षाबंधन 11 अगस्त को पड़ रहा है। इस बार रक्षाबंधन पर भद्रा का साया रहने वाला है। ज्योतिष के जानकारों के अनुसार भद्रा में राखी नहीं बांधनी चाहिए। इतना ही नहीं भद्रा में कोई शुभ या मांगलिक कार्य नहीं करना चाहिए। अगर भद्रा में कोई शुभ कार्य किया जाता है तो उसका परिणाम अशुभ ही होता है।

भद्रा काल पंचांग की गणना

सावन के पूर्णिमा तिथि के दिन इस बार भद्रा काल रहने वाला है। वहीं इस दिन रक्षाबंधन भी आ रही है। रक्षाबंधन 11 अगस्त के दिन पूर्णिमा तिथि सुबह 10 बजकर 38 मिनट में शुरू होगी जो 12 अगस्त को सुबह 07 बजकर 05 मिनट तक रहेगा। जिसके चलते कई जगह पर 11 और 12 अगस्त को रक्षाबंधन मनाया जाएगा।

भद्रा में क्यों नहीं बांधनी चाहिए राखी

भद्रा काल में राखी नहीं बांधनी चाहिए। भद्रा में राखी नहीं बांधने को एक पौराणिक कथा है। जिसमें बताया गया है कि भद्रा में भी लंकापति रावण की बहन सूर्पणखा ने उनके कलाई पर राखी बांधी थी। जिसके चलते रावण का एक वर्ष के अंदर ही विनाश हो गया था। ऐसा कहा जाता है कि भद्रा को शनिदेव की बहन थी। जिसे ब्रम्हा जी ने श्राप दिया था कि अगर कोई भी भद्रा में शुभ या मांगलिक कार्य करेगा उसका परिणाम अशुभ होगा होगा। जिसके चलते ही भद्रा में राखी नहीं बांधने की सलाह दी जाती है।

रक्षाबंधन पर बहन को कौन सा दें उपहार जिससे खुल जाए भाग्य

रक्षाबंधन के पर्व पर बहन के टीका करने और राखी बांधने के बाद भाई उन्हें उपहार भी देते हैं, पर उनके मन में दुविधा होती है कि दें तो क्या दें जिससे मेरी बहना खुश हो जाए। इस लेख में हम भाइयों के इसी असमंजस को दूर करेंगे। जानिए किस राशि के भाई को अपनी बहन को कौन सा उपहार देना चाहिए।

मेष – इस राशि के लोगों की बहन अगर छोटी है तो उसे खेलकूद से संबंधित सामान देना सबसे अच्छा रहेगा। मगर बहन बड़ी है, तो उन्हें इलेक्ट्रॉनिक चीज देनी चाहिए जो उनकी सेहत से संबंधित हो जैसे स्मार्ट वॉच ताकि अपनी हेल्थ को ट्रैक कर तंदुरुस्त रहें।

वृष – वृष राशि के लोगों को अपनी बहन को प्रसन्न करने के लिए अच्छी सी पेंटिंग या घर की सजावट से संबंधित वस्तु देनी चाहिए। बहन यदि छोटी है और पढ़ाई करती हो, तो उन्हें किताबें भी दी जा सकती है।

मिथुन – इस राशि के लोगों को ग्रीन शेड के कपड़े देने चाहिए, बहन यदि शादी शुदा हो तो होम एप्लाइंस से से जुड़ी हुई चीजें दे सकते हैं।

कर्क – कर्क राशि वालों को अपनी बहन को यात्रा से जुड़ी हुई चीजें देनी चाहिए इसमें फुटवियर भी शामिल हैं। इसके अलावा हाथ में धारण करने वाली चीजें भी दी जा सकती है जैसे किसी भी प्रकार का बैंड, घड़ी, अंगूठी, कंगन, चूड़ी आदि।

सिंह – इस राशि वालों को खाने पीने की ऐसी वस्तु देनी चाहिए जो उन्हें पसंद भी हो या फिर खाने पीने में प्रयोग होने वाली चीज है जैसे क्रॉकरी सेट आदि।

कन्या – कन्या राशि के लोगों को अपनी बहन के लिए इलेक्ट्रॉनिक का सामान देना चाहिए, अगर बहन स्कूल जाती है तो उनको बैग, लंच बॉक्स और पेन आदि दिए जा सकते हैं।

तुला – इस राशि वालों को अपनी बहन को कलरफुल पेंटिंग देनी चाहिए। अगर बहन छोटी है तो उन्हें कलर्स दिए जा सकते हैं ताकि वह पेंटिंग कर सकें।

वृश्चिक – वृश्चिक राशि वाले बहन को वह वस्तु दें, जिसकी उसे बहुत जरूरत हो ऐसे में उनसे पूछ लेना चाहिए कि उन्हें किस चीज की जरूरत है, साथ में मिठाई अवश्य दें।

धनु – इस राशि वालों को कम्युनिकेशन से जुड़ी चीजें देनी चाहिए जैसे मोबाइल फोन, ईयर फोन आदि। यदि बहन शहर से बाहर रहती हों तो उनसे मिलने अवश्य जाएं।

मकर – मकर राशि वाले बहन को यादगार चीजों को रखने से संबंधित वस्तु दें, जैसे फोटो एल्बम, फोटो फ्रेम, कैमरा आदि जितनी एंटीक चीजें हों उतना अच्छा होगा।

कुंभ – कुंभ राशि वाले सर्वप्रथम अपनी बहन की सुख-सुविधाओं का ध्यान रखें यदि उन्हें आने में कोई दिक्कत हो रही हो तो उनकी आने की व्यवस्था कराएं। धर्म से जोड़ने वाली कोई चीज दे सकते हैं जैसे धार्मिक पुस्तक। धार्मिक यात्रा की ट्रिप दे सकते हैं।

मीन – मीन राशि वाले बहन को मनपसंद उपहार दें या फिर वह जिस चीज की डिमांड कर रही हो तो अवश्य देना चाहिए। बहनों को सपोर्ट करना चाहिए। सुंदर वस्त्र भी उपहार में दे सकते हैं।

6-7 दिन पहले बारिश की भविष्यवाणी कर देता है यह मंदिर

इसे किसने बनाया, नहीं जानता कोई

उत्तर प्रदेश के कानपुर स्थित बेहटा गांव में भगवान जगन्नाथ का एक मंदिर स्थित है। यह भीतरगांव विकासखंड से महज 3 किलोमीटर की दूरी पर है। यह मंदिर काफी मशहूर है और यहां दूर-दूर से लोग दर्शन करते आते हैं। आसपास के लोग इस मंदिर से जुड़े कई रहस्य बताते हैं।

भारत रहस्यों से भरा देश है। यहां अलग-अलग राज्यों में कई ऐसे मंदिर हैं जो अपने में ऐसे रहस्य समेटे हुए हैं जिनका पता आज तक कोई भी नहीं लगा पाया है। इन रहस्यों को देखकर विदेशी भी हैरान हो जाते हैं। रहस्यों से भरे मंदिरों की बात हो और कानपुर के भगवान जगन्नाथ मंदिर की बात न हो ऐसा हो ही नहीं सकता। इस मंदिर का सबसे बड़ा रहस्य बारिश को लेकर इसकी भविष्यवाणी करना है। आइए करते हैं इस मंदिर के दर्शन।

दूर-दूर से दर्शन करने आते हैं लोग

उत्तर प्रदेश के कानपुर स्थित बेहटा गांव में भगवान जगन्नाथ का एक मंदिर स्थित है। यह भीतरगांव विकासखंड से महज 3 किलोमीटर की दूरी पर है। यह मंदिर काफी मशहूर है और यहां दूर-दूर से लोग दर्शन करते आते हैं। बताया जाता है कि यह मंदिर बारिश की भविष्यवाणी पहले ही कर देता है। इस मंदिर के आसपास रहने वाले लोगों का कहना है कि बारिश होने के 6-7 दिन पहले से ही इस मंदिर की छत से पानी की बूंदें टपकने लगती हैं। लोग बताते हैं जिस साइज की बूंद होती है, उसी तरह की बारिश होती है।

मंदिर में है भगवान जगन्नाथ की मूर्ति

इस मंदिर का रहस्य बारिश की भविष्यवाणी करके ही खत्म नहीं होता। लोगों ने बताया कि जैसे-जैसे बारिश खत्म होती जाती है, वैसे-वैसे मंदिर की छत अंदर से पूरी तरह सूख जाती है। यहां के बुजुर्ग कहते हैं कि मंदिर के बारे में आज तक कोई भी ये नहीं बता पाया है कि ये कितने साल पुराना है। मंदिर के अंदर भगवान जगन्नाथ की मूर्ति है। इस मूर्ति में आप भगवान श्री हरि विष्णु के 24 अवतार देख सकते हैं। इन 24 अवतारों में कलियुग में अवतार लेने वाले कल्कि भगवान की भी मूर्ति मंदिर में मौजूद है। इस मंदिर के गुंबद पर एक चक्र लगा हुआ है जिसकी वजह से आज तक मंदिर और इसके आसपास आकाशीय बिजली नहीं गिरी है।

रक्षाबंधन पर थाली में इन चीजों को जरूर करें शामिल वरना आपकी पूजा रह जाएगी अधूरी

रक्षाबंधन का त्योहार भाई-बहन के प्रेम का प्रतीक हैं। इस बार रक्षाबंधन 11 अगस्त को मनाया जा रहा है। इस दिन बहनें भाइयों के कलाई पर राखी बांधते हुए उनकी लंबी उम्र की कामना करती हैं। वहीं, भाई भी बहनों को उपहार देते हुए बहनों की रक्षा का वादा करते हैं। ज्योतिष अनुसार रक्षाबंधन पर भाई को राखी बांधने से पहले उसकी पूजा की जाती। तिलक आदि लगाया जाता है। आइए जानते हैं पूजा की थाली में कौन-सी जी जरूरी है और उसका महत्व।

अक्षत – हिंदू धर्म में पूजा की थाली में अक्षत का भी विशेष महत्व बताया गया है। किसी भी शुभ कार्यों में अक्षत को जरूर शामिल किया जाता है। इसलिए राखी की थाली में अक्षत को जरूर शामिल करें। कहते हैं कि अक्षत पूर्णता का प्रतीक होता है और इसे इस्तेमाल करने से भगवान शिव का आशीर्वाद प्राप्त होता है। इसलिए तिलक करते समय अक्षत अवश्य लगाएं। कहते हैं कि अक्षत लगाने से भाई की आयु लंबी होती है और वे संपन्न रहते हैं।

दीप जलाकर उतारें आरती– कहते हैं कि राखी की थाली में दीप जलाकर आरती उतारें। दीप में अग्निदेवता का वास होता है, जो किसी भी धार्मिक कार्यों में शुभ रहते हैं। दीपक जलाने से नकारात्मकता खत्म होती है। इसलिए राखी बांधने के बाद भाई की आरती उतारें। ऐसा करने से भाई के ऊपर से नकारात्मक प्रभाव खत्म हो जाएगा।

कुमकुम या रोली का तिलक - रक्षाबंधन पर भाई के लिए थाली सजाते समय उसमें कुमकुम या रोली अवश्य शामिल करें। सिंदूर या कुमकम को मां लक्ष्मी का प्रतीक माना गया है। इसलिए कुमकुम को अपनी थाली में जरूर शामिल करें। भाई को सिंदूर का तिलक लगाने से उन पर मां लक्ष्मी की कृपा हमेशा बनी रहती है। साथ ही, पैसों की कोई कमी नहीं होती।

चंदन से शांत होगा मन– ज्योतिष शास्त्र में कहा जाता है कि भाई के मस्तक पर चंदन लगाने से भाई का मन शांत रहता है। चंदन को माथे पर लगाने से भाई को भगवान विष्णु और गणेश जी का आशीर्वाद मिलता है। चंदन लगाने से मन शांत रहता है और भाई धर्म और कर्म के रास्ते से भटके नहीं।

गुरुवार और पूर्णिमा के संयोग में करें श्रीकृष्ण और शिवजी का अभिषेक

आज सावन मास की अंतिम तिथि पूर्णिमा है। जो कि अगले दिन सुबह भी कुछ देर तक रहेगी। लेकिन प्रतिपदा तिथि लगभग पूरे दिन होने से 12 अगस्त को भाद्रपद महीना शुरू हो जाएगा।

शिव पूजा का विधान

शिव पुराण के मुताबिक सावन में शिवजी की पूजा करने का विधान है। ये पूर्णिमा सावन का आखिरी दिन होती है। इसलिए इस दिन भगवान शिव की विशेष पूजा करनी चाहिए। इसके लिए किसी लोटे में पानी, गंगाजल और दूध मिलाकर शिवलिंग पर चढ़ाना चाहिए। इसके बाद बिल्वपत्र, मदार के फूल और धतूरा चढ़ाएं। ये सब करते वक्त ॐ नमः शिवाय मंत्र का जाप करते रहें। इसके बाद शाम को शिव मंदिर में तिल के तेल का दीपक लगाएं।

श्रीकृष्ण की पूजा

दक्षिणावर्ती शंख से भगवान श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप बाल गोपाल का अभिषेक करें। इसके लिए शंख में गंगाजल, केसर और हल्दी मिला दूध भरें। फिर भगवान को चढ़ाएं। अभिषेक के बाद तुलसी पत्र और पीले फूल चढ़ाएं। पीली मिठाई का भोग लगाएं। आखिरी में आरती करें और हो सके तो किसी जरुरतमंद या ब्राह्मण को भोजन करवाएं।

गुरुवार और पूर्णिमा के संयोग में क्या करें

दान देने की परंपरा

सावन महीने की पूर्णिमा पर जरूरतमंद लोगों को खाना खिलाएं। ये न कर पाएं तो अपनी श्रद्धा के अनुसार पैसे और अनाज का दान करें। इस दिन कपड़े, जूते-चप्पल, नमक, तिल या गुड़ का दान भी दिया जाता है। ऐसा

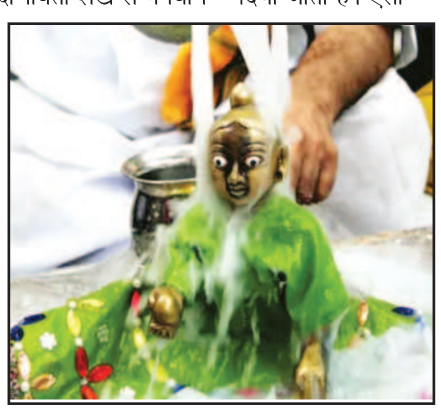

1. इस शुभ योग में भगवान विष्णु और देवी लक्ष्मी की पूजा खासतौर पर करें। विष्णुजी के अवतार भगवान सत्यनारायण की कथा पढ़ें या सुनें। सत्यनारायणजी को केले का भोग लगाएं।

2. पंचदेव यानी शिवजी, गणेशजी, विष्णुजी, देवी मां और सूर्यदेव की पूजा करें। किसी भी शुभ काम में इन पांचों देवताओं की पूजा जरूर की जाती है।
3. अपने इष्टदेव के मंत्रों का जाप करें। इस दिन सुबह और शाम तुलसी में जल चढ़ाएं। फिर घी का दीपक लगाएं और तुलसी की परिक्रमा करें।

डांसिंग क्वीन के नए रूप ने किया हैरान, बोलीं- एक सपना से तंग हो संभल जाओ...

हरियाणा की डांसिंग क्वीन सपना चौधरी किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। सपना के गानों और उनके ठुमकों के हरियाणा ही नहीं पूरे देश में लोग दीवाने हैं। सपना आए दिन सोशल मीडिया पर अपनी तस्वीरें और वीडियो साझा करती रहती हैं, जिन्हें फैंस काफी पसंद करते हैं। कुछ ही देर में सपना के पोस्ट सोशल मीडिया पर वायरल भी होने लगते हैं। हाल ही में सपना ने एक वीडियो साझा किया है, जिसमें उनका अंदाज देख सभी हैरान रह गए।

दरअसल, सपना ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो साझा किया है। इस वीडियो में एक नहीं तीन सपना दिखाई दे रही हैं। ये एक कपड़ों की ट्रांजिशन रील है, जिसमें वह पहले नाइट सूट में नजर आती हैं और फिर वेस्टर्न ड्रेस में दिखाई देती हैं। इसके बाद वह एक तरफ लहंगे में, तो दूसरी ओर साड़ी में नजर आती हैं। तीनों ही लुक में सपना बेहद खूबसूरत लग रही हैं। फैंस को भी सपना का ये अंदाज काफी पसंद आ रहा है।

सपना चौधरी ने वीडियो को शेयर करते हुए मजेदार कैप्शन भी लिखा है। सपना ने हंसने वाली इमोजी के साथ लिखा, 'एक सपना से तंग संभल जाओ दो और आ गई हैं।' इस वीडियो पर फैंस भी कमेंट कर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, 'गजब', तो दूसरे ने लिखा, 'लव यू मैम आप बहुत क्यूट हैं।' वहीं, कुछ यूजर्स सपना के लुक की तारीफ कर रहे हैं, तो कुछ हार्ट इमोजी कमेंट कर रहे हैं। बता दें कि हाल ही में सपना चौधरी का गाना 'दामन' रिलीज हुआ है, जिसे फैंस ने काफी पसंद किया है। इस गाने में सपना के देसी अवतार ने फैंस का दिल जीत लिया था। वहीं, इससे पहले रिलीज हुए गाने 'कामिनी' को भी बढ़िया रिस्पांस मिला था। ज्ञात हो कि सपना चौधरी सलमान खान के शो 'बिग बॉस' का भी हिस्सा रह चुकी हैं।

दो पत्नी-चार बच्चे वाले इस मशहूर सिंगर ने उर्वशी को किया प्रपोज, एक्ट्रेस बोलीं- हमारे बीच...

बॉलीवुड एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला की गिनती मौजूदा समय की सबसे खूबसूरत अभिनेत्रियों में होती है। उनके किलर लुक और फैशन के लाखों दीवाने हैं। सोशल मीडिया पर इसकी झलक देखने को मिलती है। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने मैरिज प्रपोजल के बारे में खुलकर बात की। इस दौरान उन्होंने एक ऐसा खुलासा कर दिया है जिसे जानकर आप हैरान रह जाएंगे।

एक मीडिया को दिए इंटरव्यू में एक्ट्रेस से जब पूछा गया कि क्या कभी उन्हें अजीबोगरीब शादी का प्रस्ताव मिला है? इस पर उर्वशी ने हां में जवाब दिया। एक्ट्रेस ने कहा मिस्त्र एक मशहूर सिंगर ने उन्हें शादी के लिए प्रपोज किया था। लेकिन उन्होंने इनकार कर दिया था। बातचीत के दौरान एक्ट्रेस ने इसके पीछे की वजह भी बताई थी। उन्होंने बताया कि सांस्कृतिक रूप से हमारे बीच काफी अंतर था इसलिए मुझे इस प्रपोजल को रिजेक्ट करना पड़ा। साथ ही एक्ट्रेस ने यह भी बताया कि उस सिंगर की दो पत्नियां और चार बच्चे भी हैं।

उर्वशी ने बताया कि उनका इस तरह के कई प्रस्ताव से सामना हो चुका है, लेकिन ऐसे बड़े फैसलों के लिए बहुत सी चीजों का ध्यान रखना पड़ता है। खासतौर पर महिलाओं को काफी कुछ सोचना पड़ता है क्योंकि यह इतना आसान नहीं है। इस इंटरव्यू में एक्ट्रेस ने उस सिंगर के नाम का खुलासा तो नहीं किया लेकिन उन्होंने यह बात जरूर मानी कि वह मिस्त्र से हैं और उनकी मुलाकात दुबई में हुई थी।

एक्ट्रेस के इस खुलासे के बाद सोशल मीडिया पर लोगों ने सिंगर को लेकर कयास लगाने शुरू कर दिए हैं। एक शख्स ने इस वीडियो पर कमेंट करते हुए मिस्त्र के गायक मोहम्मद रमजान का नाम लिखा है। बता दें कि उर्वशी इस सिंगर के साथ साल 2021 में एक इंटरनेशनल म्यूजिक वीडियो में नजर आ चुकी हैं। इस गाने का नाम वर्सेस बेबी था।

'मैंने उन्हें मैसेज किया', विजय देवरकोंडा ने सारा को डेट करने के सवाल पर दिया ये जवाब

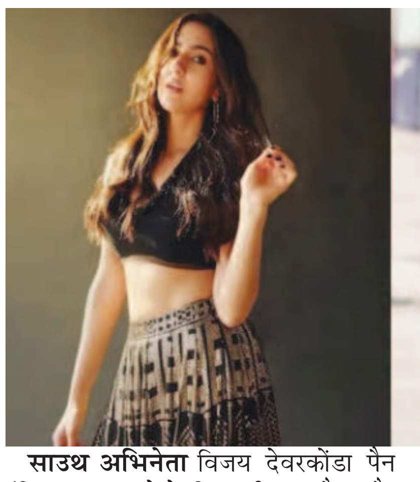

साउथ अभिनेता विजय देवरकोंडा पैन इंडिया स्टार बनने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। अभिनेता अपनी अपकमिंग फिल्म 'लाइगर' का जमकर प्रमोशन कर रहे हैं। इसी बीच अब विजय देवरकोंडा ने सारा अली खान को डेटिंग की बात का जवाब दे दिया है। सारा अली खान 'कॉफी विद करण' के सीजन 7 में जब नजर आई थीं तब अभिनेत्री ने कहा था कि वह विजय देवरकोंडा के डेट करना चाहती हैं। अभिनेत्री की इस बात पर अब विजय देवरकोंडा ने बड़ा ही शानदार जवाब दिया है।

विजय देवरकोंडा ने हाल ही में एक इंटरव्यू दिया है, जिसमें अभिनेता से सारा अली खान के बयान पर उनकी प्रतिक्रिया के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, 'ठीक है, लेकिन मैं एक बेहतर अभिनेता हूं। मैंने उन्हें (सारा) मैसेज किया था। यह बहुत प्यारा है जो उन्होंने ऐसा कहा है।' इस दौरान विजय देवरकोंडा से ये भी पूछा गया कि क्या वह वास्तव में उन्हें डेट करना चाहेंगे, विजय ने कहा, 'मैं रिलेशनशिप शब्द भी ठीक से नहीं कह सकता। मैं एक में कैसे हो सकता हूं?'

बता दें कि सारा अली खान अपनी दोस्त और अभिनेत्री जान्हवी कपूर के साथ 'कॉफी विद करण' में पहुंची थीं। इस दौरान करण ने सारा अली खान से उस अभिनेता का नाम पूछा था, जिस पर सारा अली खान को क्रश है। करण के इस सवाल का जवाब देने से पहले तो सारा मना कर दिया था। लेकिन फिर वह धीरे से विजय देवरकोंडा कहती हैं। सारा अली खान के इस जवाब पर जान्हवी अपनी हंसी नहीं रोक पाई थीं।

बात करें 'लाइगर' की तो इस फिल्म में विजय देवरकोंडा एक फाइटर का किरदार अदा कर रहे हैं और इसी के साथ उनका बॉलीवुड में डेब्यू भी होने जा रहा है। फिल्म में विजय देवरकोंडा और अनन्या पांडे के अलावा एक्ट्रेस सौम्या कृष्णन भी अहम किरदार में हैं।

लड़की सेक्स के लिए कहे तो...मुकेश खन्ना के इस बयान पर मचा बवाल, यूजर्स ने लगाई लताड़

अभिनेता मुकेश खन्ना इन दिनों काफी एक्टिव हैं। वह सोशल मीडिया पर अक्सर किसी न किसी विषय पर अपनी राय रखते रहते हैं। हाल ही में अभिनेता का एक वीडियो वायरल हो रही है, जिसमें वह कुछ ऐसी बातें कह रहे हैं, जिसे सुनने के बाद यूजर्स भड़क गए हैं और अभिनेता को आड़े हाथों ले लिया। दरअसल वीडियो में मुकेश खन्ना कह रहे थे कि 'जो लड़की किसी लड़के को सेक्स के लिए कह रही है, वो धंधा करती है। ऐसी चीजों में लोगों को नहीं पड़ना चाहिए'।

'वो उस लड़की का धंधा है'

शक्तिमान सीरियल पर फिल्म बनाने को लेकर हाल ही में सुर्खियों में आए आए अभिनेता ने आगे कहा कि अगर कोई लड़की किसी लड़के से कहे कि मैं तुम्हारे साथ संबंध बनाना चाहती हूं तो वो उसका धंधा है, क्योंकि कोई सभ्य समाज की लड़की ऐसा नहीं कहेगी। जो लड़की ऐसा कहती है वो निर्लज्ज है, आप उसके पाप में भागीदार मत बनिए।

यूजर्स ने किया ट्रोल

अभिनेता के इस वीडियो पर लोग उनको जमकर लताड़ लगा रहे हैं। एक यूजर ने कहा- ठीक है कूल, अब एक वीडियो बनाओ सभ्य समाज लड़का। वहीं दूसरे ने लिखा रूढ़िवादी सोच कायम रहे। एक और शख्स ने कहा- लड़कों के बारे में कुछ नहीं लिखा। हालांकि ऐसा पहली बार नहीं है, जब अभिनेता ने कोई विवादित बयान दिया हो वह इससे पहले भी दो बार अपने बयानों के जरिए सुर्खियां बटोर चुके हैं।

'मुझे कुछ हुआ तो जिम्मेदार आमिर खान...', 'लाल सिंह चड्ढा' देखने से पहले केआरके ने कह डाली बड़ी बात

खुद को फिल्म क्रिटिक कहने वाले कमाल आर खान उर्फ केआरके बॉलीवुड इंडस्ट्री को हमेशा निशाने पर लेते रहते हैं। केआरके अक्सर हर नई फिल्म का रिव्यू देते हैं, लेकिन वह अपने निगेटिव रिव्यू की वजह से लोगों के निशाने पर भी आ जाते हैं। इन दिनों केआरके बॉलीवुड की दो अपकमिंग फिल्म 'लाल सिंह चड्ढा' और 'रक्षाबंधन' पर लगातार कमेंट कर रहे हैं। बीते दिनों ही उन्होंने आमिर खान के लिए एक ट्वीट किया था, जिसमें केआरके ने अभिनेता को धन्यवाद कहा था क्योंकि उन्हें 'लाल सिंह चड्ढा' की स्क्रीनिंग के लिए बुलाया गया। वहीं, अब फिल्म देखने जाने से पहले कमाल आर खान ने एक और ट्वीट किया है।

केआरके ने अपना यह ट्वीट आमिर खान के लिए किया है, जिसमें उन्होंने बताया है कि अगर उन्हें कुछ भी होता है तो उसकी जिम्मेदारी आमिर खान की होगी। उन्होंने अपने ट्वीट में लिखा, 'कल मेरी जिंदगी का बहुत बड़ा इम्तिहान है। मुझे तीन घंटे लगातार 'लाल सिंह चड्ढा' देखनी है। अगर मेरे साथ कुछ भी गलत होता है तो आमिर खान को उसका जिम्मेदार माना जाएगा! क्योंकि इसके काफी सारे चांज हैं। मैं तीन घंटे का टॉर्चर झेलने की हिम्मत नहीं रखता।'

कुछ समय पहले भी केआरके ने एक और ट्वीट किया है, जिसमें उन्होंने बताया है कि उन्होंने फिल्म देखनी शुरू कर दी है। इस ट्वीट में केआरके ने लिखा है कि अब मेरे भाई आमिर खान द्वारा आयोजित एक विशेष शो में फिल्म लाल सिंह चड्ढा देख रहे हैं!

आमिर खान की फिल्म 'लाल सिंह चड्ढा' 11 अगस्त यानी कल सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। इस फिल्म में आमिर खान और करीना कपूर की जोड़ी दिखाई देगी। साथ ही में साउथ सुपरस्टार नागा चैतन्य भी अहम किरदार में हैं। इस फिल्म के कलेक्शन पर हर किसी की नजर होगी क्योंकि काफी समय से आमिर खान की इस फिल्म का ट्विटर पर बायकॉट हो रहा है। इसके अलावा, अक्षय कुमार की 'रक्षाबंधन' भी इसी दिन रिलीज हो रही है। ऐसे में दो फिल्मों के बीच क्लैश भी देखने को मिलेगा।

पिछले दशक की सबसे बेहतरीन एक्ट्रेस रही हैं आलिया : करीना कपूर

करीना कपूर इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'लाल सिंह चड्ढा' के प्रमोशन में बिजी हैं। प्रमोशन के दौरान एक इंटरव्यू में करीना ने आलिया भट्ट की तारीफ की है। एक्ट्रेस ने कहा कि आलिया पिछले दशक की सबसे फाइनेस्ट एक्ट्रेसेस में से एक हैं। साथ ही उन्होंने 29 साल में आलिया के मां बनने के डिसिजन की भी तारीफ की है।

करीना ने आलिया को बताया बेहतरीन एक्ट्रेस

पिंकविला ने करीना से पूछा कि आपके पास आलिया के लिए इतनी यंग एज में मां बनने को लेकर कोई एडवाइज है। एक्ट्रेस ने कहा, ₹आलिया को एडवाइज की जरूरत नहीं है। मुझे लगता है कि वो पिछले दशक की सबसे बेहतरीन एक्ट्रेस रही हैं। इतनी यंग ऐज में मां बनने का फैसला उनका है और यह अच्छी बात भी है।

यंग ऐज में मां बनने को लेकर आलिया को किया सपोर्ट

करीना ने आगे कहा, वह काफी बहादुर एक्ट्रेस हैं और एक बहादुर इंसान भी हैं। प्रेग्नेंसी एक महिला की लाइफ में बहुत नॉर्मल सी चीज होती है। वो बच्चे के बाद भी अपने करियर में ऐसे ही अच्छा करती रहेंगी, क्योंकि आलिया एक बेहद टैलेंटेड एक्ट्रेस है। इसलिए, आपको खुद में यकीन रखने की जरूरत होती है और यह सबसे महत्वपूर्ण चीज है।

करीना के तीसरी बार प्रेग्नेंसी की अफवाहें भी आई थीं

बता दें, हाल ही में ऐसी अफवाहें आई थीं कि करीना कपूर तीसरी बार प्रेग्नेंट हैं। करीना ने इन अफवाहों पर रिएक्ट करते हुए कहा था कि वो इन सारी खबरों से बिल्कुल भी परेशान नहीं हैं, बल्कि अपनी फोटोशॉप्ड फोटो को देखकर हंसी नहीं रोक पा रही हैं। जिसमें एक्ट्रेस 6 महीने प्रेग्नेंट लग रही हैं। करीना ने मीडिया स्टोरी के जरिए कहा था कि यह सब वाइन और पास्ता की वजह से है।

'लाल सिंह चड्ढा' में नजर आएंगी एक्ट्रेस

करीना कपूर 'लाल सिंह चड्ढा' में आमिर खान के अपोजिट नजर आएंगी। अद्वैत चंदन की निर्देशित फिल्म टॉम हैंक्स स्टारर फॉरेस्ट गंप का हिंदी रीमेक है। आमिर और करीना के अलावा फिल्म में नागा चैतन्य और मोना सिंह भी लीड रोल में हैं।

'वो मुझे जबरदस्ती जंगल में ले जा रहा था...लोग देख रहे थे' : रतन राजपूत

'अगले जन्म मोहे बिटिया ही कीजो' और 'राधा की बेटियां कुछ कर दिखाएंगी' जैसे टीवी शोज में नजर आ चुकी रतन राजपूत पिछले कुछ समय से छोटे पर्दे से दूर हैं लेकिन वह व्लॉग्स के जरिए अपने फैंस संग जुड़ी रहती हैं। हाल ही में रतन राजपूत ने एक नया फोन खरीदा है जिसका जिक्र उन्होंने अपने नए वीडियो में किया है। हालांकि इस फोन की जानकारी देने के साथ उन्होंने अपने साथ हुई एक ऐसी घटना के बारे में भी बताया जिसे जानकर आप हैरान रह जाएंगे।

इस व्लॉग में रतन को नया फोन खरीदते समय की वह घटना याद गई जब उन्होंने अपना सबसे पहला फोन लिया था। एक्ट्रेस ने घटना को याद करते हुए बताया कि यह उस समय की बात है जब मैं दिल्ली में रहा करती थी। उस समय मैं मंडी हाउस में ड्रामा की प्रैक्टिस किया करती थी।

उन्होंने बताया कि एक दिन जब मैं अपनी मां से बात करते हुए मंडी हाउस से लौट रही थी तब अचानक एक लड़का मुझसे जबरदस्ती फोन छीनने लगा। मैं जोर-जोर से चिल्ला रही थी लेकिन वहां आस-पास मौजूद लोग केवल दर्शक बनकर देख रहे थे। एक्ट्रेस ने आगे बताया कि अपने फोन के लिए उन्होंने उस शख्स का बहुत दूर तक पीछा किया।

रतन ने आगे बताया कि उस लड़के का पीछे करते हुए वह काफी आगे तक निकल गई थीं। उस समय करीब साढ़े आठ बज रहे होंगे। तभी वहां एक लड़का पहुंचा। मैंने उससे मदद की गुहार लगाई तो उसने मेरा हाथ जोर से पकड़ लिया और मुझे जगंल की तरफ खींचने लगा। इस दौरान वह कह रहा था 'आ तुझे तेरा फोन दिलाता हूं।' उस भयानक रात को याद करते हुए एक्ट्रेस ने बताया कि मुझे लगा कि आज तो मैं गई। मैं चिल्ला रही थी लेकिन लोग केवल देख रहे थे। रतन ने आगे बताया कि तभी दो लड़के आए और उन्होंने मुझे सही सलामत घर पहुंचाया।

नागा चैतन्य ने किया अपने टैटू को लेकर खुलासा:बोले- ये मेरी और सामंथा की वेडिंग डेट मोर्स कोड में लिखी हुई है

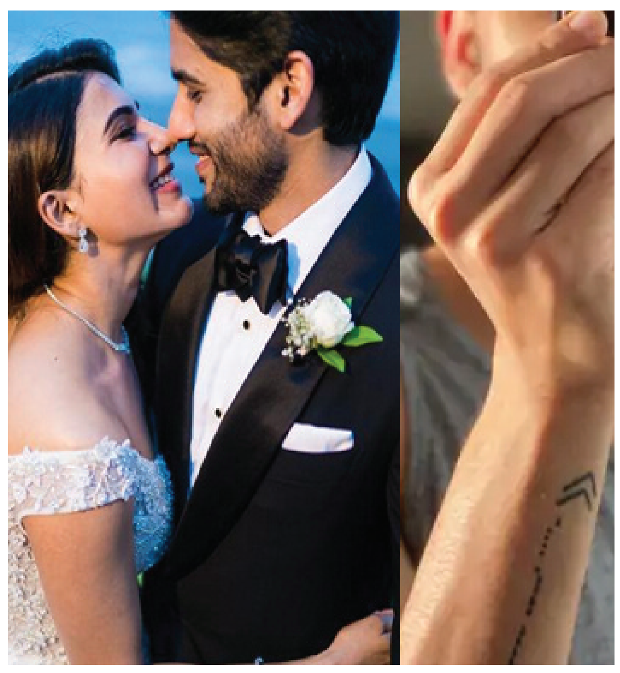

नागा चैतन्य ने हाल ही में अपनी बाजू पर बने टैटू के बारे में खुलासा करते हुए अपने फैंस को इसे कॉपी करने से मना किया है। एक इंटरव्यू में नागा ने बताया कि इस टैटू में उनकी और सामंथा रुथ की वेडिंग डेट मोर्स कोड में लिखी हुई है। साथ ही एक्टर ने कहा कि अलग होने के बाद उन्होंने कभी इस टैटू को हटाने के बारे में नहीं सोचा है।

फैंस को किया टैटू कॉपी करने से मना

नागा ने एक समाचार पत्र के साथ बातचीत के दौरान कहा, मैं ऐसे कुछ फैंस से मिला, जिन्होंने मेरे नाम का टैटू बनवा रखा है। कुछ ऐसे भी फैंस जिन्होंने मेरे टैटू को कॉपी करके बनाया हुआ था। मैं आप सबको बता दूं कि यह कोई ऐसी चीज नहीं है, जिसे आपको कॉपी करना चाहिए। यह मेरी शादी की तारीख है। इसलिए, मैं नहीं चाहता कि फैंस ये टैटू बनवाएं। मुझे यह देखकर खराब लगता है, क्योंकि लाइफ में बहुत सारी चीजें बदल जाती हैं और मैं भी इस टैटू को बदल सकता हूं।

सामंथा से कभी टकराए तो करेंगे हग

नागा से सवाल किया गया कि क्या उन्होंने इस टैटू को हटवाने का नहीं सोचा? एक्टर ने कहा, नहीं मैंने इस बारे में नहीं सोचा और यह ठीक है। साथ ही उनसे पूछा गया कि अगर कभी वो अपनी वाइफ से टकरा गए तो क्या करेंगे? उन्होंने कहा, ₹मैं हैलो बोलूंगा और उसे हग करूंगा।

सामंथा ने बताया था 'ऐरो' के पीछे का मीनिंग

चैतन्य के टैटू में दो ऐरो भी बने हुए हैं, जो उन्होंने सामंथा के साथ बनवाया था। सामंथा ने इंस्टाग्राम पर मैचिंग टैटू का मतलब बताया था, मेरे टैटू का मीनिंग है कि अपनी रियलटी खुद क्रिएट करें। साथ ही सामंथा ने अपनी डेब्यू फिल्म 'ये माया चेसावे' के पहले के तीन शब्द लिखवा रखे हैं। इस फिल्म में सामंथा और नागा ने पहली बार साथ काम किया था।

बहन को दें ये काम के उपहार, यादगार बन जाएगा रक्षाबंधन का त्योहार

रक्षाबंधन का त्योहार भाई-बहन दोनों के लिए ही बेहद ख़ास होता है। भाई सोचते हैं कि बहन को क्या तोहफ़ा दें वहीं बहनें भी भाई को कुछ ख़ास देना चाहती हैं, जो उसे ख़ुशी दे। ऐसे में तोहफ़ों का चयन करना ज़रा मुश्किल हो जाता है। लोग उपहारों से ज़्यादा रुपये देना सही समझते हैं, ताकि पसंद की वस्तु ली जा सके। लेकिन ये रुपए कहां ख़र्च हो जाते हैं हिसाब ही नहीं होता। आजकल तोहफ़े भी काफ़ी व्यावहारिक हो गए हैं, ऐसे में नए ज़माने की ये चीज़ें भी भेंट में दी जा सकती हैं।

ओटीटी सब्सक्रिप्शन

ओटीटी प्लेटफॉर्म्स का इस्तेमाल अमूमन सभी करने लगे हैं। ऐसे में इनका सब्सक्रिप्शन एक अच्छा तोहफ़ा साबित हो सकता है। आप अपनी सुविधानुसार 3 महीने, 6 महीने या फिर 1 साल का सब्सक्रिप्शन भी भेंट कर सकते हैं। ये अपने आप में काफ़ी नई तरह का गिफ्ट होगा। हां, पहले पता कर लें कि भाई/बहन किस प्लेटफॉर्म का सब्सक्रिप्शन चाहते हैं।

वाद्य यंत्र

यदि आपके भाई/बहन को संगीत का शौक़ है तो उन्हें उनकी पसंद का वाद्य यंत्र दिला सकते हैं। ये एक तरह का निवेश हो सकता है। इसके अलावा उन्हें संगीत की क्लास भी जॉइन करा सकते हैं। आजकल ऑनलाइन भी बांसुरी, गिटार आदि सिखाए जाते हैं। ऐसे में ऑनलाइन क्लास का सब्सक्रिप्शन भी दिलाया जा सकता है।

ऑडियो बुक्स

समय के अभाव के कारण लोग किताबें पढ़ने की अपेक्षा सुनना अधिक पसंद करते हैं। अगर आपके भाई/बहन को भी किताबों का शौक़ है तो उन्हें ऑडियो बुक्स का सब्सक्रिप्शन दिला सकते हैं या ई-बुक लाइब्रेरी का सब्सक्रिप्शन लेकर दे सकते हैं। ई-बुक के ज़रिए वो पसंदीदा किताब ऑनलाइन पढ़ सकते हैं। इन लाइब्रेरी में हज़ारों की संख्या में किताबें मौजूद रहती हैं। किताब प्रेमियों के लिए ये एक अच्छा विकल्प है।

सलून वाउचर

आजकल सलून कुछ महीने से लेकर सालभर तक के लिए पैकेज देते हैं। ये पैकेज कई तरह के होते हैं। पहला, इसमें कई सुविधाएं होती हैं, जैसे हेयरकट, फेशियल, हेयर हाइलाइट्स, वैक्सिंग आदि। सालभर में इन सुविधाओं का एक-एक बार लाभ ले सकते हैं। दूसरा, पैकेज जिसमें सालभर में जितनी बार चाहें उतनी बार इन सभी सुविधाओं का लाभ लिया जा सकता है। आजकल कस्टमाइज़्ड पैकेज भी होते हैं, जिन्हें अपनी पसंद के अनुसार तैयार करवाया जा सकता है।

स्पोर्ट्स वाउचर

खेलकूद की तरफ़ भी लोगों का रुझान काफ़ी बढ़ा है। अगर भाई/बहन भी स्पोर्ट्स पसंद करते हैं तो उन्हें स्पोर्ट्स क्लब की सदस्यता दिलवा दें। कई जगह खेल के मुताबिक़ भी सदस्यता की राशि तय की जाती है।

मूवी कूपन्स

फिल्में देखने का शौक़ अमूमन लोगों को होता है। ऐसे में यह एक उपयोगी तोहफ़ा साबित हो सकता है। आजकल फिल्मों के लिए कई प्लेटफॉर्म कूपंस उपलब्ध कराते हैं। इसमें फिल्मों की संख्या निर्धरित रहती है। गिफ्ट कार्ड में फिल्म के साथ खाना-पीना भी शामिल कर सकते हैं। ये कार्ड आप अपनी सुविधानुसार चुन सकते हैं। कुछ प्लेटफॉर्म्स तो कुछ महीनों से सालभर तक के पैकेज भी देते हैं।

राखी की थाली सजावट के लिए टिप्स

राखी का त्योहार बहनों के लिए ख़ास है तो इसकी तैयारी भी ख़ास होनी चाहिए। भाई के लिए राखी तो बहनें ख़ूब सुंदर पसंद करती हैं, तो राखी को रखने वाली थाली भी तो सजावटी होनी चाहिए न। आइए इस रक्षाबंधन पर राखी की थाली की सजावट की भी तैयारी की जाए। समय की फ़िक्र मत करिए बस एक घंटा काफ़ी होगा।

राखी रखने का अंदाज़

थाली में राखी सजाने के लिए छोटे तकिए (घड़ी के साथ आने वाले भी ले सकते हैं) लें, जो बाज़ार में आसानी से मिल जाते हैं। इन पर राखी रखें। राखी को रखने का तरीक़ा बांधने वाले की रचनात्मक बतलाता है।

गोटे से सजाएं

प्लेन कपड़ा थाली पर चिपकाएं, फिर गोटे और पॉम-पॉम की लेस थाली की किनारी पर लगा दें। आख़िर में बीचों-बीच गणपति जी का स्टीकर लगा दें और छोटी कटोरी में रोली-अक्षत रख दें।

लेस चिपकाएं

ये सजावट दिखने में बहुत सुंदर लगती है। इसके लिए थाली पर लाल रंग का कपड़ा चिपकाएं। कपड़ा सूखने पर अपनी पसंद की लेस चिपकाएं। फिर छोटी-छोटी कटोरियों में रोली-अक्षत, मिठाई, दीया व राखी रख लें।

स्वस्तिक बनाएं

आटे की छोटे-छोटे गोले बनाएं और थाली में इनसे स्वस्तिक बनाएं। बीच में व आसपास आटे से बने दीये रखें। बाक़ी ख़ाली जगह पर लाल व पीले रंग के फूलों और पत्तियों से सजावट कर लें।

वेणी से सजावट

ये बेहद आसान है, इसमें थाली के आसपास फूलों की वेणी रखनी है। बीच में राखी, रोली-अक्षत व मिठाई आदि रखें। ये सजावट काफ़ी आसान है और कम समय में हो जाती है।

राजस्थानी थाली

थाली पर मैटी का कपड़ा चिपका दें। किनारी पर मिरर वर्क वाली पॉम-पॉम लेस लगा दें। बीच में रेशम की सादी राखियों को गोलाई में चिपका दें। गोले में गणपति जी का स्टीकर लगा दें।

रक्षाबंधन के मौक़े पर तस्वीरों में संजोएं स्नेह का हर पल

रक्षाबंधन पर्व हर साल आता है और हर बार नई यादें दे जाता है। इन यादों को जीवंत रखने के लिए तस्वीरों से बेहतर ज़रिया और क्या हो सकता है भला। आपके पास डीएसएलआर कैमरा हो या मोबाइल फोन का कैमरा, दोनों से ख़ूबसूरत तस्वीरें ली जा सकती हैं। कौन-कौन से पोज़ आप आज़मा सकते हैं और तस्वीरों में कैसे नयापन ला सकते हैं, बता रहे हैं विशेषज्ञ।

राखी की तस्वीर

जब बहन भाई को राखी बांध रही हो तो बहुत क़रीब से केवल हाथों की तस्वीर लें। कैमरे के फ्रेम में सिर्फ़ भाई के हाथ में राखी बांधते बहन के हाथ होंगे। परंतु इसे खींचते वक़्त कैमरे का फोकस, रोशनी और एंगल का ध्यान रखें। पीछे का दृश्य ब्लर रखें और फोकस राखी पर।

चलते हुए पोज़

एक स्थान पर खड़े होकर तस्वीर लेने का तरीक़ा पुराना हो गया है। कुछ नया करने के लिए खुली जगह पर तस्वीर लें। कैमरे के सामने धीरे-धीरे सामान्य चाल में चलते हुए तस्वीर लें। इसके अलावा कैमरे को पीठ की तरफ़ रखा जाए, चलते हुए पलटकर कैमरे की ओर देखें और फौरन

तस्वीर खींच ली जाए। प्राकृतिक हवा से उड़ते हुए बाल और परिधान तस्वीर की सुंदरता बढ़ाएंगे।

एंगल बदलें

सोलो तस्वीर में नयापन लाने के लिए कैमरे का एंगल बदल सकते हैं। अपने पसंदीदा पोज़ में खड़े हो जाएं, लेकिन पैरों को चिपकाकर रखने के बजाय एक पैर को आगे की तरफ़ थोड़ा दूर रखें। कैमरे का एंगल सामने न रखते हुए थोड़ा नीचे रखें। इसी तरह बैठकर भी तस्वीर ले सकते हैं।

कैंडिड तस्वीरें लें

कैमरे में देखते हुए तस्वीरें खिंचाने से वे स्वाभाविक नहीं लगतीं। बेहतर होगा कि सारी तस्वीरें कैंडिड लें। राखी बांधते वक़्त या उपहार देते हुए फोटो खींचें। भाई-बहन की नोक-झोंक भी कैमरे में क़ैद कर सकते हैं। उपहार खोलते वक़्त बहन के हाव-भाव भी तस्वीर में उतारे जा सकते हैं।

बैकग्राउंड बनाएं

बैकग्राउंड यानी कि पीछे का हिस्सा तस्वीर को प्रभावित करता है। आप जिस स्थान पर भी बैठकर राखी बांधने की योजना कर रहे हैं, उसके पीछे फूलों और पत्तियों की मालाएं लटका सकते हैं या फूलों के बीच लाइट्स भी लटकाई जा सकती हैं। पर्दों से भी बैकग्राउंड बना सकते हैं।

हल्का खाना खाएंगे, राखी एंजॉय कर पाएंगे

आज रक्षाबंधन है। हर घर में पूड़ी सब्जी, खीर और कई तरह के पकवान बनाए और खाए जाएंगे। इसलिए आज पूरे दिन हल्का खाना खाइए ताकि फेस्टिवल को एंजॉय कर सकें। इसके लिए एक दिन पहले ही अपने खाने के साथ पूरे दिन का रुटीन सही रखें। मतलब टाइम पर जागने से लेकर सोने के मामले में अनुशासित रहें। आरोग्य नेचर क्योर नैचुरोपैथी एंड योगा क्लिनिक के डॉ. अमित सेन बता रहे हैं कि त्योहार के एक दिन पहले कब, क्या और कैसा भोजन करना चाहिए।

सुबह की शुरुआत इन ड्रिंक्स से करें
ड्राई फ्रूट खाएं
ब्रेकफास्ट हो हेल्दी
दोपहर के खाने से पहले फल खाएं
लंच में हो हल्का खाना
शाम को हेल्दी स्नैक्स लें
रात को सिर्फ दाल-सब्जी खाएं
खाना पचाने के लिए सौंफ खाएं
सोने से पहले दूध पिएं

हल्का खाना खाने के फायदे

शरीर को ऊर्जा देता है	पेट हल्का रहता है	पाचन आसान होता है	मोटापा नहीं बढ़ता	ब्लड शुगर कंट्रोल में रहता है

एक दिन में ऐसे होगी रक्षाबंधन के लुक की तैयारी

त्योहार में सजने-संवरने से आप सिर्फ़ आकर्षक और ख़ूबसूरत ही नहीं दिखेंगे, बल्कि अच्छा महसूस भी करेंगे। इस रक्षाबंधन पर्व पर सादगी का दामन थामते हुए सजे-संवरें।

रक्षाबंधन आने वाला है। इस ख़ास अवसर पर क्या पहनना है, यह भी तय कर लिया होगा। परंतु कुछ बहनें ऐसी भी हैं जिन्हें ख़रीदारी का समय ही नहीं मिला होगा। यदि आपकी भी तैयारी नहीं है तो कुछ तरक़ीब लगाकर आकर्षक रूप से तैयार हो सकती हैं। पहले से मौजूद कपड़े और आभूषणों को मिला-जुलाकर प्रयोग कर सकती हैं। कोई जान भी नहीं पाएगा कि यह तैयारी अकस्मात की गई है।

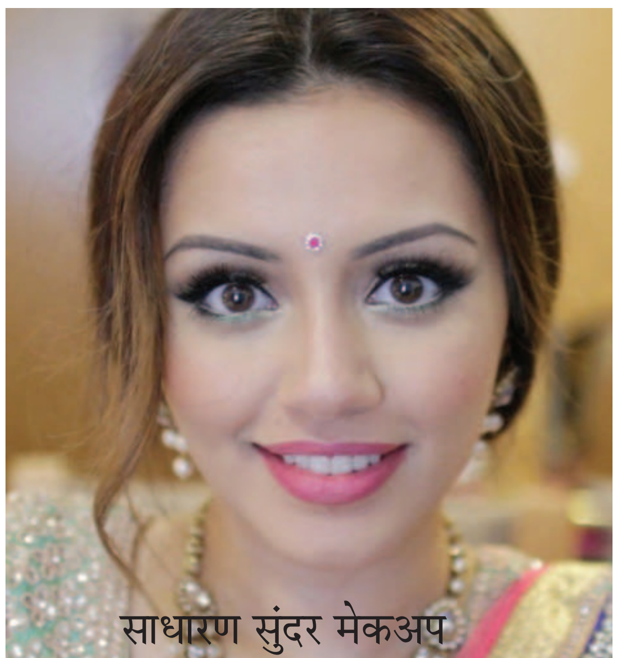

साधारण सुंदर मेकअप

साधारण सुंदर मेकअप

आपका मेकअप जितना साधारण और हल्का होगा, तस्वीरें उतनी ही अच्छी आएंगी। सिर्फ़ मेकअप ग्लो क्रीम लगाएं, जो फाउंडेशन की तरह काम करेगी। लिपस्टिक चटख रंग की न लगाएं। सिर्फ़ काजल लगाएं या फिर पलकों के ऊपर पतला-सा आईलाइनर लगाएं। काजल से आंखों को स्मोकी लुक दे सकती हैं। आंखों पर भारी मेकअप करने से ये छोटी नज़र आएंगी।

दुपट्टा टीमअप करें

सरल और सुंदर हेयरस्टाइल

आगे से एक तरफ़ की लट की चोटी बनाकर या मोड़कर साइड से पिनअप कर लें, दूसरी तरफ़ के बाल खुले छोड़ दें।

इसी तरह पीछे के बालों को खुला छोड़ते हुए दोनों तरफ़ की लटों को मोड़कर साइड से पिनअप कर सकती हैं। अगर बालों की लंबाई कम है तो आगे की दो लटें पीछे लेकर बीच में एक स्टाइलिश क्लचर लगा सकती हैं। छोटे बालों में हेयर बैंड और कलरफुल क्लिप भी अच्छी लगेंगी।

सरल और सुंदर हेयरस्टाइल

भारी आभूषण आज़माएं

हर महिला के पास कई आकार के आभूषण मौजूद होते हैं। ऐसे में आप कपड़ों से मिलते-जुलते भारी इयरिंग्स, हार और ब्रेसलेट आदि पहन सकती हैं। सिंपल चेन भी डाल सकती हैं। सिर्फ़ हैवी इयरिंग्स पहन सकती हैं। हैवी इयरिंग्स साधारण सूट के लुक को भी आकर्षक बना देते हैं। इन दिनों झुमके, चांद बालियां और कुंदन इयरिंग्स काफ़ी ट्रेंड में हैं। इसी तरह एक हाथ में बहुत सारी चूड़ियां या कंगन पहन सकती हैं और दूसरे हाथ में सिर्फ़ घड़ी।

ये भी आज़मा सकती हैं

दुपट्टा टीमअप करें

अगर आपके पास सिंपल सूट है तो दुपट्टे से इसे स्टाइल दे सकती हैं। साधारण सूट के साथ बनारसी, सिल्क या फुलकारी दुपट्टा कैरी कर सकती हैं। दुपट्टों को कई तरह से ड्रेप कर सकती हैं। अगर लॉन्ग ड्रेस या गाउन है तो दुपट्टे का श्रग बना सकती हैं।इससे इंडो-वेस्टर्न लुक मिलेगा।

स्कर्ट भी है विकल्प

अगर आपके पास स्कर्ट है तो इसके साथ कई प्रयोग कर सकती हैं। क्रॉप टॉप टीमअप कर सकती हैं। क्रॉप टॉप और स्कर्ट के रंग संयोजन का ध्यान ज़रूर रखें। चटख रंग की स्कर्ट पहन सकती हैं। सफेद शर्ट भी हर रंग की स्कर्ट के साथ जंचेगी। इसके साथ भारी इयरिंग्स या ट्राइबल हार पहनने से पारम्परिक लुक भी मिल जाएगा।

स्कर्ट भी है विकल्प

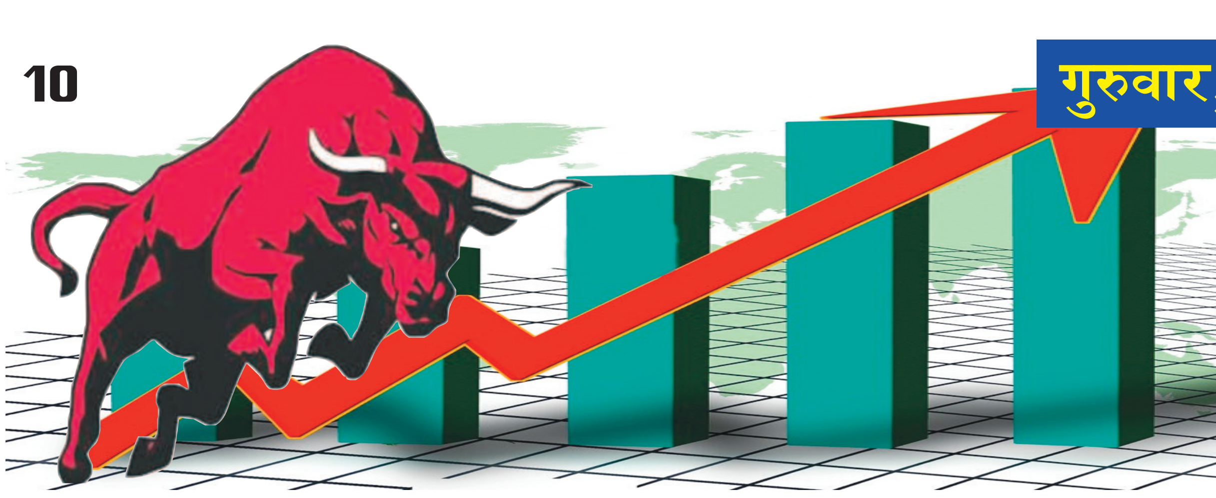

भारत में भी होगा सभी डिवाइसेज के लिए कॉमन चार्जर, सरकार की तरफ से हो रहा है प्रयास

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेंसियां)। आने वाले दिनों में आपको स्मार्टफोन, टैबलेट सहित सभी इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के लिए एक ही चार्जर काम करेगा। उपभोक्ता मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इसके लिए मंत्रालय ने 17 अगस्त को उद्योग की बैठक बुलाई है। इसमें इस बात पर चर्चा की जाएगी कि सभी इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के लिए एक चार्जर लागू करने में क्या दिक्कत हो सकती है। अधिकारी ने कहा कि मोबाइल निर्माता और अन्य संगठनों को इस बैठक में बुलाया गया है। अधिकारी के मुताबिक, अभी तक जो ढेर सारे चार्जर की व्यवस्था है, उसे खत्म करने की योजना है।

साथ ही इससे ई-कचरा में भी कमी आएगी। हाल में यूरोपीय संघ ने 2024 तक छोटे इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के लिए एक यूएसबी सी पोर्ट को अपनाने का नियम लागू करने की बात कही है। इसी तरह की योजना अमेरिका में भी बन रही है। अधिकारी ने कहा कि यूरोप और अमेरिका में कंपनियां ऐसी सेवा दे सकती हैं तो फिर भारत में वे ऐसा क्यों नहीं कर सकती हैं? स्मार्टफोन और टैबलेट जैसे पोर्टेबल उपकरणों में एक सामान्य चार्जर ही लगना चाहिए। अधिकारी ने कहा कि भारत इस बदलाव पर अगर जोर नहीं देता है तो ऐसे उत्पादों को यहां डंप किया जा सकता है।

बिना पंजीकरण विदेशों से चंदा ले रही थीं 35 संस्थाएं

आयकर विभाग को कैग ने लगाई फटकार

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेंसियां)। विदेशी चंदे का डाटा गृह मंत्रालय से शेयर करने की व्यवस्था नहीं बनाने के लिए भारत के नियंत्रक व महालेखा परीक्षक (कैग) ने आयकर विभाग को फटकार लगाई है। यह चंदा एनजीओ व विभिन्न संस्थाओं को मिलता है। संसद में सोमवार को रखी रिपोर्ट 'दानार्थ संस्थाओं व ट्रस्टों को छूट' में कैग ने लिखा, 35 ऐसी संस्थाओं को भी विदेश से चंदा मिला, जो विदेशी अंशदान विनियमन (संशोधन) अधिनियम (एफसीआरए) के तहत पंजीकृत ही नहीं हैं।

कई संस्थाओं ने आयकर रिटर्न में जो आंकड़े दिए वे गृह मंत्रालय को दिए आंकड़ों से मेल नहीं खाते। इन मामलों में आयकर विभाग ने जिनमें विदेशी चंदे पर छूट दी, वहां 182.10 करोड़ रुपये टैक्स बनता था। उल्लेखनीय है कि भारत में एफसीआरए के तहत मंत्रालय में पंजीकृत एनजीओ, ट्रस्ट, संस्थाओं आदि को ही विदेशी चंदा लेने की अनुमति है। जितना चंदा आया, यह जानकारी मंत्रालय में देनी होती है। चंदा पाने वालों ने इसे जिस व्यक्ति या संस्था को दिया, वे भी एफसीआरए में पंजीकृत होने चाहिए, उन पर प्रतिबंध नहीं होने चाहिए।

गलत दावों को स्वीकारा

आयकर विभाग ने गलत दावों को भी स्वीकार किया। 6.89 लाख मामले विभाग के पास इन तीन साल में आए थे, इनमें 25 हजार यानी 3.7 प्रतिशत की विभाग ने गहन जांच करवाई। 6.30 लाख मामलों को बिना जांच के आगे बढ़ाया गया। 6.89 लाख मामलों के विश्लेषण से पता चला कि 21 हजार मामलों में दानार्थ कामों के लिए पंजीकरण नहीं होने पर भी छूट दी गई। 347 संस्थाओं ने विदेशी चंदा लिया लेकिन उनके एफसीआरए पंजीकरण की जानकारियां ही उपलब्ध नहीं थीं।

ये निर्देश थे

2018 में लोक लेखा समिति ने आयकर विभाग को डाटा साझा करने की व्यवस्था बनाने को कहा था। इससे गृह मंत्रालय को भी विदेशी चंदे व संस्थाओं, इसे कहां दिया गया, किस काम आया, जैसी सूचनाओं की जानकारी रहती।

हुआ कुछ ऐसा

डाटा साझा करने की व्यवस्था नहीं बनी। आयकर विभाग ने कई एनजीओ, ट्रस्टों आदि को छूट दी। 2014-15 से 2017-18 के तीन वर्षों में विभाग को दिए आईटीआर 7 फॉर्म में संस्थाओं ने अधूरी जानकारियां दी, कई कमियां छोड़ीं। टाटा कम्युनिकेशन द्वारा 2006-07 से 2017-18 के बीच अपने राजस्व को कम बताने का मामला सामने आया है। इस कारण लाइसेंस शुल्क में 645 करोड़ रुपये की कमी आई। कैग ने अपनी रिपोर्ट में कहा, टाटा कम्युनिकेशन से यह रकम वसूल की जानी चाहिए। कंपनी का राजस्व 13,252.81 करोड़ रुपये रहा। इस पर 950 करोड़ रुपये का लाइसेंस शुल्क बनता है, जबकि कंपनी ने दूरसंचार विभाग को 305 करोड़ रुपये का लाइसेंस शुल्क दिया है। कैग ने कहा, स्पेक्ट्रम शुल्क के लिए एडजस्टेड ग्रॉस रेवेन्यू (एजीआर) के 0.15% की न्यूनतम दर को ध्यान में रखते हुए अनुमानित राजस्व का आकलन बहुत ही कम स्तर पर किया गया। चार सरकारी साधारण बीमा कंपनियों को पिछले पांच साल में उनके स्वास्थ्य सेगमेंट से 26,364 करोड़ रुपये का घाटा हुआ है। कैग की रिपोर्ट के अनुसार, न्यू इंडिया अश्योरेंस, यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस, ओरिएंटल इंश्योरेंस और नेशनल इंश्योरेंस को 2016-17 से 2020-21 के दौरान यह घाटा हुआ है। कैग ने कहा, ग्रुप पॉलिसी में कंपनियों को ज्यादा दावे मिले, जिससे ऐसा हुआ। सरकारी कंपनियों के लिए मोटर बीमा के बाद स्वास्थ्य बीमा सबसे ज्यादा कारोबार वाला क्षेत्र है।

1.16 लाख करोड़ का मिला प्रीमियम

चारों सरकारी बीमा कंपनियों को पांच साल में स्वास्थ्य बीमा से 1.16 लाख करोड़ रुपये का प्रीमियम मिला है। इस दौरान निजी कंपनियों की बाजार हिस्सेदारी में तेजी आई, जबकि सरकारी कंपनियों की हिस्सेदारी घट गई। कैग के ऑडिट में पता चला है कि मंत्रालय के दिशा-निर्देश का सरकारी बीमा कंपनियों द्वारा अनुपालन नहीं किया गया है। कैग ने तटीय क्षेत्रों की परियोजनाओं से संबधित रिपोर्ट जारी की है। इसमें बताया है कि पर्यावरणीय प्रभाव आकलन रिपोर्ट की कमी के बावजूद 2015 से 2020 के दौरान तटीय विनियमन क्षेत्रों (सीआरजेड) में कई परियोजनाओं को मंजूरी दी गई थी। सरकार ने 2019 में पर्यावरण संरक्षण अधिनियम, 1986 के तहत तटीय और समुद्री क्षेत्रों के संरक्षण के लिए सीआरजेड मानदंडों को अधिसूचित किया था।

ट्रेन बुजुर्गों को फिर छूट की सिफारिश

संसदीय समिति ने की सिफारिश

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेंसियां)। रेल मंत्रालय से संबद्ध संसदीय समिति ने बुजुर्गों को ट्रेनों में किराए में छूट तत्काल बहाल करने की सिफारिश की है। समिति ने कहा है कि कम से कम स्लीपर व थर्ड एसी कोचों में तो इसे तुरंत बहाल किया जाना चाहिए।

रेल मंत्रालय की स्थाई संसदीय समिति ने चार अगस्त को ये सिफारिशें सौंपी हैं। अपनी रिपोर्ट में समिति ने कहा है कि बुजुर्गों को पहले रेल किराए में 40 से 50 फीसदी तक रियायत दी जाती थी, लेकिन कोविड महामारी के दौरान इसे बंद कर दिया गया। उधर, रेल मंत्रालय ने अपनी कार्रवाई रिपोर्ट में कहा है कि कोरोना महामारी को देखते हुए सभी श्रेणी के यात्रियों (दिव्यांगजनों की चार श्रेणियों और 11 श्रेणियों के रोगियों और छात्रों को छोड़कर) को किराए में रियायत वापस ले ली गई है।

इस जवाब को देखते हुए समिति ने कहा कि चूंकि अब रेलवे सामान्य स्थिति की ओर बढ़ रहा है, इसलिए यात्रियों की विभिन्न श्रेणियों को दी जाने वाली रियायतों पर पुनर्विचार करना चाहिए। भाजपा नेता राधा मोहन सिंह की अध्यक्षता वाली समिति ने अपनी सिफारिशों में कहा है कि वरिष्ठ नागरिकों या बुजुर्गों को किराए में रियायत की समीक्षा की जाए और कम से कम स्लीपर क्लास और थर्ड एसी कोच के किराए में तत्काल छूट बहाल की जाए।

ताकि कमजोर और जरूरतमंद वरिष्ठ नागरिक इस सुविधा का लाभ उठा सकें। वरिष्ठ नागरिकों को किराए में रियायतों से रेलवे पर सालाना करीब 2,000 करोड़ रुपये का बोझ पड़ता है।

'गिव अप' योजना का प्रचार करें

समिति ने रेल मंत्रालय से 'गिव अप' योजना का भी व्यापक प्रचार करने का आग्रह किया है। यह योजना वरिष्ठ नागरिकों को किराए में मिलने वाली रियायतों को स्वेच्छा से छोड़ने के लिए प्रोत्साहित करती है। बता दें, ट्रेनों में वरिष्ठ नागरिकों को किराए में छूट बहाली की लंबे समय से मांग की जा रही है। करीब तीन साल से यह छूट बंद है। लोगों का कहना है कि इस कारण गरीब व कमजोर वर्ग के लोगों को यात्रा के लिए आर्थिक परेशानी झेलना पड़ रही है।

महंगाई की मार : एक साल में खाने-पीने के सामान की कीमतों में भारी इजाफा

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेंसियां)। एक साल में खाने-पीने की कीमतों में जबरदस्त इजाफा हुआ है। सरकार की लाख कोशिशों के बावजूद कीमतों पर काबू नहीं हो रहा है। यहां तक कि नमक का भी भाव बढ़ गया है। उपभोक्ता मंत्रालय के आंकड़े बताते हैं कि एक साल पहले चावल का भाव 34.86 रुपये किलो था जो अब 37.38 रुपये हो गया है। गेहूं 25 रुपये से 30.61 रुपये जबकि आटा 29.47 से 35 रुपये किलो हो गया है।

दालों की कीमतों में भी उछाल

अरहर की दाल एक साल पहले 104 रुपये किलो थी जो अब 108 रुपये किलो है। उड़द दाल 104 से 107 रुपये किलो, मसूर दाल 88 से 97 रुपये किलो और दूध 48.97 से बढ़कर 52.41 रुपये लीटर हो गया है। आरबीआई के अनुमान के मुताबिक, अभी भी खुदरा महंगाई की दर 6 फीसदी से ऊपर ही रहेगी। उपभोक्ता मंत्रालय ने तेल की कीमतों को कम करने के लिए कई बार तेल कंपनियों और संगठनों को बुलाया है। कंपनियों का कहना है कि लगातार वह तेल की कीमतें कम कर रही हैं। पर खुले बाजार में अभी भी तेल की कीमतें 150 रुपये लीटर से ऊपर ही हैं। केंद्र सरकार ने गेहूं का आटा, मैदा और सूजी के निर्यात पर अब गुणवत्ता प्रमाणपत्र की मंजूरी जरूरी कर दी है। एक अधिसूचना में कहा गया है कि एक्सपोर्ट इंस्पेक्शन काउंसिल (ईआईसी) से यह मंजूरी लेनी होगी। इसके प्रमुख केंद्र मुंबई, चेन्नई, दिल्ली और कोलकाता में हैं। दरअसल, 13 मई को जब गेहूं निर्यात पर प्रतिबंध लगाया गया था, उसके बाद से आटा, मैदा और सूजी का निर्यात अचानक बढ़ गया था। ऐसी आशंका थी कि घरेलू बाजार में आटा की उपलब्धता पर असर होगा। इससे कीमतें भी बढ़ सकती हैं। इस पर काबू पाने के लिए 12 जुलाई को विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने आटा, मैदा और सूजी निर्यात पर भी पाबंदी लगा दी थी। इन सामान के निर्यात के लिए अंतर मंत्रालयी समूह की मंजूरी जरूरी होगी।

सपाट ढंग से बंद हुए भारतीय बाजार

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय शेयर बाजार बुधवार को सपाट ढंग से बंद हुए। ग्लोबल मार्केट में सुस्ती का असर घरेलू बाजार में दिखा। बुधवार के कारोबारी सेशन में आईटी, एफएमसीजी, पीएसयू बैंक और रियल्टी सेक्टर्स के शेयरों में बिकवाली से बाजार पर दबाव दिखा। वहीं, मेटल सेक्टर के शेयरों में खरीदारी से बाजार को सपोर्ट मिला और वे रिकवरी के साथ बंद हुए। इस दौरान सेंसेक्स 36 अंक गिरकर 58,817 अंकों पर बंद हुए। वहीं निफ्टी 10 अंकों की बढ़त के साथ 17535 का लेवल बरकरार रखने में सफल रहा। बुधवार के कारोबारी सेशन में बजाज फाइनेंस, ओएनजीसी, एचसीएल टेक, अदाणी पोर्ट्स और एशियन पेंट्स के शेयरों गिरावट देखने को मिली। वहीं, हिन्डाल्को, कोल इंडिया, यूपीएल, टाटा स्टील, अपोलो हास्पिटल, भारती एयरटेल के शेयर टॉप गेनर्स रहे।

अमेरिका से ज्यादा महिला पायलट भारत में

एयरलाइंस को कर्मचारियों की कमी से लड़ने में मदद मिल रही, यह दुनिया के लिए मिसाल

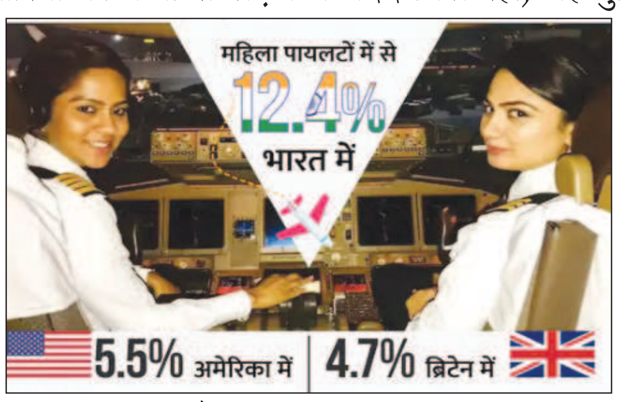

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेंसियां)। विमान उड़ाने वाली महिला पायलटों की संख्या के मामले में भारत दुनिया के सबसे अमीर माने जाने वाले देश अमेरिका से भी आगे निकल गया है। इंटरनेशनल सोसायटी ऑफ वुमन एयरलाइन पायलट के मुताबिक, विश्व स्तर पर महिला पायलटों का प्रतिशत भारत में सबसे ज्यादा है।

सभी महिला पायलटों में से 12.4% भारत में हैं। दुनिया में सबसे बड़े विमानन बाजार अमेरिका में महिला पायलटों की संख्या 5.5% और ब्रिटेन में 4.7% है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार, अधिक महिलाओं को काम पर रखने से एयरलाइंस को कर्मचारियों की कमी दूर करने में मदद मिल सकती है। बोइंग कंपनी का अनुमान है कि अगले दो दशकों में दुनिया को 6 लाख से अधिक नए पायलटों की आवश्यकता होगी। बता दें कि महिला पायलटों का प्रदर्शन भी बेहतर है। अधिक महिलाओं को काम पर रखने से एयरलाइंस को उन कर्मचारियों की कमी को दूर करने में मदद मिल सकती है, जो यात्रा को बाधित कर रहे हैं।

3 दशक पहले इक्का-दुक्का महिला पायलट थीं

आज भारत महिला पायलटों के मामले में भले ही दुनिया के लिए मिसाल हो, लेकिन तीन दशक ऐसी स्थिति नहीं थी। मसलन 1989 में भारत की निवेदिता भसीन दुनिया की सबसे कम उम्र की कॉमर्शियल एयरलाइन कप्तान बनीं थी। भसीन बताती हैं कि वह जब पायलट बनीं थीं, तब क्रू के लोग उन्हें जल्द से कॉकपिट में जाने का अनुरोध करते थे, ताकि यात्रियों को यह पता न चले कि उनका विमान महिला पायलट उड़ा रही है और वे यह देखकर घबरा जाएं।

महिला पायलट तैयार करने के लिए एनसीसी में हवाई विंग का गठन

निवेदिता भसीन जैसी अग्रणी पायलट और लोगों का कहना है कि आउटरीच कार्यक्रमों से लेकर बेहतर कॉर्पोरेट नीतियों और मजबूत पारिवारिक समर्थन से भारतीय महिलाओं को प्रोत्साहित किया जा रहा है। कई भारतीय महिलाओं को 1948 में गठित राष्ट्रीय कैडेट कोर के एक हवाई विंग के माध्यम से उड़ान भरने के लिए तैयार किया गया था। इसके माध्यम से छात्रों को माइक्रोलाइट विमान संचालित करने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है।

महिलाओं के लिए महंगे कॉमर्शियल पायलट प्रशिक्षण को और अधिक सुलभ बनाने के लिए कुछ राज्य सरकारें सब्सिडी दे रही हैं। होंडा मोटर जैसी कंपनियां एक भारतीय फ्लाइंग स्कूल में 18 महीने के पाठ्यक्रम के लिए पूरी छात्रवृत्ति देती हैं और उन्हें नौकरी दिलाने में मदद करती हैं। साथ ही विशेष प्रशिक्षण के कई कार्यक्रम चलते हैं।

बूस्टर खुराक के रूप में लगेगा कॉर्बेवैक्स टीका

केंद्र ने दी मंजूरी

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने कोविड की रोकथाम के लिए बॉयोलॉजिकल ई कंपनी द्वारा तैयार कॉर्बेवैक्स बूस्टर टीके को मंजूरी दे दी है। ये 18 साल से ज्यादा उम्र के लोगों को कोरोना से बचाव के लिए लगाए जाएंगे।

सरकारी सूत्रों ने बुधवार को बताया कि जिन लोगों ने कोवाक्सिन या कोविशील्ड टीके पूर्व में लगवाए हैं, उन्हें कॉर्बेवैक्स की खुराक बूस्टर टीकों के रूप में दी जा सकेगी। यह पहला मौका है, जब बूस्टर डोज के रूप में प्राथमिक टीकाकरण में दी गई टीके की खुराक को छोड़कर दूसरे टीके को मंजूरी दी गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने यह मंजूरी टीकाकरण पर राष्ट्रीय तकनीकी सलाहकार समूह के कोविड-19 वर्किंग ग्रुप द्वारा हाल ही में की गई सिफारिशों के आधार पर दी है। कोविशील्ड टीकों की दूसरी खुराक लगने की तारीख से छह महीने या 26 सप्ताह पूरा होने के बाद एक एहतियाती खुराक के रूप में दिया जा सकेगा। कॉर्बेवैक्स की खुराक लेने के लिए को-विन पोर्टल पर आवश्यक परिवर्तन किए जा रहे हैं। यह देश का पहला स्वदेशी रूप से विकसित आरबीडी प्रोटीन वैक्सीन है।अभी कॉर्बेवैक्स कोविड-19 टीकाकरण कार्यक्रम के तहत 12 से 14 वर्ष की आयु के बच्चों को टीका लगाने के लिए उपयोग किया जा रहा है। ड्रग्स कंट्रोलर जनरल ने 4 जून को कॉर्बेवैक्स को 18 से ज्यादा उम्र के लोगों के लिए एहतियाती खुराक के रूप में मंजूरी दी थी।

सुविधा पोर्टल पर टीका प्रमाणपत्र की अनिवार्यता जल्द होगी खत्म

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेंसियां)। कोरोना की स्थिति नियंत्रण में देखते हुए अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के लिए भारत आने से पहले सुविधा पोर्टल पर टीकाकरण प्रमाणपत्र देने की अनिवार्यता जल्द ही खत्म हो जाएगी। सरकार इस प्रावधान को खत्म करने पर विचार कर रही है। हालांकि, पोर्टल पर एक घोषणापत्र फॉर्म को ऑनलाइन भरने का मौजूदा आदेश जारी रहेगा। अभी अंतरराष्ट्रीय यात्रियों को निगेटिव आरटीपीसीआर रिपोर्ट या टीकाकरण प्रमाणपत्र पोर्टल पर अपलोड करना पड़ता है।

रक्षाबंधन से पहले सोने-चांदी की कीमतों में तेजी

सोना 52 हजार और चांदी 58 हजार के पार हुई

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेंसियां)। रक्षाबंधन के पहले आज यानी बुधवार को सोने-चांदी की कीमतों में तेजी देखने को मिली है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट के अनुसार सर्राफा बाजार में सोना 113 रुपए महंगा होकर 52,297 पर पहुंच गया है। हालांकि वायदा बाजार में सोने में गिरावट देखने को मिल रही है। एमसीएक्स पर दोपहर 1 बजे सोना 191 रुपए फिसलकर 52,298 रुपए पर ट्रेड कर रहा है।

चांदी में भी तेजी

अगर चांदी की बात करें तो ये 185 रुपए महंगी होकर 58,291 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई है। वहीं एमसीएक्स पर दोपहर 1 बजे ये 318 रुपए कमजोर 58,473 रुपए पर ट्रेड कर रही है। अंतरराष्ट्रीय बाजार की बात करें तो सोना 1,790.86 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस पर और चांदी 20.42 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही है।

सोने-चांदी में देखने को मिल सकती है तेजी

एक्सपर्ट्स का कहना है कि अभी सोने पर भले ही दबाव है, लेकिन यह धीरे-धीरे खत्म हो रहा है। जैसे ही महंगाई और मंदी का जोखिम थोड़ा कम होगा, सोना एक बार फिर महंगा होने लगेगा। केडिया एडवाइजरी के निदेशक अजय केडिया के अनुसार इस साल के आखिर तक सोना 54 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम तक जा सकता है। बुलियन एक्सपर्ट्स का मानना है कि अब चांदी में एक अच्छी बढ़त की गुंजाइश बन रही है। उनका मानना है कि दुनिया में इलेक्ट्रॉनिक्स और फोटोवोल्टिक क्षेत्र में चांदी की औद्योगिक खपत बढ़ेगी। साथ ही त्योहारी सीजन में रिटेल बिक्री, गहनों की मांग मजबूत रहेगी। इससे चांदी की कीमत में तेजी दिख सकती है। आप सोना और चांदी का भाव आसानी से घर बैठे पता लगा सकते हैं।

केंद्र ने राज्यों को कर हस्तांतरण के दो किस्त जारी किए

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने राज्यों को कर हस्तांरण के दो किस्तों में रूप में 1,16,665 करोड़ रुपये जारी कर दिए हैं। केंद्र सरकार ने 58,332 करोड़ रुपये के मासिक हस्तांतरण के मुकाबले 1,16,665 करोड़ रुपये की कर हस्तांतरण की 2 किस्तें राज्य सरकारों को जारी कीं हैं। वित्त मंत्रालय की ओर से कहा गया है कि कर हस्तांरण के रूप में राज्यों को जारी राशि उनके पूंजीगत और विकासात्मक व्यय में तेजी लाने के लिए जारी की गई है। यह राशि उनके हाथों को मजबूत करने की भारत सरकार की प्रतिबद्धता के तहत जारी की गई है।

केंद्र की ओर से इस बार कर हस्तांतरण के रूप में उत्तर प्रदेश को 20,928.62 करोड़ रुपये जबकि बिहार को 11,734.22 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं। वहीं महाराष्ट्र को 7,369.76 करोड़ जबकि आंध्र प्रदेश को 4721.44 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं।

मधुमक्खी पालन को कृषि साधन का दर्जा

फसलों के साथ शहद उत्पादन को बढ़ावा, किसानों की बढ़ेगी आय

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने मधुमक्खी पालन को भी कृषि इनपुट (एक साधन) के रूप में मान्यता दे दी है। अब मधुमक्खी पालन को खाद, बीज और कीटनाशक की तरह कृषि उत्पादन बढ़ाने के एक साधन के रूप में उपयोग किया जा सकेगा। इससे मधुमक्खी पालन को बड़े स्तर पर प्रोत्साहन की राह खुलेगी। कृषि उत्पादन बढ़ने के साथ शहद उत्पादन और निर्यात भी बढ़ सकेगा। वित्त वर्ष 2021-22 में देश से 1221 करोड़ रुपये से अधिक कीमत के 74 हजार मीट्रिक टन से ज्यादा शहद का निर्यात हुआ है। केंद्र सरकार के कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्रालय ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिया है। केंद्रीय कृषि मंत्रालय में आयुक्त उद्यान प्रभात कुमार ने बताया, सरकार शहद के प्रोसेसिंग व मार्केटिंग तक में सहयोग उपलब्ध करा रही है। किसान अपने खेतों व बागों में फसलों के साथ आवश्यक मधुमक्खी बॉक्स रखेंगे। इससे फसल का उत्पादन के साथ शहद उत्पादन को भी बढ़वा मिलेगा। हरियाणा ने जहां 2021-22 में 671.11 करोड़ रुपये का 39655.70 एमटी शहद निर्यात किया, वहीं यूपी में इस सत्र में 132.72 करोड़ रुपये का 8200.51 एमटी शहद निर्यात किया।

आम किसानों को होगा लाभ

नेशनल बी- बोर्ड के सदस्य व सहारनपुर में मधुमक्खी पालन व शहद के कारोबार से जुड़े संघर्ष बायोइनर्जी फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी के निदेशक संजय सैनी बताते हैं, 1931 से मधुमक्खी पालन हो रहा है। मैं 1990 से इस काम से जुड़ा हूं। निर्यातक के जरिये शहद का निर्यात भी करता हूं। इस फैसले से आम किसानों का लाभ होगा। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अंतर्गत कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादन निर्यात विकास प्राधिकरण के आंकड़ों के मुताबिक यूपी देश में सर्वाधिक शहद का उत्पादन कर रहा है। देश में कुल शहद उत्पादन का 18 फीसदी शेयर यूपी का है। इसके बाद पश्चिम बंगाल, पंजाब व बिहार जैसे राज्य आते हैं। लेकिन, निर्यात में तस्वीर बिल्कुल अलग है। वाणिज्यिक जानकारी एवं सांख्यिकी महानिदेशालय के आंकड़ों के अनुसार प्राकृतिक शहद के निर्यात में हरियाणा लगातार नंबर-1 बना हुआ है। ऐसा तब है, जब उत्पादन के मामले में वह कई वर्षों से सातवें नंबर पर है।

दिल्ली-पंजाब के बाद केजरीवाल के टारगेट पर राजस्थान

एमपी समेत 9 राज्य, ब्लूप्रिंट है तैयार

जयपुर, 10 अगस्त (एजेंसियां)। दिल्ली और पंजाब में सत्ता हासिल करने के बाद आम आदमी पार्टी (आप) गुजरात और हिमाचल विधानसभा चुनाव में मजबूती से दावेदारी पेश कर रही है। हाल ही में मध्य प्रदेश के स्थानीय चुनाव में भी अच्छे प्रदर्शन से पार्टी का हौसला बढ़ा है। अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में पार्टी अब देश के बड़े हिस्से में विस्तार की योजना बना रही है। पार्टी अगले 24 महीने में 9 राज्यों तक विस्तार की योजना बना रही है, जिसमें हिमाचल से लेकर केरल तक शामिल है।

ईटी की एक रिपोर्ट के मुताबिक, आप संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की अध्यक्षता में मंगलवार को संगठन की एक बैठक में इस बात को लेकर फैसला किया गया है। पार्टी ने हरियाणा, महाराष्ट्र, केरल, राजस्थान, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, गुजरात, हिमाचल प्रदेश और कर्नाटक में जोरशोर से चुनाव लड़ेगी, जहां अगले दो साल के भीतर विधानसभा चुनाव होना है।

रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि पार्टी ग्रामीण स्तर पर विस्तार के लिए ग्राम संपर्क अभियान शुरू करेगी। अगले छह महीने में गांव-गांव में संगठन तैयार करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके बाद ब्लॉक और जिला स्तर पर संगठन मजबूत किया जाएगा। पार्टी, महिला, छात्र, युवा, दलित और आदिवासियों के लिए अलग मोर्चे बनाकर वोटर्स को साधने का प्रयास करेगी।

रिपोर्ट में कहा गया है कि पार्टी संगठन में युवाओं को तरजीह दी जाएगी। नंबवर-दिसंबर में होने जा रहे गुजरात, हिमाचल प्रदेश चुनाव के लिए पार्टी अलग रणनीति बनाएगी। पार्टी के एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने नाम गोपनीय रखने की शर्त पर अखबार से कहा, "इन दो राज्यों में में कुछ ऐसे सीटों की पहचान की है, जहां हमारा संगठन अच्छा है और कैंडिडेट मजबूत। हम यहां अपने संगठन को मजबूती देने पर ध्यान केंद्रित करेंगे।" राजस्थान, छत्तीसगढ़, कर्नाटक और मध्य प्रदेश में चुनाव अगले साल होगा।

'रेवड़ी' का लिया जाएगा सहारा

'आप' ने बताया कि विचारधारा और राजनीति से जुड़े सवालों को अड्रेस करने के लिए नई चीजें जोड़ी जा रही हैं। उन्होंने कहा, "पार्टी अपनी विचारधारा को आकार दे रही है और विकास की विचारधार प्रमुख है। अभी तक हमारे वॉलेंटियर लोगों को पार्टी से जोड़ने के लिए दिल्ली मॉडल का बखान करते हैं। लेकिन अब यह बदलेगा। हम लोगों से विकास की बात करेंगे और बताएंगे कि कैसे मूलभूत सुविधाएं मुफ्त में दी जाएंगी।"

बाहरी नेताओं को तरजीह नहीं

पार्टी के सामने एक बड़ी चुनौती यह भी है कि दूसरे दलों से आने की चाह रखने वाले नेताओं को किस तरह समायोजित किया जाए। सूत्रों के मुताबिक, केजरीवाल ने मंगलवार को कहा कि दूसरे दलों से आने वाले नेताओं को पार्टी में बड़े पद और चुनाव में टिकट का वादा ना करें। पार्टी ने दूसरे दलों से आने वाले नेताओं और कार्यकर्ताओं के स्क्रीनिंग का भी फैसला किया है।

किरोड़ी को लेकर मंत्री ने उठाए सरकार पर सवाल

रमेश मीणा बोले- सरकार की क्या मजबूरी है गिरफ्तार नहीं किया जा रहा

जयपुर, 10 अगस्त (एजेंसियां)। राज्यसभा सांसद डॉ. किरोड़ीलाल मीणा को लेकर ग्रामीण विकास मंत्री रमेश मीणा ने अपनी ही सरकार पर सवाल उठा दिए हैं। रमेश मीणा ने कहा- सरकार की ऐसी क्या मजबूरी है कि किरोड़ी को गिरफ्तार नहीं किया जा रहा। जब उनके ऊपर 5 केस से ज्यादा लगे हुए हैं, सारी रिपोर्ट हो चुकी है फिर भी उनकी गिरफ्तारी नहीं हो रही है।

रमेश मीणा ने कहा- हमारे मुख्यमंत्री से कहना चाहता हूं कि जो रोजाना न्यूसेंस करता है, कितना प्रशासन लगा कितने लोगों को असुविधा हुई, ऐसे व्यक्ति को गिरफ्तार क्यों नहीं कर रहे हैं? यह एक बड़ा विषय है इस पर सोचने के लिए हम भी मजबूर हैं कि सरकार की ऐसी क्या मजबूरी है कि इन पर कार्रवाई नहीं होत और इन्हें गिरफ्तार नहीं करते हैं। रमेश मीणा प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में मीडिया से बातचीत कर रहे थे।

रमेश मीणा ने कहा- कई बार कह चुका हूं कि ऐसे लोगों का अस्तित्व समाप्त हो चुका है। फिर भी वे राजनीति में चर्चा में रहने के लिए दबंगई दिखाने के लिए कुछ लोगों को बुलाकर कहते हैं दो लाख लोग आए थे। कल दो लाख लोग थे तो जयपुर तक आते तो सही। कल किरोड़ी के कूच में 10 से 15 हजार लोग रह गए, शाम का समय हो गया था उन्हें पता था कि कूच खत्म नहीं करते तो वह अकेले रह जाते । रमेश मीणा ने कहा कि कम भीड़ के कारण ही कूच खत्म करना पड़ा। इसलिए उससे पहले ही मैच फिक्सिंग करके प्रशासन को बुला कर बात करते हैं। डरते क्यों हो? बात है अगर तो आगे बढ़ो, अब अगर मुद्दे नहीं है तो आगे बढ़े कैसे? ईआरसीपी की यह डीपीआर 2017 में बनी तब मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे थीं, तब वे कहां सो रहे थे? तब इन्हें पता नहीं था कि डीपीआर में क्या जोड़ रहा है कौन सा सिंचित क्षेत्र है, कौनसा असिंचित क्षेत्र है, कितना लोगों के लिए पानी चाहिए? कितना सिंचाई के लिए चाहिए, क्या उस समय पता नहीं था? रुकावट डालने के लिए बताना चाहते हैं कि मेरे पास इतनी ताकत है।

वोट बैंक पर रहेगा फोकस

घोषणाओं को वोट बैंक पर फोकस करते हुए तैयार किया जा रहा है।

राजनीतिक-प्रशासनिक मामलों की टीम गुपचुप काम में जुटी हुई है।

टीम ने सभी जिलों से पॉपुलर डिमांड का सर्वे कर रिपोर्ट तैयार की है।

सरकार के लेवल पर पूरा खाका एक-दो महीने में फाइनल करने की तैयारी है।

वोटरों के लिए 'मेगा प्लान' की तैयारी में गहलोत सरकार : चुनावी साल में नए जिलों की घोषणा

जयपुर, 10 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों को देखते हुए गहलोत सरकार मेगा प्लान की तैयारियों में जुट गई है। चुनावी साल में बड़े स्तर पर लोकलुभावन घोषणाओं के लिए अभी से गोपनीय तौर पर काम शुरू कर दिया गया है।

दिसंबर में सरकार की चौथी वर्षगांठ से लेकर फरवरी में सरकार के आखिरी बजट तक बड़े स्तर पर लोकलुभावन घोषणाएं की जाएंगी। अभी से उनका खाका तैयार किया जा रहा है। नेताओं और अफसरों की कोर टीम को इस काम में लगा दिया है और ब्रेन स्टॉर्मिंग भी शुरू हो चुकी है। विधानसभा चुनाव में अभी तकरीबन 15 महीने बचे हैं, ऐसे में चुनावी साल में जाने से पहले गहलोत सरकार व्यक्तिगत लाभ वाली योजनाओं पर जोर दे रही है। ऐसी योजनाओं से वोटर सीधा जुड़ता है और इससे सरकार को लेकर पर्सेप्शन बनता है, इसी का फायदा उठाने के लिए सीधे लाभ पहुंचाने वाली योजनाओं-कार्यक्रमों पर फोकस किया जा रहा है।

लोगों तक सीधा फायदा पहुंचाने वाली स्कीम्स पर फोकस

सरकार की दिसंबर में चौथी वर्षगांठ पर बड़े स्तर पर ऐसी घोषणाएं करने की तैयारी है, जिससे पॉपुलर डिमांड पूरी होती हों। आम आदमी को सीधा फायदा पहुंचाने वाली स्कीम्स में नई घोषणाएं शामिल होंगी। किसानों, छात्रों, महिलाओं और कमजोर तबके के लोगों पर फोकस किया जा रहा है, इन तबकों के लिए चौथी वर्षगांठ से लेकर बजट तक कई घोषणाएं होंगी। फिलहाल सीएम के स्तर पर मंथन का दौर चल रहा है। नए जिलों पर कमेटी अलग-अलग जिलों के प्रतिनिधिमंडल से मिलकर उनके ज्ञापन ले रही है। ऐसी कमेटियों में स्थानीय जनप्रतिनिधि और पार्टी नेता शामिल हैं। माना जा रहा है कि कमेटी सितंबर तक अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंप सकती है।

सियासी लाभ वाली छोटी मांगों पर नजर

ब्लॉक लेवल तक की मांगों को भी मंगवाकर उन्हें पूरा करने से होने वाले सियासी फायदे का गणित भी देखा जा रहा है। छोटी-छोटी मांगों को पूरा करने वाली घोषणाओं को भी बजट में शामिल किया जाएगा। तहसील लेवल की सैकड़ों मांगें कई साल से लंबित चल रही हैं, उन्हें चौथी सालगिरह से लेकर अगले बजट तक पूरा किया जा सकता है, ऐसी मांगों को फिल्टर किया जा रहा है।

लोगों की भावनाओं से जुड़ी मांगों का ब्यौरा

सीएम को यह फीडबैक दिया गया है कि इलाकेवार भावनात्मक रूप से अहम मांगों को पूरा करने का सियासी तौर पर ज्यादा फायदा हो सकता है। इनमें धार्मिक, सामाजिक और क्षेत्रीय स्तर की छोटी-छोटी मांगें हैं, लेकिन उनसे जनता की भावनाएं जुड़ी हैं। जिलों से ऐसी भावनात्मक मांगों का भी अलग से ब्यौरा जुटाया जा रहा है। सियासी पर्सेप्शन बदलने वाली भावनात्मक मांगों को पहले पूरा करने पर जोर दिया जा रहा है। गहलोत सरकार दिसंबर में एनिवर्सरी पर हर वर्ग के लिए कुछ ऐलान करने की तैयारी में है। स्टूडेंट से लेकर बुजुर्ग और किसानों से लेकर आदिवासियों के लिए नए घोषणाओं का ऐलान हो सकता है। हालांकि, क्या आएगा इसको लेकर केवल अनुमान है।

प्रदेश में मानसून का दूसरा दौर जारी

दो दर्जन जिलों में अति भारी बारिश की चेतावनी

जयपुर, 10 अगस्त (एजेंसियां)। प्रदेश में मानसून की बारिश का दूसरा दौर जमकर बरस रहा है, बीते 48 घंटों में करीब डेढ़ दर्जन से ज्यादा जिलों में जहां हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई, तो वहीं जोधपुर और बाड़मेर के कुछ हिस्सों में तेज बारिश दर्ज की जा रही है. बीते 24 घंटों में करीब एक दर्जन जिलों में मानसून की अच्छी बारिश दर्ज की गई.

प्रदेश में मानसून की हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गयी है. बीते 24 घंटों में करीब एक दर्जन जिलों में बारिश दर्ज की गयी है. जालोर में सबसे ज्यादा 26 एमएम, बांसवाड़ा 23 एमएम,अंता बारा 16.5 एमएम, बूंदी 16 एमएम, जयपुर 16.2 एमएम, वनस्थली 11.2 एमएम, जैसलमेर 13.2 एमएम और डबोक 19.1 एमएम बारिश दर्ज की गयी. तो वहीं आधा दर्जन जिलों में 10 एमएम तक बारिश दर्ज की गयी.

मानसून की अच्छी बारिश के बीच प्रदेश में बीते 24 घंटों में मिला जुला तापमान दर्ज किया गया. इस दौरान कुछ जिलों में जहां तापमान में हल्की बढ़ोतरी दर्ज की गई, तो वहीं कुछ जिलों में तापमान में गिरावट के साथ लोगों को गर्मी और उमस से भी राहत मिली, हालांकि अभी भी प्रदेश के करीब सभी जिलों में जहां दिन का तापमान 33 डिग्री से ज्यादा दर्ज किया जा रहा है, तो वहीं रात का तापमान भी 24 डिग्री के पार दर्ज किया जा रहा है.

प्रदेश में बीते 24 घंटों में तापमान मिला जुला रहा है. बीते 24 घंटों में अधिकतर जिलों में दिन का पारा 33 डिग्री पार और करीब आधा दर्जन जिलों में 36 डिग्री के पार तापमान दर्ज किया गया.

तो वहीं करीब सभी जिलों में रात का तापमान 24 डिग्री के पार दर्ज किया गया है. करीब एक दर्जन जिलों में 27 डिग्री के पार रात का तापमान पहुंच चुका है.

मौसम विभाग के अनुसार प्रदेश में एक सिस्टम के असर के चलते आने वाले दिनों में मानसून की गतिविधियों लगातार जारी रहेंगी. इस दौरान प्रदेश के करीब दो दर्जन जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया गया, तो वहीं एक-दो स्थानों पर मौसम विभाग ने भारी से अति भारी बारिश की भी चेतावनी जारी की है. इस के साथ ही प्रदेश में अगले दो सप्ताह तक मानसून के पूरी तरह से सक्रिय रहने की संभावना भी मौसम विभाग ने जताई है.

कन्हैयालाल हत्याकांड, एनआईए ने गौस के साथी को पकड़ा

9 साल से संपर्क में था, धार्मिक विरोध में बढ़-चढ़कर भाग लेता

उदयपुर, 10 अगस्त (एजेंसियां)। उदयपुर के कन्हैयालाल साहू हत्याकांड मामले में एनआईए की जांच जारी है। इसी कड़ी में मुख्य आरोपी गौस मोहम्मद के संपर्क में रहे एक युवक को एनआईए ने हिरासत में लिया है। युवक प्रतापगढ़ के ग्रामीण इलाकों में छोटी दुकानों पर बिस्किट औ कुरकुरे सप्लाई करने का काम करता है। वो पिछले 9 सालों गौस से संपर्क में था।

दरअसल, एनआईए टीम ने सोमवार को प्रतापगढ़ के पारसोला पहुंचकर मुस्लिम मोहम्मद पिता शेर मोहम्मद को नोटिस दिया। मंगलवार को मुस्लिम मोहम्मद एनआईए के सामने पेश हुआ। इसके बाद टीम उसे हिरासत में लेकर जयपुर के लिए रवाना हो गई। जानकारी के अनुसार पिछले दिनों गौस मोहम्मद की कॉल डिटेल्स और बयानों में मुस्लिम मोहम्मद का नाम सामने आया था। गौस की अक्सर मुस्लिम से बातचीत होती थी।

कई संगठनों से मुस्लिम मोहम्मद के कनेक्शन की जांच कर रही टीम

टीम अब पूछताछ कर कई संगठनों से मुस्लिम मोहम्मद के कनेक्शन की जांच कर रही है। कन्हैयालाल हत्याकांड से पहले भी मुस्लिम और गौस पर हुई बातचीत पर भी टीम अब कड़ियां जोड़ रही है। टीम यह पता कर रही है कि क्या गौस द्वारा बनाए इस प्लान की जानकारी मुस्लिम को थी या नहीं।

यह भी सामने आया है कि मुस्लिम मोहम्मद कई कट्टरपंथी संगठनों से जुड़ा हुआ था। वो समुदाय विशेष द्वारा किए जाने वाले धार्मिक विरोध में बढ़-चढ़कर भाग लेता था। मुस्लिम मोहम्मद उदयपुर के PFI, दावत ए इस्लामी समेत कई संगठनों के पदाधिकारियों से संपर्क में था। सोशल मीडिया के जरिए भी वो कई ग्रुप्स में कट्टरपंथी कमेंट किया करता था।

बता दें कि 28 जून को उदयपुर में मालदास स्ट्रीट में कपड़े सिलने वाले कन्हैयालाल साहू की निर्मम हत्या कर दी गई थी। कन्हैया ने सोशल मीडिया में नूपुर शर्मा के समर्थन में रिपोस्ट किया था। इसी के चलते गौस मोहम्मद और रियाज अत्तारी नाम के दो युवकों ने दुकान में घुसकर कन्हैया के गले पर चाकू से हमला किया। आरोपियों ने हमले का लाइव वीडियो और इसकी जिम्मेदारी लेते हुए वीडियो भी वायरल किए थे। इस हत्याकांड में शामिल रहे मुख्य आरोपी मोहम्मद गौस, रियाज अत्तारी समेत 8 आरोपी गिरफ्तार हुए थे।

खाटूश्यामजी भगदड़ में मौत के बाद 4 अधिकारी सस्पेंड

सीकर, 10 अगस्त (एजेंसियां)। खाटूश्याम में मची भगदड़ में तीन महिलाओं की मौत के बाद सरकार गंभीर नजर आ रही है। घटना के दिन खाटूश्यामजी थानाधिकारी रिया चौधरी को सस्पेंड करने के बाद अब दांतारामगढ़ एसडीएम राजेश कुमार मीणा और रींगस सीओ सुरेंद्र सिंह और दांतारामगढ़ तहसीलदार विपुल चौधरी को भी सस्पेंड कर दिया गया है। मंगलवार देर रात कार्मिक विभाग और पुलिस विभाग ने दोनों के सस्पेंड का आदेश जारी किया था।

कार्मिक विभाग की ओर से जारी आदेश में बताया कि राजेश कुमार मीणा (रास) उपखंड अधिकारी दांतारामगढ़ के विरुद्ध विभागीय जांच कार्यवाही प्रस्तावित है। ऐसे में राजस्थान सिविल सेवा नियम,158 में राज्य सरकार राजेश कुमार मीणा को तुरंत प्रभाव से निलंबित करती है। इससे निलंबन काल में राजेश मीणा का मुख्यालय प्रमुख शासन सचिव, कार्मिक विभाग, शासन सचिवालय जयपुर के कार्यालय में रहेगा।

रींगस सीओ भी सस्पेंड

वहीं डीजीपी एमएल लाठर ने भी देर रात आदेश जारी कर रींगस सीओ सुरेंद्र सिंह (आर पी एस) को निलंबित किया है। निलंबन काल में सुरेंद्र सिंह का मुख्यालय महानिदेशक पुलिस, जयपुर रहेगा। इस दौरान उन्हें आधा वेतन और उस पर मिलने वाला महंगाई भत्ता आदि नियमानुसार मिलेगा।

इंदिरा गांधी नहर में गंदा पानी डाला जा रहा, सीएम गहलोत ने पंजाब के मुख्यमंत्री मान से की बात

जयपुर, 10 अगस्त (एजेंसियां)। इंदिरा गांधी नहर परियोजना में दूषित पानी डाले जाने पर राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अपनी चिंता जाहिर की है। सीएम गहलोत ने इस सिलसिले में पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान से बातचीत की है। बातचीत के बाद सराजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने मुझे आश्वासन दिया है कि गंदे पानी के निस्तारण का कार्य प्राथमिकता से किया जाएगा तथा अगली नहरबंदी के दौरान नहर की मरम्मत आदि का कार्य पूरा करवा दिया जाएगा।मुख्यमंत्री गहलोत ने बुधवार को ट्वीट कर यह जानकारी दी। उन्होंने लिखा, 'पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान से इन्दिरा गांधी नहर परियोजना में पंजाब के बूढ़ानाला से आने वाले गंदे जल के निस्तारण एवं इन्दिरा गांधी नहर परियोजना तथा सरहिंद फीडर की मरम्मत के संबंध में वार्ता की। मान ने मुझे आश्वस्त किया है कि गंदे जल के निस्तारण का कार्य प्राथमिकता से किया जाएगा एवं अगली नहरबंदी के दौरान मरम्मत का कार्य पूर्ण करवा दिया जाएगा।'

लंपी को महामारी घोषित कर सकती है राजस्थान सरकार

2.51 लाख पशुओं में फैल चुका वायरस, मंत्री बोले- 1-2 दिन में फैसला लेंगे

जयपुर, 10 अगस्त (एजेंसियां)। गौवंश में फैल रही लंपी वायरस को राजस्थान सरकार महामारी घोषित कर सकती है। पशुपालन मंत्री लालचंद कटारिया और सचिव पीसी किशन ने कहा है कि महामारी एक्ट के नॉर्म्स दिखवाए जा रहे हैं। अगले एक-दो दिन में सरकार उचित फैसला लेगी। लंपी को महामारी एक्ट में लाने के लिए सरकार तेजी से काम कर रही है। इसकी वजह केंद्र सरकार का रवैया है। केन्द्र ने 'लंपी' को राष्ट्रीय आपदा मानने से इनकार कर दिया है। इसलिए राज्य सरकार अब अपने स्तर से एक्सरसाइज कर रही है।

इसलिए जरूरी है महामारी घोषित करना

प्रदेश के 33 में से 22 जिलों में यह बीमारी पशुओं में फैल चुकी है। राजस्थान में 2 लाख 51 हजार 458 गौवंश इंफेक्टेड हैं। 11 हजार 653 की मौत हो चुकी है। 2 लाख 13 हजार 674 का इलाज किया जा रहा है। 91 हजार 716 रिकवर हुए हैं। करीब 50 दिन पहले जैसलमेर में 6 गायों से लंबी के संक्रमण की शुरुआत हुई थी। अब यह जानलेवा बीमारी 22 जिलों में पैर पसार चुकी है। राजस्थान में 1.39 करोड़ गौवंश और 1.37 करोड़ भैंस हैं। इन्हें लंपी से बचाना जरूरी है। वरना पशुपालकों और किसानों को बहुत बड़ा नुकसान होगा। खेती के बाद पशुपालन गांवों की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है।

भावी खतरों को देखते हुए सरकार ले सकती है फैसला

गहलोत सरकार ने कोविड पीरियड के दौरान राजस्थान महामारी एक्ट-2020 लागू किया था। प्रोविजन है कि स्टेट अपने लेवल पर किसी बीमारी के तेजी से फैलने और भावी खतरों को देखते हुए उसे महामारी (Epidemic) घोषित कर सकता है। लंपी को महामारी घोषित किया, तो इससे सरकार को बीमारी की इफेक्टिव कंट्रोलिंग के लिए अधिकार मिलेंगे।

जयपुर में 10वीं की स्टूडेंट छत से कूदी, मौत

जयपुर, 10 अगस्त (एजेंसियां)। जयपुर के पॉश इलाके सिविल लाइंस में 10वीं की छात्रा ने छत से कूदकर सुसाइड कर लिया। बुधवार सुबह नव्या सहगल (15) की लाश घर के पास ही बने सामुदायिक केंद्र में पड़ी मिली। रात करीब 1.30 बजे नव्या मोबाइल यूज कर रही थी तो बड़े भाई तन्मय ने उसे फोन छोड़कर सो जाने के लिए कहा था।

सोडाला थाना सीआई सतपाल ने बताया कि नव्या को सोने का कहकर भाई अपने रूम में चला गया था। पिता भी अपने कमरे में सो रहे थे। माना जा रहा है कि इसके बाद देर रात नव्या छत पर पहुंची और वहां से कूद गई। सुबह करीब 6 बजे आसपास के लोग सामुदायिक केंद्र पहुंचे तो लड़की की लाश पड़ी थी।

लाश देखकर लोगों ने पुलिस को सूचना दी तो सोडाला पुलिस ने एफएसएल की टीम को भी मौके पर बुलाया। पुलिस ने बिल्डिंग की छत से नव्या का मोबाइल और सैंडल सहित अन्य सामान बरामद किया है।

नव्या का परिवार सोडाला थाना क्षेत्र में सामुदायिक भवन के पीछे 3 मंजिला बिल्डिंग में रहता है। सेकेंड फ्लोर पर परिवार का फ्लैट है। नव्या के पिता विनीत सहगल कार कंपनी फोर्ड में मैनेजर हैं। घर में मां-पिता बेटी नव्या और बेटा तन्मय रहते थे।

सुबह जब नव्या की लाश मिली, उस वक्त पिता, मां और भाई घर में थे। नव्या अजमेर रोड स्थित निजी स्कूल में पढ़ती थी। भाई मणिपाल यूनिवर्सिटी से बीबीए सेकेंड ईयर की पढ़ाई कर रहा है। सीआई ने बताया कि फिलहाल पुलिस नव्या के कमरे की तलाशी ले रही है, हालांकि अब तक पुलिस के हाथ कोई ठोस सबूत नहीं लगे हैं। बेटी के इस कदम से पूरा परिवार सदमे में है। वे हैरान हैं कि आखिर ऐसा क्या हुआ कि उसने इतना बड़ा कदम उठा लिया।

सोडाला थाने के एएसआई राजकुमार ने बताया कि कंट्रोल रूम से सूचना मिली थी कि सामुदायिक केंद्र पर एक युवती की बॉडी पड़ी हुई है।

हर घर तिरंगा झंडा फहराना चाहिए : मंत्री इंद्रकरन

वन महोत्सव के तहत मंत्री ने लगाए पौधे

हैदराबाद, 10 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। वन, पर्यावरण, न्याय और कानून मंत्री इंद्रकरन रेड्डी ने भारत की आजादी के 75 साल पूरे होने के अवसर पर वज्रोत्सवम के हिस्से के रूप में हर घर पर तिरंगा झंडा फहराने का आह्वान किया है। लोगों में भारत की आजादी की भावना जगाने और आने वाली पीढ़ियों को शहीदों के बलिदान से अवगत कराने के लिए, उन्होंने सीएम केसीआर के फैसले को बड़े पैमाने पर वज्रोट्सवाला आयोजित करने का आह्वान किया और सभी क्षेत्रों के लोगों से आग्रह किया। दिसाप्ताह समारोह को सफल बनाने के लिए जीवन की। मंत्री इंद्रकरन रेड्डी ने छात्रों और शहरवासियों के साथ भारत के स्वतंत्र हीरा महोत्सव के सम्मान में वनमहोत्सवम के हिस्से के रूप में गंदियारमन्ना हरिथवनम फ्रीडम पार्क में पौधे लगाए। इस अवसर पर बोलते हुए मंत्री ने कहा कि देश की आजादी के लिए लड़ने वाले वीरो का इतिहास आने वाली पीढ़ियों को देना चाहिए. उन्होंने कहा कि देश को आजादी कई वीरो के संघर्ष और बलिदान से मिली है। उन्होंने याद दिलाया कि महात्मा के निस्वार्थ संघर्ष ने देश को आजादी दिलाई। उन्होंने सभी से महाने के सपनों को साकार करने के लिए हाथ मिलाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि तेलंगाना के लिए हरिताहरम कार्यक्रम के तहत पूरे राज्य में पौधे लगाकर और संरक्षित कर तेलंगाना को हरा-भरा बनाने का प्रयास किया जा रहा है। आज जिले भर में 75 हजार पौधे रोपे जा चुके हैं।

सीरवी समाज का वार्षिकोत्सव व दुज महोत्सव 29 को

हैदराबाद, 10 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। पारसीगुट्टा स्थित सीरवी समाज की आस्था का केन्द्र श्री आईमाता मंदिर में सीरवी समाज बन्धुओं के सान्निध्य में श्री आईमाताजी के 607वें अवतरण दिवस व 40वें वार्षिक सम्मेलन पर दो दिवसीय कार्यक्रम के तहत भादवा सुदी एकम रविवार 28 अगस्त महिला मंडल द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम व भादवा सुदी दुज सोमवार 29 अगस्त प्रात: वेला में पूजा-अर्चना व भजन कार्यक्रम भव्यरुप से आयोजित किया जायेगा। अध्यक्ष जे.सी. चोलाराम हाम्बड़ व सचिव किशनसिंह राठौड़ ने बताया कि रविवार 28 अगस्त प्रात: वेला मे श्री आईमाता मंदिर को विशेष फूलों व लाइटिंग से सजाकर माई का विशेष श्रंगारकर सायं 4.15 बजे से 10.15 बजे तक महिला मंडल द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम व सोमवार 29 अगस्त प्रात: 9.15 बजे गणेश वंदना व आईमाँ की पूजा-अर्चना, प्रात: 10.15 बजे भजन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। जिसमें निवाई टॉक राजस्थान से पधारे संत श्री प्रकाशदासजी महाराज माई के चरणों मे भजनों के पुष्प अर्पित करेंगे। अध्यक्ष की अध्यक्षता मे पधारे मेहमानों का स्वागत, कोषाध्यक्ष द्वारा आय व्यय का विवरण, पदाधिकारियों द्वारा अपने विचार व्यक्त करना, सचिव महोदय द्वारा सभा को सम्बोधन, किये गये कार्यो का विवरण एवं धन्यवाद प्रस्ताव, पधारे समाज बन्धुओं व भक्तों के लिए भोजन प्रसादी की व्यवस्था मंदिर प्रांगण में की जायेगी। दुज महोत्सव कार्यक्रम में अध्यक्ष जे.सी.चोलाराम हाम्बड़, किशनसिंह राठौड़, परसराम बर्फा, सज्जनराज सोलंकी, सीतादेवी सोलंकी, निर्मला देवड़ा, पदाधिकारी व कार्यकारिणी समिति के सभी सदस्य पधारे भक्तों की सेवार्थ उपस्थित रहेंगे।

भैंसा पहुंची कांग्रेस गौरव तिरंगा पदयात्रा

भैंसा, 10 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। भारत की स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूरे होने के शुभ अवसर पर, अमृत महोत्सव के हिस्से के रूप में कांग्रेस पार्टी के तत्वावधान में बासर देवी क्षेत्र से तिरंगा यात्रा शुरू हुई। पहला दिन बासर से शुरू होकर मुधोल पहुंचा। दूसरे दिन शाम को हम मुधोल से भैंसा पहुंचे। रास्ते में तरोडा, सरस्वती नगर, कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और पूर्व मंत्रियों ने भी उनके पैतृक गांव देगाव में महापुरुष की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित की. इस अवसर पर कांग्रेस पार्टी के कमजोर वर्गों के उत्थान के लिए काम करने वाले गड्डेना काका की सेवाओं की प्रशंसा की गई। इस अवसर पर नेताओं ने कहा कि कांग्रेस पार्टी द्वारा पूर्व में दूरसंचार के क्षेत्र में की गई सेवाओं को याद करते हुए कांग्रेस पार्टी को आधुनिक भारत में कई मील के पत्थर पार करने, मुफ्त अनिवार्य शिक्षा, बैंकों का राष्ट्रीयकरण, आवास के लिए आवास का श्रेय दिया जाता है।

इंदिराम्मा योजना के तहत गरीब, महात्मा गांधी रोजगार योजना के तहत रोजगार गारंटी योजना, भारत के कई हिस्सों में आईआईटी। उन्होंने देश को शीर्ष पर रखने और स्थापित करने के लिए कांग्रेस पार्टी की सेवाओं की सराहना की। पार्टी जिलाध्यक्ष पवार रामाराव पटेल, ओबीसी प्रदेश उपाध्यक्ष आनंद राव पटेल, मिर्जापुर एमपीटीसी सदस्य अब्दुल रजाक, यूथ कांग्रेस मुधोल विधानसभा क्षेत्र के अध्यक्ष सी. सुदर्शन अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के जिला महासचिव एमए लतीफ, एन. एसयूआई जिला प्रभारी अंजद शेख, बैंसा टाउन युवा कांग्रेस अध्यक्ष अमूल सोन कांबले, युवा कांग्रेस मुधोल निर्वाचन क्षेत्र के नेता डोंगरे सुमीत किरण, मुधोल मंडल अध्यक्ष टी. रमेश, दिगंबर, शंकर भीमिनेनी, थानूर युवा कांग्रेस अध्यक्ष एलप्पा, फिरोज खान संदीप पटेल, चक्रधर पटेल, मुधोल युवा अध्यक्ष गणेश गौड़, कांग्रेस पार्टी के पदाधिकारी और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में मौजूद थे।

तेलंगाना राज्य पुलिस विभाग द्वारा देश का पहला कमांड कंट्रोल रुम की स्थापना किये जाने पर गृहमंत्री मो. महमूद अली को बधाई देते हुए ए. गौतम जैन, पी. राजेंद्र यादव।

केसरियां कंवरजी मंदिर का आठवाँ प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव 20 को

हैदराबाद, 10 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। नेरेडमेट स्थित जेजे नगर के केसरियां कंवर मंदिर का भव्य आठवाँ प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव के दो दिवसीय कार्यक्रम मे शुक्रवार 19 अगस्त जागरण व शनिवार 20 अगस्त प्रात: वेला मे पूजा-अर्चनाकर, अभिषेक व महाप्रसादी कार्यक्रम भव्यरुप से आयोजित किया जाएगा। पुजारी पारसमल प्रजापति ने बताया कि 19 अगस्त शुक्रवार को प्रात: वेला मे मंदिर को भव्यरुप से लाइटिंग व फूलों से सजाकर केसरिया कंवरजी का श्रृंगारकर रात्रि जागरण का आयोजन किया जाएगा। जिसमे आईजी भजन मंडली एंड पार्टी केसरियां कंवरजी के चरणों मे भजनों के पुष्प अर्पित करेगे। 20 अगस्त शनिवार को प्रात: 4.15 बजे अभिषेक, पूजा-अर्चना, ज्योत प्रज्वलन व महाआरती का कार्यक्रम भक्तों के सानिध्य मे आयोजित किया जाएगा। पधारे भक्तों के लिए प्रात: 11.15 बजे से 4 बजे तक महाप्रसादी का आयोजन कार्यक्रम स्थल पर किया जाएगा। कार्यक्रम में केसरियां कंवर मंदिर के समस्त सदस्यगण अपनी सेवाएँ देगें। पुजारी पारसमल प्रजापति ने सभी भक्तों से निवेदन किया है कि उपरोक्त कार्यक्रम मे सपरिवार पधाकर भजनों, दर्शन व महाप्रसादी का लाभ लेवे।

अग्रवाल समाज ज्ञानबाग कॉलोनी शाखा द्वारा सावन की सैर एवं आजादी का अमृत महाउत्सव घटकेसर स्थित श्रीनिधि रिसोर्ट में संपन्न हुआ। इस अवसर पर केंद्रीय शाखा मंत्री दीनबंधु अग्रवाल, अध्यक्ष अनिल अग्रवाल, उपाध्यक्ष सुशील अग्रवाल, मंत्री राकेश अग्रवाल, सह मंत्री मनोज अग्रवाल, कोषाध्यक्ष शिव शंकर गोयल एवं ज्ञानबाग़ महिला शाखा की अलका अग्रवाल, प्रिया अग्रवाल, वर्षा अग्रवाल एवं शाखा के गणमान्य बंधु उपस्थित रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी पदाधिकारियो ने शाखा के सभी बंधुओ का आभार प्रकट किया।

श्रीज्ञान सरस्वती देवस्थान बासर में आजादी का अमृत महोत्सव के तहत देवस्थानम वैदिक प्रशासन और वाग्देवी समाज के प्रांगण में तिरंगा रैली का आयोजन किया गया।

प्रजा संग्राम यात्रा के दौरान प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बंडी संजय का सम्मान करते हुए युवा भाजपा नेता अशोक सेन व बी. अशोक कुमार।

तेलंगाना पुलिस की चेतावनी : कोई सब्सिडी उपहार नहीं दे रहा इंडियन ऑयल

हैदराबादए 10 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। नवीनतम धोखाधड़ी वाले साइबर अपराधियों के नागरिकों को सचेत करते हुए तेलंगाना राज्य पुलिस ने एक नकली लकी ड्रॉ को खारिज करने के लिए ट्विटर का सहारा लिया। पिछले कुछ हफ्तों में, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक नकली लकी ड्रा का प्रचार किया गया है। जालसाजों का दावा है कि यह इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन द्वारा संचालित किया जा रहा है और इसे जीतने पर, एक सहायक उपहार दिया जाएगा। यह स्पष्ट करते हुए कि ऐसा कोई लकी ड्रॉ नहीं हो रहा है, पुलिस ने ट्वीट किया, इंडियन ऑयल कॉर्प के नाम पर एक लकी ड्रा सोशल मीडिया पर चक्कर लगा रहा है और व्यक्तिगत विवरण मांगने के बाद 6,000 रुपये का ईंधन सब्सिडी उपहार जीतने का मौका दे रहा है। यह सलाह दी जाती है कि उपरोक्त धोखाधड़ी से मेल खाने वाले संदेश या ईमेल के ऐसे किसी भी उदाहरण को अनदेखा किया जाना चाहिए और पुलिस को सूचित किया जाना चाहिए। अपना विवरण साझा न करें या किसी असत्यापित लिंक पर क्लिक न करें।

पुलिस ने उक्त धोखाधड़ी के एक स्क्रीनशॉट की एक तस्वीर भी साझा की, जिसमें एक बधाई संदेश के साथ-साथ ईंधन सब्सिडी उपहार के झूठे वादे का उल्लेख किया गया है। साइबर से संबंधित किसी भी अपराध की रिपोर्ट करने के लिए, टोल-फ्री नंबर 1930 पर कॉल करें या अपने नजदीकी पुलिस स्टेशन से संपर्क करें।

हिंदूपुर सांसद का वीडियो फर्जी : एसपी फकीरप्पा

अनंतपुरम, 10 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। वाईएसआरसीपी सांसद जी. माधव का विवादित वीडियो में बदलाव किया हुआ निकला, जिसकी पुष्टि जिला एसपी फकीरप्पा ने की। मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, उन्होंने कहा कि वायरल हुआ वीडियो फर्जी वीडियो है और कहा कि वीडियो मूल वीडियो नहीं था जैसा कि सांसद के विरोधियों ने दावा किया है। उन्हें संदेह था कि वीडियो या तो संपादित किया गया था या मॉर्फ किया गया था। उन्होंने कहा कि सांसद के वीडियो के दृश्य एक व्यक्ति द्वारा पोस्ट किए गए थे।

यह कहते हुए कि सांसद के समर्थकों ने इस मुद्दे पर उनके पास शिकायत दर्ज कराई है, उन्होंने कहा कि वे मामले की जांच कर रहे हैं।

सुनील बंसल बने तेलंगाना भाजपा के नए प्रभारी

हैदराबाद, 10 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य को भाजपा का नया राज्य प्रभारी मिला है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने पार्टी के महासचिव और उत्तर प्रदेश के संगठनात्मक सचिव सुनील बंसल को तेलंगाना का पार्टी प्रभारी नियुक्त करने के आदेश जारी किए। उन्हें पश्चिम बंगाल और ओडिशा राज्यों के प्रभारी के रूप में भी नियुक्त किया गया है।

बंसल ने 2017 के यूपी विधानसभा चुनाव में पार्टी की जीत सुनिश्चित करने में अहम भूमिका निभाई थी। श्री बंसल ने पार्टी के वर्तमान राज्य प्रभारी तरुण चुघ का स्थान लिया। राज्य के पार्टी नेताओं ने कहा कि बंसल की तेलंगाना पार्टी के प्रभारी के रूप में नियुक्ति किसी भी कीमत पर राज्य में सत्ता में आने के भगवा पार्टी के राज्य के उद्देश्य के अनुरूप है। भाजपा श्री बंसल को साथ लेकर पश्चिम बंगाल और ओडिशा राज्यों में भी ताकत हासिल करने की योजना बना रही है।

राजस्थान राजपूत समाज हैदराबाद सिकंदराबाद के नव निर्वाचित अध्यक्ष दीप सिंह राठौर बोरटा और युवा संगठन अध्यक्ष गंगा सिंह चौहान पादरा का स्वागत किया गया। इस अवसर पर मंगल सिंह भाटी, राम सिंह, विक्रम सिंह, भीम सिंह, चन्दन सिंह, उदय सिंह व अन्य।

क्रिकेट खेलते हुए गिरा शख्स, अस्पताल में मौत

हैदराबाद, 10 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। गंडीपेट के बंडलगुडा जागीर में क्रिकेट खेलने के दौरान कथित तौर पर दिल का दौरा पड़ने से एक व्यक्ति की मौत हो गयी। हाईटेक सिटी में एक फर्म के लिए काम करने वाला एक सॉफ्टवेयर कर्मचारी मैन तुषार आमरा बेदवा (32) अपने माता-पिता और पत्नी पूजा बेदवा के साथ गंडीपेट के बंडलगुडा जागीर में रॉयल एन्क्लेव में रह रहा था। वह गुजरात के राजकोट के रहने वाला था। पुलिस के मुताबिक बेदवा शाम करीब पांच बजे अपने दोस्तों के साथ अपने अपार्टमेंट के पास एक खुली जगह में क्रिकेट खेलने गया था। खेलते समय उसे सीने में दर्द की शिकायत हुई और वह खेल के मैदान में गिर पड़ा। पुलिस ने कहा कि उसके दोस्त उसे पास के अस्पताल ले गए, जहां उसे गंभीर हालत में भर्ती कराया गया और रात में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। डॉक्टरों को संदेह है कि उसकी मौत कार्डियक अरेस्ट से हुई है। परिवार ने उसकी मौत पर कोई संदेह नहीं जताया है। राजेंद्रनगर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

ब्रह्मर्षि समाज का अखंड रामायण एवं अष्टयाम 14 से, हुई बैठक

हैदराबाद, 10 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। ब्रह्मर्षि सेवा समाज हैदराबाद की कार्यकारिणी की मासिक बैठक ऑनलाइन हुई। प्रेस विज्ञप्ति में समाज के महासचिव इंद्रदेव प्रसाद सिंह ने बताया कि बैठक का मुख्य एजेंडा प्रत्येक वर्ष 14 और 15 अगस्त को होनेवाले अनवरत 24 घंटे का अखंड रामायण पाठ एवं अनवरत रामधुन कीर्तन का आयोजन था। बैठक में फ़ैसला लिया गया कि इस वर्ष भी समाज यह आयोजन सम्पन्न करेगा। अतः तय हुआ कि परशुराम मंदिर, जगतगीर गुट्टा में 14 अगस्त को 11:00 बजे आवाहन एवं संकल्प के साथ पूजा प्रारम्भ होगी तदुपरांत 24 घंटे का अखंड रामायण एवं अनवरत राम धुन कीर्तन की जाएगी। 15 अगस्त को 11 बजे के उपरांत पूर्णाहुति एवं महाआरती के बाद अन्नदान के साथ अखंड पाठ एवं कीर्तन का समापन समारोह सम्पन्न होगा। आयोजन सम्बन्धी विभिन्न कार्यक्रमों की रूप-रेखा बनाई गई और उस पर विचार विमर्श किया गया। तय हुआ कि समाज के अध्यक्ष सुजीत ठाकुर एवं महासचिव इंद्रदेव सिंह के साथ पूर्व अध्यक्ष गोविंद राय सपत्नीक पूजा प्रारम्भ करेंगे। अन्य सदस्यों से भी अपील की गई कि यदि वे पूजा में बैठना चाहे तो उनका सहर्ष स्वागत है। बैठक में आगामी स्वतंत्रता दिवस समारोह के आयोजन हेतु भी चर्चा की गई। बैठक में उपरोक्त सदस्यों के अतिरिक्त उपाध्यक्ष श्रीमती सुधा राय, पंकज कुमार सिंह, तिरुपति राय, डॉ. आशा मिश्रा ने अपने सुझाव दिए और कार्यक्रम के सफल बनाने हेतु तन मन धन से सहयोग का वादा किया।

आजादी के अमृत महोत्सव के तहत रक्त दान शिविर 14 को

हैदराबाद, 10 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। आजादी के अमृत महोत्सव के तहत 14 अगस्त को पर्ल काउंटी में विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया जायेगा। आज प्रेस विज्ञप्ति में लक्ष्मीकांत व्यास ने बताया कि रक्त दान शिविर का आयोजन पर्ल काउंटी क्लब हाउस में प्रात: 9 बजे से 3 बजे तक आयोजित किया जायेगा। सभी हैदराबाद-सिकंदराबाद के निवासियों से इसमें भाग लेकर देश की आजादी के 75 वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित अमृत महोत्सव के तहत ये आयोजन किया जा रहा ज्यादा से ज्यादा रक्त दान कर कार्यक्रम को सफल बनाये। सयोंजक सुरेश कुमार मोदी एवं मनीष अग्रवाल ने सभी से रक्तदान शिविर में आकर रक्त दान की अपील की।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, MOHAMMED BASHEER, R/o, H.No. 20-3-1085, MASJID E QUTBE ALAM, SHAH GUNJ, HYDERABAD, T.S, have Changed my Name as MOHAMMED BASHEER UDDIN, S/o MOHAMMED YOUSUF UDDIN.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन के प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

श्रावण मास के अंतिम सोमवार पर श्री सिखवाल ब्राह्मण समाज द्वारा श्री रामदरबार, पंचायतीवाड़ा स्थित शिव मंदिर में महारुद्राभिषाक किया गया। इसमें भाग लेते हुए रामदेव नागला, पं. वासुदेव तिवाड़ी व स्वजाति बंधु।

कबूतर खाना में आयोजित भगवान वेंकटेश के कल्याणोत्सव में भाग लेते हुए पं. भवानीशंकर केडिया, महेश बैंक के चेयरमैन रमेश बंग व अन्य।

मदनूर मंडल केंद्र में आजादी का अमृत महोत्सव के तहत पौधारोपण किया गया। इसमें भाग लेते हुए स्थानीय सरपंच दरासवार सुरेश, मंडल विकास अधिकारी श्रीनिवास, एसआई शिवकुमार, एपीओ पद्मा, ग्राम पंचायत सचिव संदीप, खुशाल रचावार व अन्य।

नगर पधारे राजस्थान जोधपुर से जाट नेता प्रशांत जाखड, राजसा जाखड, जसुराम जाट, भारती, ओमप्रकाश चौधरी, नरपतसिंह चौहान, राजु बेनीवाल (आरएलपी), गौरव (आरएलपी) का सम्मान करते हुए तेलंगाना जाट एकता मंच के प्रदेश अध्यक्ष धर्माराम ढाका, पपुराम जाखड, गोपाल डऊकिया एवं अन्य।

जन्मदिन की शुभकामनाएं

कैलाश सिंह

माता : पूनम सिंह
पिता : करण सिंह

विश्व के सर्वप्रथम गोल्ड मेडलिस्ट
अब तक परेशान क्यों ?
कोई भी पंडित, तांत्रिक, बाबा हम से पहले काम करके दिखाये मुँहमांगा ईनाम पाये
हजारो के दुखो को खुशी में बदलने वाले
बाबा साबिर खान बंगाली
जैसे: पति-पत्नी मे झगड़ा, सौतन व दुश्मन से छुटकारा, मनचाहा प्यार, गृहक्लेश, विदेश यात्रा, जादू-टोना, AtoZ समस्याओ का तुरंत समाधान पाये।
स्पे० वशीकरण व मुठकरनी
9810940158

चेस ओलिंपियाड में भारत को डबल ब्रॉन्ज

चेन्नई, 10 अगस्त (एजेंसियां)। शतरंज का ओलिंपिक कहे जाने वाले चेस ओलिंपियाड में भारतीय खिलाड़ियों ने डबल ब्रॉन्ज जीते हैं। मंगलवार को विमेंस और मेंस टीमें तीसरे स्थान पर रहीं। भारत को आठ साल बाद इस टूर्नामेंट में मेडल मिला है। 2018 के सीजन में भारतीय खिलाड़ी जॉर्जिया से खाली हाथ लौटे थे।

चेन्नई में आयोजित चेस के महाकुंभ में भारत-बी टीम ने ओपन वर्ग में ब्रॉन्ज जीता, जबकि विमेंस कैटेगरी में भारत-ए टीम ने तीसरा स्थान हासिल किया। भारत-बी ने जर्मनी को 3-1 से हराते हुए तीसरा स्थान पक्का कर लिया। इंडिया-ए 11वें राउंड में हार गई।

भारत ने 2014 में मेंस कैटेगरी का मेडल जीता था। 98 साल के चेस ओलिंपियाड के इतिहास में भारत ने पहली बार इन गेम्स की मेजबानी की है।

उज्बेकिस्तान ने गोल्ड हासिल किया

यहां उज्बेकिस्तान ने सभी को हैरान करते हुए गोल्ड जीता। उसने नीदरलैंड को 2-1 से हराया। आर्मेनिया की टीम ओपन वर्ग के दूसरे नंबर पर रही। उसने अपने अंतिम दौर के मुकाबले में स्पेन को 2.5-1.5 से हराया। उज्बेकिस्तान की टीम 11वें राउंड में अजेय रही और उसने 19 मैच अंक हासिल किए। भारत बी टीम 18 अंक के साथ तीसरे स्थान पर रही।

FIDE कांग्रेस में 2026 ओलंपियाड की मेजबानी उज्बेकिस्तान को ही दी है।

11वें दौर में हारी महिला ए टीम

टॉप सीड इंडिया ए को विमेंस कैटेगरी के 11वें राउंड में अमेरिका के खिलाफ पराजय झेलनी पड़ी। इस कारण उसका गोल्ड छिटक गया और भारतीय टीम तीसरे स्थान पर रही। इस मुकाबले में कोनरू हंपी और आर वैशाली ने ड्रॉ खेले। तानिया-भक्ति की हार से गोल्ड की उम्मीदों को झटका लगा।

भारत-बी टीम ने जर्मनी को 3-1 से हराया

युवा भारतीय-बी टीम ने जर्मनी को 3-1 से हराकर देश को दूसरा कांस्य पदक दिलाया। इंडिया-बी में डी. गुकेश शुरुआत से आगे थे। उन्होंने 9/11 का शानदार स्कोर बनाया। निहाल सरीन ने 7.5/10 का बढ़िया स्कोर किया। प्रज्ञानंदा ने 6.5/9 के साथ अच्छा स्कोर किया और रौनक साधवानी ने भी 5.5/8 का मूल्यवान स्कोर किया।

बर्मिंघम के बाद लंदन में भी फहराया तिरंगा

कॉमनवेल्थ फेंसिंग चैंपियनशिप में भवानी देवी ने जीता गोल्ड, ऑस्ट्रेलियाई तलवारबाज को हराया

लंदन, 10 अगस्त (एजेंसियां)। बुधवार सुबह भारत वासियों को एक और गर्व का क्षण मिला। जब वे उठे तो उनके चेहरे में मुस्कान थी, क्योंकि बर्मिंघम के बाद अब लंदन में जन...गण...गन बज रहा था और तिरंगा शान से फहरा रहा था। यह गर्व का मौका दिया टोक्यो ओलिंपिक में अपने प्रदर्शन से देश का दिल जीतने वाली तलवारबाज भवानी देवी ने।

28 साल की इस तलवारबाज ने कॉमनवेल्थ चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल हासिल कर लिया। उन्होंने सेवर कैटेगरी के फाइनल मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया की खिलाड़ी वैसलेवा को 15-10 से हराया। उनका इस चैंपियनशिप का यह दूसरा गोल्ड है।

ओलिंपिक खेलने वाली पहली तलवारबाज हैं

भवानी ओलिंपिक खेलने वाली भारत की पहली तलवारबाज हैं। ओलिंपिक में भवानी ने फेंसिंग में पहला मैच जीतकर देश का नाम रोशन किया था। हालांकि, वे दूसरा मैच हार गईं। फिर भी अपने पहले मैच के प्रदर्शन से भवानी ने एक नया इतिहास रच दिया। वे ओलिंपिक में भारत के लिए पहला मैच जीतने वाली तलवारबाज बनी थीं।

बांस की स्टिक से सीखी तलवार बाजी

भवानी के पिता मंदिर में पुजारी हैं। वे मंदिरों और लोगों के घर पर जाकर पूजा करवाते हैं। मां हाउस वाइफ हैं। घर में 5 भाई-बहन हैं। भवानी सबसे छोटी हैं। घर की स्थिति उतनी अच्छी नहीं थी और फेंसिंग के इक्विपमेंट भी महंगे थे। ऐसे में भवानी ने बांस की लकड़ी से तलवारबाजी सीखी। बाद में इक्विपमेंट भी खरीदे। रियो ओलिंपिक की तैयारी के लिए पिता ने उधार लिया। इतना ही नहीं, उनकी मां को अपने गहने भी गिरवी रखने पड़े।

बोल्ट ने कीवी बोर्ड का कॉन्ट्रैक्ट छोड़ा

स्टोक्स के बाद ट्रेंट बोल्ट भी क्रिकेट के बेहद व्यस्त शेड्यूल से परेशान थे; घरेलू क्रिकेट खेलते रहेंगे

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेंसियां)। तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट ने कीवी बोर्ड से अपना कॉन्ट्रैक्ट समाप्त कर दिया है। वे अब बहुत कम क्रिकेट खेलते नजर आएंगे। बोल्ट ने यह फैसला अपने परिवार को टाइम देने और लगातार हो रही क्रिकेट की थकान को कम करने के लिए किया है। हालांकि, 33 साल के तेज गेंदबाज घरेलू क्रिकेट खेलते रहेंगे।

वे अब न्यूजीलैंड की टीम का हिस्सा नहीं हैं। अब जब वो उपलब्ध हो सकेंगे तभी उनका सिलेक्शन टीम में किया जा सकता है। बोल्ट इस समय लिमिटेड ओवरों की सीरीज के लिए वेस्टइंडीज दौरे पर हैं। इस फॉर्मेट में भी वे लंबे समय बाद वापसी कर रहे हैं।

इंटरनेशनल क्रिकेट में 548 विकेट ले चुके इस गेंदबाज ने अचानक सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट खत्म कर एक बार फिर क्रिकेट संचालन करने वाले प्रशासकों को सवालों के घेरे में ला दिया है। उनके इस फैसले ने एक बार फिर क्रिकेट के बेहद व्यस्त शेड्यूल का मुद्दा गरमा गया है।

याद दिला दें कि 21 दिन पहले इंग्लिश ऑलराउंडर बेन स्टोक्स ने वनडे क्रिकेट से यह कहते हुए संन्यास ले लिया था कि क्रिकेट के तीनों फॉर्मेट में उनके लिए खेलना बहुत मुश्किल है। उनका शरीर भी अब जवाब दे रहा है।

बोल्ट बोले- मेरा लिए परिवार सबसे पहले

बोल्ट ने कहा, 'देश के लिए क्रिकेट खेलना मेरे लिए गर्व की

बात है। यह एक सपना था जो पूरा हुआ। मैं पिछले 12 साल से लगातार खेल रहा हूं। अब मैं चाहता हूं कि अपने परिवार को टाइम दूं। यह फैसला मैंने अपनी पत्नी और 3 बच्चों के लिए लिया है। मेरा परिवार मेरे लिए सबसे पहले है और उन्हें मेरी अब जरूरत है।'

उन्होंने कहा, 'मैंने खुद को सेंट्रल कॉन्ट्रेक्ट से बाहर करने का फैसला सोच समझ कर लिया है। मेरे नहीं होने से टीम पर इसका असर जरूर पड़ेगा। हालांकि, एक तेज गेंदबाज करियर भी बहुत अधिक लंबा नहीं होता है। ऐसे में यह सही समय है कि मैं अब अपने अलग कदम की तरफ अपनी योजनाओं को पूरा करूं।'

वनडे के नंबर-1 गेंदबाज हैं

ट्रेंट बोल्ड वनडे क्रिकेट के नंबर-1 गेंदबाज हैं। हाल ही में जारी ICC वनडे रैंकिंग में ट्रेंट बोल्ट नंबर-1 बने थे। उन्होंन जसप्रीत बुमराह को पीछे छोड़ा था।

ट्रेंट बोल्ट न्यूजीलैंड के लिए 78 टेस्ट, 93 वनडे और 44 टी20 मैच खेल चुके हैं। टेस्ट क्रिकेट में बोल्ट ने न्यूजीलैंड के लिए 317 विकेट चटकाए हैं। वहीं, वनडे में उनके नाम 169 विकेट दर्ज है। उन्होंने टी20 में 62 विकेट लिए हैं।

केएल राहुल के एशिया कप खेलने पर संदेह

विराट-रोहित कर सकते हैं भारत के लिए ओपनिंग, श्रेयस अय्यर जाएंगे यूएई

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेंसियां)। एशिया कप के लिए टीम इंडिया का ऐलान हुआ और केएल राहुल को टीम में चुन लिया गया। आईपीएल 2022 के बाद से एक भी इंटरनेशनल मैच ना खेलने वाले राहुल के चयन के बाद अब उनके फिटनेस का मसला सामने आ गया है। अगर राहुल टीम से बाहर होते हैं तो विराट कोहली और रोहित शर्मा बतौर ओपनर एशिया कप में नजर आएंगे। स्टैंड बाई खिलाड़ी के तौर पर टीम में लिए गए श्रेयस राहुल के ना जाने पर यूएई की फ्लाइट में बैठेंगे।

दरअलस राहुल को ग्रोइन इंजरी ने जकड़ लिया था, जिस वजह से जर्मनी में उनका ऑपरेशन हुआ। इसी बीच वह कोरोना की चपेट में भी आ गए। डबल झटकों से उबरने के बाद अब उन्हें एशिया कप की टीम में जगह दी गई है।

उड़ान भरने से पहले पास करना होगा फिटनेस टेस्ट

27 अगस्त से यूएई में शुरू हो रहे एशिया कप के लिए केएल राहुल यूएई जाएंगे या नहीं, इस पर फैसला अगले हफ्ते होगा। आप सोच रहे होंगे कि भला अब ये क्या बात है? तो इसके पीछे की वजह केएल राहुल की फिटनेस है, जो अभी भी सवालों के घेरे में है। रिपोर्ट है कि केएल राहुल को टीम के साथ यूएई की उड़ान भरने ले पहले फिटनेस टेस्ट पास करना होगा। बीसीसीआई की टीम एनसीए में राहुल का फिटनेस टेस्ट लेगी।

91 दिनों से इंटरनेशनल क्रिकेट से दूर हैं राहुल

केएल राहुल आईपीएल 2022 से ही इंटरनेशनल क्रिकेट से दूर हैं। एनसीए के सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि राहुल अब रिकवर कर चुके हैं, लेकिन उनके फिटनेस की आधिकारिक जांच होनी बाकी है। बीसीसीआई के फीजियो संभवतः अगले हफ्ते बेंगलुरु में कभी भी राहुल का फिटनेस टेस्ट लेंगे।

केएल राहुल हुए अनफिट तो श्रेयस अय्यर जाएंगे यूएई

अब सवाल है कि केएल राहुल अगर फिटनेस टेस्ट में फेल हुए या वो 100 फीसद फिट नहीं रहे तो क्या होगा। ऐसी सूरत में उनकी जगह श्रेयस अय्यर यूएई की फ्लाइट में बैठकर टीम के साथ एशिया कप खेलने जा सकते हैं। बता दें कि श्रेयस अय्यर को स्टैंडबाई प्लेयर के तौर पर एशिया कप की टीम में चुना गया है।

विमेंस टीम पर गांगुली के बयान से फैंस में गुस्सा

कॉमनवेल्थ सिल्वर जीतने पर जताई थी निराशा; फैंस ने पूछा, खुद कितने फाइनल जीते?

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेंसियां)। कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 में इंडियन विमेंस क्रिकेट टीम ने शानदार प्रदर्शन किया। उसने सिल्वर मेडल जीता। गेम्स में पहली बार महिला क्रिकेट को जगह मिली थी। ऐसे में ऐतिहासिक मेडल के बाद जश्न में डूबे देश को BCCI अध्यक्ष सौरव गांगुली के एक बयान ने नाराज कर दिया है। इसे लेकर सोशल मीडिया पर लगातार गांगुली की आलोचना हो रही है।

फैंस को पसंद नहीं आ रहा गांगुली की बधाई का तरीका

दरअसल, फाइनल मैच में भारतीय महिला टीम को ऑस्ट्रेलिया से नजदीकी मुकाबले में 9 रनों से हार का सामना करना पड़ा। इससे पहले 1998 में पुरुष क्रिकेट को भी गेम्स में शामिल किया गया था, तब भारतीय टीम कोई पदक नहीं

जीत सकी थी। इस कारण महिला टीम के प्रदर्शन की सभी सराहना कर रहे हैं। कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत ने 61 मेडल जीते और वह ओवर ऑल चौथे नंबर पर रहा।

शक्तिशाली बोर्ड अध्यक्ष के नाते भाषा में नहीं थी शालीनता

गांगुली ने महिला क्रिकेट टीम को बधाई देते हुए लिखा, 'भारतीय महिला क्रिकेट टीम को सिल्वर मेडल जीतने की ढेर सारी शुभकामनाएं, लेकिन वे निराश होकर घर जाएंगी, आज रात उनका खेल ही ऐसा था।' इस पर यूजर्स और फैंस भड़क गए और गांगुली को जमकर ट्रोल करने लगे। एक यूजर ने लिखा कि महिला टीम को गर्व महसूस करना चाहिए, उन्हें निराश नहीं होना चहिए।

एक अन्य यूजर ने लिखा कि एक शक्तिशाली बोर्ड का अध्यक्ष होकर ऐसे मैसेज लिखना ठीक नहीं है। जबकि एक-दूसरे फैंस ने गांगुली से पूछा, आपने खुद कितने फाइनल जीते?

फाइनल मैच में ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 161 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से 8 चौकों की मदद से सबसे ज्यादा 65 रन बेथ मूनी ने बनाए। जबकि ऑस्ट्रेलिया की ऑफ स्पिनर एश्ले गार्डनर ने 3 ओवरों में 16 रन देकर 3 विकेट लिए। भारत की तरफ से 7 चौकों और 2 छक्कों की मदद से सबसे ज्यादा 65 रन कप्तान हरमनप्रीत कौर ने बनाए।

वहीं मेघना सिंह और स्नेह राणा ने दो-दो विकेट अपने नाम किए। फाइनल में स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सकीं। इससे पहले ग्रुप राउंड में भारत को ऑस्ट्रेलिया से हार मिली थी। टीम ने पाकिस्तान और बारबडोस को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई थी।

मराठी अंदाज में सचिन ने बांधी पगड़ी

युवी ने कहा - ऑय सचिन कुमार आहे, बेटे अर्जुन ने शादी की बजाय क्रिकेट फील्ड में बहाया पसीना

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेंसियां)। सचिन तेंदुलकर उन खिलाड़ियों में शामिल हैं, जो कि सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय रहते हैं। वह भले ही क्रिकेट से दूर हों लेकिन फैंस को अपनी जिंदगी के अपडेट्स देते रहते हैं। हाल ही में सचिन ने एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह 'फेंटा' यानी पगड़ी पहने नजर आए।

देशी लुक में फैंस को खूब भाए सचिन

सचिन तेंदुलकर के वीडियो के बैकग्राउंड में मराठी गाने बजते हुए सुनाई दे रहे हैं। सचिन तेंदुलकर अपनी भतीजी करिश्मा की शादी में पहुंचे थे। वीडियो में फेंटा बंधवाते हुए ही उन्होंने इस बारे में बताया। हालांकि इस शादी में अर्जुन तेंदुलकर नजर नहीं आए। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर स्टोरी डाली, जिसमें वह स्टेडियम में इंडोर अभ्यास करते नजर आ रहे थे।

सचिन ने सोशल मीडिया पर वीडियो जारी करते हुए लिखा, 'मैं अपनी बड़े भाई नितिन की तेंदुलकर की बेटी करिश्मा की शादी में आया हूं, उसके लिए फेंटा पहन रहा हूं। ट्रैडीशनल तैयारी।'

सचिन का देसी लुक फैंस को काफी पसंद आ रहा है। उनके वीडियो को लाइक करने वालों में पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह भी शामिल हैं। युवराज सिंह ने कमेट करते हुए लिखा, 'ऑय सचिन कुमार आहे।'

सारा भी मेंहदी रचाती आईं नजर

सचिन के अलावा सारा तेंदुलकर भी इस शादी में देसी लुक में नजर आईं। सारा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ तस्वीरें पोस्ट की हैं, जिसमें वह हाथों पर मेहंदी लगाती नजर आ रही हैं। उनके साथ नितिन तेंदुलकर की बेटी और दुल्हन करिश्मा भी अपनी मेहंदी दिखाती नजर आ रही है।

सारा ने तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा कि मेरी बहन की शादी है। पूरा तेंदुलकर परिवार इस शादी के लिए काफी उत्साहित दिखाई दे रहा है।

मशहूर संगीतकार एसडी बर्मन के नाम पर हुआ था सचिन का नामकरण सचिन तेंदुलकर का जन्म राजापुर के मराठी ब्राह्मण परिवार में हुआ था।

मशहूर क्रिकेट अंपायर रूडी कर्टजन का कार एक्सीडेंट में निधन

100 से ज्यादा टेस्ट मैचों में अंपायरिंग कर चुके थे, 18 साल लंबा था करियर

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेंसियां)। साउथ अफ्रीका के दिग्गज अंपायर रूडी कर्टजन की सड़क हादसे में मौत हो गई है। वो 73 साल के थे। वर्ल्ड क्रिकेट में मशहूर रूडी गोल्फ खेलने के बाद केपटाउन से अपने घर नेल्सन मंडेला खाड़ी की ओर लौट रहे थे। कर्टजन के बेटे ने बताया कि उनके पिता की मौके पर ही मौत हो गई।

1981 से घरेलू क्रिकेट में अंपायरिंग शुरू करने वाले रूडी को पहली बार इंटरनेशनल क्रिकेट में अंपायर बनने का मौका 1992 में मिला था। पोर्ट एलिजाबेथ में साउथ अफ्रीका और टीम इंडिया के बीच मैच में उन्होंने टेस्ट डेब्यू किया था। रूडी ने रिकॉर्ड 209 वनडे 108 टेस्ट और 14 टी-20 इंटरनेशनल मैचों में अंपायरिंग की। वह स्टीव बकनर के बाद सिर्फ दूसरे अंपायर थे जिन्होंने 100 टेस्ट मैचों में अंपायरिंग की।

गांधीजी के आदर्शों से अवगत हों छात्र : सोमेश कुमार

मुख्य सचिव ने स्वतंत्र भारत वज्रोत्सव के तहत विद्यार्थियों के साथ देखी 'गांधी' फिल्म

हैदराबाद, 10 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्य सचिव सोमेश कुमार ने कहा कि महात्मा गांधी फिल्म के प्रदर्शन पर अन्य राज्यों का भी सकारात्मक रवैया रहा है तथा देश के अन्य राज्यों ने भी इस फिल्म को देखने में अपनी रुचि दिखाई है। इस संदर्भ में, स्वतंत्र भारत वज्रोत्सव के तहत महानगर स्थित माधापुर के इन आर्बिट माल में गांधी फिल्म का प्रदर्शन हो रहा है। इस शानदार फिल्म को सैकडों छात्र-छात्राओं ने मुख्य सचिव तेलंगाना सरकार सोमेश कुमार के साथ देखा तथा इस फिल्म का आनंद लिया। इस फिल्म को, तत्संबंधित सीएस व विद्यार्थियों के साथ नगर प्रशासन विशेष मुख्य सचिव अरविंद कुमार, गृह मुख्य सचिव रवि गुप्ता, शिक्षा सचिव वाकाटी करुणा एवं साइबराबाद सीपी स्टीफन रविंद्र ने भी देखा। इन सभी ने गांधी फिल्म की तारीफ की। इसके बाद सीएस सोमेश कुमार ने उक्त विद्यार्थियों के साथ गांधी फिल्म के विषय पर

आपसी बातचीत की। जिसमें सीएस ने विद्यार्थियों के साथ किये गये प्रश्नोत्तर में गांधी फिल्म के पहले देखने या अब देखने की तुलना करने को कहा। इसके जवाब में विद्यार्थियों ने सोमेश कुमार को बताया कि, उन्होंने आजतक इतनी बेहतरीन फिल्म न देखी है न भविष्य में कभी देखेंगे। साथ ही बताया कि, इस गांधी फिल्म को देखने से भारत स्वतंत्रता संग्राम के विषय में पूरी जानकारी से हर कोई अवगत हो सकता है। इस मामले में सोमेश कुमार ने विद्यार्थियों को सूचित किया कि, सभी अपनी अपनी पाठशाला जाने पर गांधी फिल्म के देखने से जुडे विषय पर निबंध लिखें। इस संबंध में सोमेश कुमार ने एक महत्वपूर्ण जानकारी देते हुए बताया कि, इस अद्भुत गांधी फिल्म जिसे अबतक तेलंगाना राज्य के 552 सिनेमा थियेटरों में प्रदर्शित किया गया है तथा इस फिल्म को अबतक लगभग 22 लाख स्कूली छात्र व छात्राओं ने देखा है तथा यह सभी महात्मा गांधी के आदर्शों से अवगत हुए। जिसमें उन्होंने बताया कि, यदि आवश्यक होने पर इस फिल्म के प्रदर्शन को कुछ और तक जारी रखा जायेगा। ताकि भारत की स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण निभाने में महात्मा गांधी की मुख्य भूमिका व आदर्शों से सभी अवगत हो सके। साथही उन्होने कहा कि, सीएम केसीआर की भी यही राय है कि, सभी गांधी फिल्म को देखें तथा स्वतंत्रता संग्राम से अवगत होकर देशभक्ति की स्फूर्ति पायें। जिसमें उन्होंने कहा कि, देश के अन्य राज्य भी इस बात से अचंभित हैं कि, तेलंगाना में लाखों विद्यार्थियों को गांधी फिल्म दिखाई जा रही है तथा इसके चलते विद्यार्थीगण इस फिल्म द्वारा देश की स्वतंत्रता संग्राम से अवगत हो रहे हैं तथा देशभक्ति से ओतप्रोत हो रहे है। इसके चलते अन्य राज्य भी चाहते हैं कि गांधी फिल्म का प्रदर्शन कर विद्यार्थियों को दिखाया जाये।

सीएस सोमेशकुमार द्वारा जुबिलि हिल्स रोड नं.36 स्थित फ्रीडम पार्क में पौधारोपण

भारत स्वतंत्रता के वज्रोत्सव के तहत जुबिलि हिल्स रोड नं. 36 में जीएचएमसी द्वारा हाल ही में फ्रीडम पार्क की व्यवस्था की गयी। इसमें राज्य मुख्य सचिव सोमेश कुमार ने पौधे लगाये तथा पौधारोपण कार्यक्रम में नगर प्रशासन विशेष मुख्य सचिव अरविंद कुमार, जीएचएमसी आयुक्त लोकेश कुमार ने भी पौधे लगाये। इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों ने जुबिलि हिल्स रोड नं. 36 के राजमार्ग पर 5 एकड जमीन पर नये फ्रीडम पार्क की व्यवस्था करने पर सीएस सोमेश कुमार की भूरि-भूरि प्रशंसा की।

रक्षा बंधन से पहले नगर के बाजारों में उमड़ी भीड़

व्यापारियों में खुशी की लहर

हैदराबाद, 10 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। भाई-बहन के पवित्र संपर्क का पर्व रक्षा बंधन से पहले शहर के बाजारों में चमचमाती राखी और अपने भाइयों के लिए मिठाइयों के पैकेट की तलाश में महिलाओं की भीड़ उमड़ पड़ी है। बेगम बाजार, ओल्ड सिटी और कोटि जैसे क्षेत्रों में विभिन्न प्रकार की हस्तनिर्मित और डिजाइनर राखी बेचने वाले अस्थायी स्टॉल लगाये गये हैं।

स्टॉल मालिकों के अनुसार, इस बार अलग-अलग संदेशों वाली राखियां सभी चलन में हैं। ज्यादातर लोग एक भयानक भाई, भाई, छोटे भाई, और बहुत कुछ जैसे संदेशों के साथ राखी खरीद रहे हैं। यहां तक कि पारंपरिक और कार्टून-थीम वाली राखियां भी शेल्फ से तेजी से उड़ रही हैं।

बेगम बाजार के एक अन्य स्टॉल मालिक का कहना है कि पिछले साल जब शहर में कोविड-19 के मामले बढ़ रहे थे, उसकी तुलना में इस साल बिक्री अच्छी है।

वह 150 रुपये से लेकर 1,000 रुपये तक की राखियां बेच रहा है और कहता है, मैंने पिछले महीने ही बिक्री शुरू कर दी थी क्योंकि कई लोग उन्हें शहर या देश से बाहर रहने वाले अपने भाइयों को भेजते हैं।

सिर्फ महिलाएं ही नहीं, कई पुरुष भी अपनी बहनों के लिए उपहार खरीदने के लिए बाजारों में उमड़ रहे हैं। चॉकलेट, एक्सक्लूसिव गिफ्ट सेट, परफ्यूम की बोतलें और अन्य सामान बेचने वाले आउटलेट्स में भारी भीड़ हो रही है। दूसरी ओर, कुछ शहर या देश से बाहर रहने वाले अपने भाइयों और बहनों को राखी, मिठाई और उपहार भेजने के लिए ऑनलाइन रास्ता अपना रहे हैं। युवाओं के अनुसार, उपहार देने के विकल्प ऑनलाइन बहुत बड़े हैं और साथ ही किफायती भी हैं। कई कंपनियां इको-फ्रेंडली सेलिब्रेशन को बढ़ावा दे रही हैं। इस बीच, त्योहार मनाने के दिन स्थानीय लोगों में व्याप्त भ्रम के साथ, कई पुजारियों का कहना है कि लोग 11 अगस्त को रात 8:51 बजे के बाद और पूर्णिमा तिथि के दौरान 12 अगस्त तक यानी सुबह 7:16 बजे तक राखी बांध सकते हैं।

22 राज्यों को 'मेड इन तेलंगाना' राष्ट्रीय ध्वज की आपूर्ति : श्रीनिवास गौड़

महबूबनगर, 10 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। पर्यटन मंत्री वी. श्रीनिवास गौड़ ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस पर हर घर में फहराए जाने वाले 'मेड इन तेलंगाना' राष्ट्रीय ध्वज बांटना गर्व का क्षण है। तेलंगाना के अलावा, राज्य में बुनकरों द्वारा उत्पादित राष्ट्रीय ध्वज स्वतंत्रता दिवस समारोह के लिए देश भर के 22 अन्य राज्यों को आपूर्ति किए जा रहे हैं।

मंगलवार को यहां मोनप्पागुट्टा में घरों में राष्ट्रीय ध्वज वितरित करते हुए, मंत्री ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस पर हर घर में राष्ट्रीय ध्वज फहराना एक महान अवसर होगा।

मंत्री ने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि प्रत्येक घर में तिरंगा वितरित किया जाए। उन्होंने कहा कि भारत की आजादी के 75 साल पूरे होने पर राज्य सरकार 'स्वतंत्र भारत वज्रोत्सवालु' धूमधाम से मना रही है और छात्रों और युवाओं को बड़ी संख्या में इस समारोह में भाग लेना चाहिए।

इससे पहले दिन में, मंत्री ने छात्रों के साथ एवीडी सिनेमा में 'गांधी' फिल्म देखी। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता सेनानियों द्वारा किए गए संघर्ष और बलिदान को वर्तमान पीढ़ी को अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने और समाज की सेवा करने के लिए प्रेरणा के रूप में काम करना चाहिए।

श्रीनिवास गौड़ ने कहा कि महात्मा गांधी ने अहिंसा के माध्यम से देश के लिए स्वतंत्रता हासिल की और शांति और सद्भाव सुनिश्चित करने के लिए सभी वर्गों को इसका पालन करना चाहिए।

राष्ट्रीय ध्वज बांटने की स्थिति में नहीं केंद्र : हरीश राव

सिद्दीपेट, 10 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। वित्त मंत्री टी. हरीश राव ने कहा कि केंद्र सरकार देश में नागरिकों को पर्याप्त राष्ट्रीय ध्वज वितरित करने की स्थिति में नहीं है। बुधवार को सिद्दीपेट जिले में रंगनायका सागर बांध पर फ्रीडम पार्क का उद्घाटन करने के बाद सभा को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि स्वतंत्रता समारोह के 75 वर्षों के दौरान राष्ट्रीय ध्वज उपलब्ध कराने में केंद्र की ओर से यह विफलता है। राव ने कहा कि केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी लोगों को कपड़े के बजाय कागज आधारित राष्ट्रीय ध्वज का उपयोग करने का सुझाव दे रहे हैं। मेक इंडिया के नारे से प्रेरणा लेते हुए राव ने कहा कि तेलंगाना सरकार ने 1.2 करोड़ राष्ट्रीय झंडे तैयार किए हैं, जिन्हें वे पूरे देश में बांट रहे हैं। स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान महात्मा गांधी द्वारा निभाई गई भूमिका को याद करते हुए मंत्री ने कहा कि देश में कुछ संगठन गांधी की हत्या करने वाले नाथूराम गडसे का समर्थन कर रहे थे और वे लगातार राष्ट्रपिता के खिलाफ बोल रहे थे। ऐसे संगठनों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करते हुए राव ने कहा कि केंद्र उनके खिलाफ कोई कार्रवाई करने में विफल रहा है। उन्होंने कहा कि ऐसे संगठनों को देश से बाहर खदेड़ने का समय आ गया है। उन्होंने आज सिद्दीपेट में विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लिया है।

आजादी का अमृत महोत्सव : ऐतिहासिक चारमीनार पर फहराया गया राष्ट्रीय ध्वज

हैदराबाद, 10 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। राजीव गांधी सद्भावना यात्रा स्मारक समिति ने आज आजादी का अमृत महोत्सव मनाने के लिए ऐतिहासिक चारमीनार में एक कार्यक्रम मनाया।

समिति के अध्यक्ष जी. निरंजन ने राजीव गांधी सद्भावना यात्रा स्मारक पोल पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया, जो ध्वज संहिता के अनुसार प्रतिदिन सुबह से सूर्यास्त तक 15 अगस्त तक रहेगा। राष्ट्रीय ध्वज उन पर्यटकों के लिए मुख्य आकर्षण होगा, जो हर दिन दुनिया के कोने-कोने से चारमीनार आते हैं।

इस अवसर पर बोलते हुए जी. निरंजन ने स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदानों को याद किया और उन्हें श्रद्धांजलि दी। महात्मा गांधी द्वारा शुरू किए गए स्वतंत्रता संग्राम के अहिंसक आंदोलन ने अंततः अंग्रेजों को देश छोड़ने के लिए मजबूर किया और लोगों ने स्वतंत्रता हासिल की। हालांकि आजादी के 75 साल के दौरान देश ने उल्लेखनीय प्रगति की है, लेकिन देश के विकास और अखंडता के लिए लोगों को खुद को फिर से समर्पित करना होगा। लोगों के बीच आर्थिक असमानता के लिए प्रयास शुरू करने होंगे। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जी. कन्नैयालाल, जी. आनंद, राजेंद्र राजू, जी. दिनेश, ओमप्रकाश शर्मा, अशोक रेड्डी, मूसा खासिम, राजेश वाल्मीकि, दिलावर, के. विनय, प्रमोद रेड्डी, ममीडाला कृष्णा और अन्य ने भाग लिया।

गद्दा निर्माण इकाई में लगी आग

हैदराबाद, 10 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। किशनबाग स्थित गद्दा निर्माण इकाई में बुधवार सुबह आग लग गई। दमकल अधिकारियों के अनुसार, आग उस इकाई में लगी, जहां बड़े पैमाने पर गद्दे बनाए जाते थे और भारी मात्रा में कपास की थैलियों का भंडारण किया जाता था। स्थानीय लोगों ने परिसर से धुआं निकलते देखा तो दमकल विभाग को सूचना दी। शुरुआत में चंदूलाल बारादरी फायर स्टेशन से एक वाहन मौके पर पहुंचा और तीव्रता अधिक होने के कारण दमकल की तीन और गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। दमकलकर्मी आग पर काबू पाने का प्रयास कर रहे हैं। बहादुरपुरा पुलिस भी मदद कर रही है।

PUBLIC NOTICE

This is for notice of the general public that a Political Party is proposed to be registered by the name **BHARATH SAMAJ DEVELOP PARTY.** The office of the party is located at D.No. 40-31-26, Dharma Nagar, Visakhapatnam, Andhra Pradesh State - 530008. This party has submitted application to the Election Commission of India, New Delhi for its registration as Political Party under sction 29A of the representation of people Act 1951 - Names / Address of the office bearers of the party are as follows:

- **President / Chairman:** Chintada Suryam
- **General Secretary / Secretary:** Kurra Ranga Naik
- **Treasurer:** Chengala Chinna Rao

If any one has any objection to the registration of Bharath Samaj Develop Party they may send their objections with reasons thereof to the Secretary (Policitcal Party), Election Commission of India, Nirvaehen sada, Ashoka Road, New Delhi - 110001 with in 30 days of the publication of this notice.

KOTYADA JAGANNADHAM
Advocate MA, LLB
D.No. 30-15-143, Dabagadens,
Visakhapatnam - 530020. AP
Cell: 98496 39526, 9347875916.
E-Mail: kotyadajagannadham@gmail.com

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया | Union Bank of India

UNION BANK OF INDIA
Regional Office, Union Bank Building, 1st Floor, Seethammadhara, Visakhapatnam-13. Ph : 0891-2546717, 704 & 706.
E-mail : operations.vizag@unionbankofindia.bank.

PREMISES REQUIRED FOR LEASE

Two premises required on rent / lease for Offices / Branches within 5 km radius from Seethammadhara admeasuring minimum 1500 sft, preferably on ground floor, in ready possession with adequate parking space. Interested parties are requested to contact the above address for details and submit their offers in two separate envelopes in the proforma containing Technical bid & Financial bid kept in a single sealed cover marked Bank Premises to the above address. Last date for receipt of application is **01.09.2022.**

BANK RESERVES THE RIGHT TO REJECT ANY / ALL OFFERS WITHOUT ASSIGNING ANY REASON. No brokerage will be paid by the Bank.

Sd/- Regional Head

गोदावरी ने भद्राचलम में चेतावनी के दूसरे स्तर को पार किया, अधिकारी अलर्ट पर

कोत्तागुडेम, 10 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के भद्राचलम में बुधवार को गोदावरी नदी का जलस्तर बढ़ कर दूसरे चेतावनी स्तर को पार कर गया है। सुबह पांच बजे जलस्तर 48 फीट के दूसरे चेतावनी स्तर को पार कर 49.30 फीट तक पहुंच गया। दोपहर 12 बजे तक 12.79 लाख क्यूसेक पानी छोड़े जाने पर जलस्तर 50.40 फीट पर पहुंच गया। परिणामस्वरूप चेर्ला-भद्राचलम और बर्गमपाड-कोठागुडेम सड़कों पर परिवहन प्रभावित हुआ है। पूर्ववर्ती वारंगल जिले के वजेदु और वेंकटपुरम में परिवहन, कोत्तागुडेम जिले के अश्वपुरम, चेरला, बरगामपाड और दुम्मुगुडेम मंडल प्रभावित हुए हैं

क्योंकि कई स्थानों पर बाढ़ का पानी मुख्य सड़कों पर जलमग्न हो गया है। गोदावरी बाढ़ के पानी में अमेर्धा-अम्मागरीपल्ली, आनंदपुरम-चिंथिरयाला, अश्वपुरम मंडल के बत्तिलागुम्पु-रामनगर गांवों और दुम्मुगुडेम मंडल के गंगोलू गांव के बीच की मुख्य सड़कें जलमग्न हो गई हैं, जिससे कई गांवों का परिवहन बाधित हो गया है। जिला कलेक्टर अनुदीप दुरीशेट्टी ने गोदावरी बाढ़ की स्थिति पर जिला अधिकारियों के साथ भद्राचलम में उप-कलेक्टर कार्यालय में समीक्षा बैठक की और अधिकारियों को भद्राचलम में नदी में बढ़ते बाढ़ के स्तर को देखते हुए सतर्क रहने को कहा।

अपार्टमेंट से महिला की गिरकर मौत

हैदराबाद, 10 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार को कोमपल्ली में एक बहुमंजिला आवासीय इमारत से गिरकर एक गृहिणी की कथित तौर पर मौत हो गई। 34 वर्षीया महिला रिनीता रेड्डी अपने परिवार के साथ पेटबशीराबाद पुलिस थाना क्षेत्र के कोमपल्ली में बोब्बिली एम्पायर अपार्टमेंट में रहती थी। पुलिस को शक है कि उसने इमारत की पांचवीं मंजिल से छलांग लगाई होगी। परिवार के सदस्यों ने पुलिस को बताया कि रिनीता को स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतें थीं और हो सकता है कि इन्हीं के कारण उसने अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली हो। मामला दर्ज कर शव को गांधी अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है।

लोकसभा सीटों में बढ़ोतरी हेतु जनसंख्या के अलावा क्षेत्र, वन और पारिस्थितिकी, आय अंतर को भी आधार बनाया जाये : विजय साई रेड्डी

नई दिल्ली, 10 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। वाई एस आर कांग्रेस पार्टी ने केन्द्र सरकार से मांग की है कि जब भी लोकसभा सीटों के लिये नये परिसीमन आयोग का गठन किया जाये तो आयोग से सीटे तय करते समय जनसंख्या के अलावा क्षेत्र, वन और पारिस्थितिकी, आय अंतर और जनसांख्यिकी उपलब्धि जैसे को महत्व दे। इससे दक्षिण भारत के राज्यों के साथ अन्याय नहीं होगा। पार्टी के वी विजय साई रेड्डी ने राज्यसभा में सत्र के अंतिम दिन विशेष उल्लेख के माध्यम से इस मामले को उठाते हुये कहा कि संसद के नये भवन का निर्माण एक स्वागतयोग्य कदम है। यह वास्तव में भारत के एक आधुनिक और जीवंत लोकतंत्र के प्रतीक का रूप होगा। संसद के नये भवन में लोकसभा में 888 सीटें की व्यवस्था की जा रही है।

उन्होंने चिंता व्यक्त करते हुये कहा कि नये परिसीमन में क्या जनसाख्यिकी को महत्व दिया जायेगा, जैसाकि पहले होता आया है। मौजूदा निर्वाचन क्षेत्रों का परिसीमन 2001 की जनगणना के आधार पर है लेकिन विधानसभाओं और संसद की कुल सीटें 1971 की जनगणना के आधार है जिसमें परिवर्तन नहीं किया गया है। श्री रेड्डी ने कहा कि 1971 की जनगणना के आधार पर संयुक्त आंध्र प्रदेश की जनसंख्या उत्तर प्रदेश की तुलना में 49.2 प्रतिशत थी। 2011 में संयुक्त आंध्र प्रदेश की जनसंख्या 6.8 प्रतिशत घटकर उत्तर प्रदेश के मुकाबले 42.4 प्रतिशत रही।

कुछ अनुमानों के अनुसार मौजूदा आंध्र प्रदेश की जनसंख्या उत्तर प्रदेश की तुलना में 39.6 प्रतिशत होगी। उन्होंने कहा कि अगर नये संसद भवन में लोकसभा सीटों की बढ़ोतरी जनसांख्यिकीय के आधार पर की जायेगी तो आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और केरल जैसे दक्षिण भारत के राज्यों को नुकसान होगा। श्री रेड्डी ने कहा कि इस प्रकार से उत्तर प्रदेश की सीटें 50 प्रतिशत बढ़कर 120 हो जायेगी जबकि आंध्र प्रदेश सीटें 20 प्रतिशत बढ़कर 30 हो जायेगीं। उन्होंने सरकार से अनुरोध करते हुये कहा कि जब भी लोकसभा सीटों के लिये नये परिसीमन आयोग के गठन के लिये संसद में विधेयक लाया जाये तो आयोग को जनसंख्या के अलावा क्षेत्र, वन और पारिस्थितिकी, आय अंतर और जनसाख्यिकीय महत्व को परखने को शामिल करने के लिये अधिकृत किया जाये।इससे दक्षिण भारतीय राज्यों के साथ अन्याय नहीं होगा।

आंध्र प्रदेश में कल्याणकारी छात्रावासों के लिए धन की कमी नहीं : सीएम

अमरावती, 10 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री वाईएस जगनमोहन रेड्डी ने आंध्र प्रदेश में स्कूलों के रखरखाव के लिए बनाए गए फंड की तर्ज पर कल्याणकारी छात्रावास चलाने के लिए एक फंड स्थापित करने का आह्वान किया।

अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक, गुरुकुल विद्यालयों, कल्याण छात्रावासों और 'नाडु नेडु' कार्यक्रम में ढांचागत सुविधाओं के संबंध में बुधवार को ताडेपल्ली में अपने शिविर कार्यालय में एक समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने अधिकारियों को राज्य में कल्याणकारी छात्रावासों के उचित संचालन और रखरखाव को सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने उन्हें नाडु नेडु योजना के तहत एक वर्ष के भीतर सभी प्रकार के छात्रावासों में काम करने की सलाह भी दी। जगन ने कहा कि डॉक्टर छात्रावासों का दौरा करें और नियमानुसार छात्रों के स्वास्थ्य की निगरानी करें। उन्होंने अधिकारियों को छात्रावासों के रख-रखाव और मेस शुल्क में वृद्धि करने और तदनुसार प्रस्ताव तैयार करने का भी निर्देश दिया।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.